



PROSPECTUS 2023-24
विवरणिका 2023.24

कॉलेज के संस्थापक FOUNDER OF THE COLLEGE



SHRI KISHAN DASS JI GURWALE
श्री किशनदास जी गुरवाले

HINDU COLLEGE UNIVERSITY OF DELHI



NAAC CERTIFICATE
HINDU COLLEGE AWARDED

A⁺ GRADE

**IN THE FIRST CYCLE
GRADING BY NAAC**





PRINCIPAL'S MESSAGE

”

Hindu College is an institution that thrives on a rich heritage and tradition of striving to provide excellence in education. We have a culture that is 120 years old that renews its spirit and evolves every year with the admission of talented and gifted students from all over the country. It is my privilege to be able to support the students and faculty of our college from this position.

The motto of the college, 'Music of Truth', inspires the drive of seeking knowledge in all its ways and forms. The college, through its academic departments and myriad extra-curricular activities is able to sustain this pursuit of knowledge and is the ideal place for students to achieve excellence. With an extremely dedicated set of teachers and support staff and an excellent infrastructure, the college ensures that students are provided with the best environment to learn and grow in. We seek to prepare our young women and men such that when they leave Hindu College, they are well-rounded individuals ready to take on challenges in their respective fields.

This prospectus is designed to welcome prospective students on the journey of seeking academic and extra-curricular fulfilment at our institution. In the glimpses of our college that are presented in this prospectus, there are several wonderful opportunities for so many students who will become Hinduites this year. I look forward to welcoming an exciting group of individuals from all corners of the country. I am convinced that your immense talent and dedication will take the college to greater heights. In return, your three years at Hindu will be some of the most memorable in your life - with several opportunities to grow as individuals and friendships to last a life time.

With best wishes...!



Prof. ANJU SRIVASTAVA
PRINCIPAL

प्राचार्य संदेश



हिंदू कॉलेज अपनी समृद्ध विरासत और महान परंपरा के साथ उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की दिशा में सदैव अग्रणी रहा है। देश के कोने-कोने से प्रवेश लेने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए हमारी १२३ वर्ष पुरानी संस्कृति ऊर्जा का स्रोत रही है। प्राचार्य होने के नाते अपने कॉलेज के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को सहयोग करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कॉलेज का आदर्श वाक्य “सत्य का संगीत” (म्यूजिक ऑफ ट्रूथ) ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। कॉलेज शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति के साथ व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण संस्थान बन चुका है।

समर्पित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ यहाँ का उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा छात्र को सीखने-समझने और आगे बढ़ने का बेहतर सकारात्मक परिवेश प्रदान करता है। हिंदू कॉलेज का ध्येय विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ जीवन की चुनौतियों से सामना करने में सक्षम बनाना रहा है।

यह विवरणिका (प्रोस्पेक्टस) प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को कॉलेज के शैक्षणिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों से परिचित कराने का एक माध्यम है। इसमें प्रस्तुत वर्ष भर की कॉलेज की गतिविधियों की झलकियाँ प्रवेशार्थियों के लिए अवसरों के अनेक द्वार खोलती है।

मैं देशभर से प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों का स्वागत करने हेतु तत्पर हूँ। मुझे विश्वास है कि आपकी अपार प्रतिभा और समर्पण कॉलेज को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जायेगी। हिंदू कॉलेज का आपका सफर न केवल आपके लिए यादगार रहेगा बल्कि आपके व्यक्तित्व के विकास की दिशा में भी सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित...!

कॉलेज प्रशासन COLLEGE ADMINISTRATION



Bursar
Dr. Varunendra Singh Rawat



Vice-Principal
Prof. Reena Jain



Administrative Officer
Ms. Rajesh Sharma



Section Officer (Admin.)
Sh. Vijender Tiwari



Consultant Accounts
Sh. Mahesh C. Rawat



Section Officer (Accounts)
Sh. Sadar Singh Rawat



Warden (Girls Hostel)
Prof. Anuradha Sharma



Warden (Boy's Hostel)
Dr. Naorem Santakrus Singh



Librarian
Mr. Sanjeev Datt Sharma

विवरणिका समिति

PROSPECTUS COMMITTEE



Ms. Rubina S Naqvi (Convener)
सुश्री शेख रुबीना नकवी



Dr. Nidhi Chawla
डॉ. निधि चावला



Dr. Aparna Saxena
डॉ. अपर्णा सक्सैना



Dr. Krishna Mani Pathak
डॉ. कृष्ण मणि पाठक



Dr. Twinkle Pal
डॉ. ट्विंकल पाल



कॉलेज प्रोफाइल

हिंदू कॉलेज देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। इसकी प्रतिष्ठा सार्वजनिक रूप से तो है ही, अपने पूर्व विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क में भी यह ससम्मान अपना स्थान बनाए हुए है, जिनमें से कई अब सरकार, व्यापार, उद्योग, मीडिया और शिक्षा आदि क्षेत्रों में प्रमुख पदों पर आसीन हैं। 'हिन्दू' नाम का अतिक्रमण करते हुए इस संस्था में सभी धर्मों के छात्र-छात्राओं ने यहाँ शिक्षा की है तथा अपनी रुचि के चुने हुए क्षेत्रों -चाहे वह अकादमिक क्षेत्र हो, खेल हो या अन्य गतिविधियाँ हों, उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया है। हिंदू कॉलेज की स्थापना एक सदी से भी पहले 1899 में स्वर्गीय श्री किशन दास जी गुरवाले ने की थी। ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवादी संघर्ष की पृष्ठभूमि में, दिल्ली के श्री गुरवालेजी सहित कुछ प्रमुख नागरिकों ने एक कॉलेज आरंभ करने का निर्णय लिया, जो गैर-आभिजात्य और गैर-सांप्रदायिक होते हुए भी युवाओं को राष्ट्रवादी शिक्षा प्रदान करेगा। मूल रूप से हिन्दू कॉलेज चांदनी चौक के किन्नरी बाजार में एक साधारण-सी इमारत में स्थित था, और पंजाब विश्वविद्यालय से संबद्ध था क्योंकि उस समय दिल्ली विश्वविद्यालय अपने अस्तित्व में नहीं आया था। जैसे-जैसे कॉलेज का विकास हुआ, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण इसे 1902 में एक बड़े संकट का सामना करना पड़ा। लेकिन सौभाग्य से, इस बिंदु पर, राय बहादुर सुल्तान सिंह ने कश्मीरी गेट पर अपनी ऐतिहासिक संपत्ति (जो मूल रूप से कर्नल स्कinner की थी) का एक हिस्सा उदारता से कॉलेज को दान कर दिया, जिससे यह 1953 तक वहाँ कार्य करने में सक्षम हो गया, जिसके बाद, यह दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने वर्तमान स्थान पर ले जाया गया।

हिंदू कॉलेज ने फरवरी 1999 में अपनी शताब्दी मनाई, और उन मूल्यों और लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया, जिन पर इसकी स्थापना के समय से ही टिका हुआ है। शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, एक प्रतिष्ठित वकील श्री ललित भसीन के कुशल नेतृत्व में विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कारों की स्थापना की गई। ये पुरस्कार कॉलेज के उन पूर्व छात्रों को प्रदान किए जाते हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दो अतिरिक्त पुरस्कार- लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और यंग अचीवर्स अवार्ड भी विशिष्ट पूर्व छात्रों को दिए जाते हैं। पूर्व छात्र संघ पिछले कुछ वर्षों में एक गतिशील और जीवंत निकाय के रूप में विकसित हुआ है। यह कॉलेज के विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

हिंदू कॉलेज भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, विशेष रूप से भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बौद्धिक और राजनीतिक बहस का केंद्र था। यह दिल्ली का एकमात्र कॉलेज है जिसमें 1935 से 'छात्र-संसद' है, जिसने वास्तव में महात्मा गांधी, पं. मोतीलाल नेहरू, पं. जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, मोहम्मद अली जिन्ना और सुभाषचंद्र बोस सहित कई राष्ट्रीय नेताओं को एक मंच प्रदान किया, जहाँ से वे युवाओं को उद्बोधित और प्रेरित करते रहे। 1942 में गांधीजी के भारत छोड़ो आंदोलन का पूरे हृदय से समर्थन करते हुए हिन्दू कॉलेज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई, इस क्रम में कॉलेज के कुछ शिक्षक और छात्र जेल भी गए थे। कॉलेज ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। और, आज यह न केवल देश में सबसे प्रतिष्ठित स्नातक और स्नातकोत्तर सह-शिक्षा संस्थानों में से एक है, बल्कि कई कारणों से दिल्ली के शिक्षा संस्थानों में युवाओं के बीच पहली पसंद के रूप में भी लोकप्रिय है। इसमें लगभग 140 शिक्षकों और लगभग 3600 छात्रों के एक कुशल संकाय है।

कॉलेज को अपने कुशल और अत्यंत सहयोगी प्रशासनिक/गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों पर भी गर्व है। यहाँ विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान धाराओं में कई पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान की जाती है। हिन्दू कॉलेज का पुस्तकालय विभिन्न पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं से समृद्ध है। इसके अतिरिक्त अत्यंत सुसज्जित प्रयोगशालाएं, एनएसएस और एनसीसी कमरे, छात्र-केंद्र, सेमिनार कक्ष, बैंक, कंप्यूटर कक्ष, स्टेशनरी तथा फोटोकॉपी आदि की सुविधाएं भी इस कॉलेज को पूर्णता प्रदान करती हैं। पच्चीस एकड़ भूमि में फैला कॉलेज का परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर के प्रमुख स्थानों में से एक में स्थित है, जो सड़क और दिल्ली मेट्रो से भी सुसंबद्ध है।

कॉलेज ने हाल ही में पिछले दो वर्षों में हमारे परिसर में तीन नई शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या सुविधाओं को जोड़ा है, जिनमें एक एम्फीथिएटर है, जिसे 'उत्सव' नाम दिया गया है। नया सांगानेरिया साइंस ब्लॉक तथा साथ ही दिल्ली के बेहतरीन ऑडिटोरियम में से एक कॉलेज के अन्य लोकप्रिय आकर्षण हैं। कॉलेज का ऑडिटोरियम पूरी तरह से वातानुकूलित है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं तथा आरामदायक बैठने की जगह है। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट 'ग्रीन रूम' और एक भव्य मंच भी इस ऑडिटोरियम को आधुनिकतम बनाते हैं, जिसकी तुलना किसी भी आधुनिक मूवी थियेटर से की जा सकती है। एम्फीथिएटर अपने नाम के अनुरूप 'उत्सव' की भावना को दर्शाता है तथा छात्रों को उनकी रचनात्मक क्षमता की अभिव्यक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करता है। कॉलेज की बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं, विशेष रूप से छात्रों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज ने आधुनिक, सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ सांगानेरिया साइंस ब्लॉक भी बनाया है, जिसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान के लिए एक-एक प्रयोगशाला है। इस इमारत के प्रत्येक विंग का नाम एक प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक के नाम पर रखा गया है।

हिंदू कॉलेज में संकाय और छात्रों के लिए एक समर्पित अनुसंधान सुविधा के साथ एक शोध केंद्र भी है। 38000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैली चार मंजिला इमारत में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, भाषाई प्रयोगशाला, सुशीला देवी सभागार और मीडिया लैब के लिए प्रयोगशालाएं स्थित होंगी। स्नातक की शुरुआत से ही छात्रों के सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के लिए एक समर्पित अनुसंधान सुविधा की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। एक एकीकृत अनुसंधान केंद्र की भी आवश्यकता थी जो अनुसंधान उपक्रमों के लिए सही वातावरण और संभावना प्रदान करे। मौजूदा सेट-अप में सुविधाएं अलग-अलग स्थानों पर पूरे कॉलेज में फैली हुई हैं, किन्तु नया अनुसंधान केंद्र सामाजिक विज्ञान और विभिन्न भाषाओं में अनुसंधान के लिए नई सुविधाएं प्रदान करने के अलावा इस अंतर को पाटने में भी सहायक होगा। यह अनुसंधान केंद्र छात्रों को उनकी तर्कपूर्ण चिंतन-क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ाने के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। ये शोध-परक सुविधाएं छात्रों की अकादमिक नींव को अधिक सशक्त करेंगी। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि हिन्दू कॉलेज को हाल ही में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डीबीटी स्टार कॉलेज योजना से सम्मानित किया गया है।


कॉलेज परिसर में सुव्यवस्थित बगीचों और सुंदर वृक्षों, एक विशाल खेल मैदान के साथ ही पुरुषों एवं महिलाओं के लिए एक-एक छात्रावास भी है। प्रत्येक छात्रावास में 200 विद्यार्थियों के रहने की सुविधा उपलब्ध है। हिन्दू कॉलेज अपने छात्रों को एक उदार, जीवंत और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल प्रदान करता है जिससे छात्रों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में अपनी जगह बनाने में भरपूर मदद मिलती है। बुनियादी सुविधाओं के अलावा, कॉलेज की ताकत इसका अनुकूल और समृद्ध वातावरण भी है, जो कॉलेज के उत्कृष्ट रिकॉर्ड की परंपरा को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कॉलेज से पढ़े हुए छात्रों की अनेक पीढ़ियों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कॉलेज में व्यतीत किए गए समय ने उन्हें एक ठोस ज़मीन प्रदान की है, जिस पर चल कर वे अपनी सफलता को संभव कर पाए। हिन्दू कॉलेज आने वाले समय के लिए मानवीय-उद्यम और प्रयास के हर क्षेत्र में छात्रों को नेतृत्व और दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

COLLEGE PROFILE

Hindu College is recognized as one of the premier academic institutions in the country. It stands tall in public esteem and also in the memories of its alumni, many of whom are now prominent figures in government, business and industry, the media and education. Notwithstanding its name, students from all religions have grown up here and excelled in the chosen areas of their interests, be it academics, sports, or extracurricular activities.

Hindu College was founded more than a century ago in 1899, by Late Shri Kishan Dass ji Gurwale. In the backdrop of the nationalist struggle against British rule, some prominent citizens including Shri Gurwaleji of Delhi, decided to start a college that would, while being non-elitist and non-sectarian, provide nationalist education to the youth. Originally, the College was housed in a humble building in Kinari Bazar, Chandni Chowk, and was affiliated to Punjab University as there was no Delhi University at that time. As the college grew, it faced a major crisis in 1902 due to inadequate infrastructure. But fortunately, at this point, Rai Bahadur Sultan Singh generously donated a part of his historic property, (which originally belonged to Col. Skinner) at Kashmere Gate, to the College, thereby enabling it to function there till 1953, following which, it moved to its present location in Delhi University.

Hindu College celebrated its centenary in February 1999, renewing its commitment to the values and goals that it was founded on, and has stood for, since its inception. As part of the centenary celebrations, the Distinguished Alumni Awards were instituted, under the able leadership of Mr. Lalit Bhasin, an eminent lawyer. These Awards are conferred on those of its alumni who have made significant contributions in their fields. There are two additional awards, namely Lifetime Achievement Award and Young Achievers' Award, which also go to distinguished alumni. The Alumni Association has evolved, over the years, into a dynamic and vibrant body. It contributes actively towards the development and cultural activities of the college.



Hindu College was a centre for intellectual and political debate during India's freedom struggle, especially during the Quit India Movement. This is the only College in Delhi to have a Students' Parliament since 1935, which in fact, provided a platform to many national leaders including Mahatma Gandhi, Pt. Moti Lal Nehru, Pt. Jawahar Lal Nehru, Sarojini Naidu, Annie Besant, Mohammad Ali Jinnah, and Subhash Chandra Bose for motivating the youth. Responding wholeheartedly to Gandhiji's Quit India call in 1942, the college played a leading role in India's freedom struggle as some teachers and students of the College even went to prison. The College has seen remarkable growth over the years. And, today it is not only one of the most distinguished graduate and postgraduate co-educational institutions in the country, but is also, by many accounts, the college of first choice in Delhi. It boasts of an accomplished faculty of about 140 members, and about 3600 students.

The College is also proud of its efficient and very supportive administrative/non-teaching staff. It offers a number of courses in the Science, Humanities and the Social Science Streams. The College also has a rich collection of books and journals in its library, well-equipped laboratories, the NSS and NCC Rooms, etc. There is also a Students' Centre that offers the facilities of a seminar room, bank, computer room, stationery shop, and a photocopier, etc. Spread over twenty-five acres of land, the College premises are housed in one of the prime locations of the North Campus of the University of Delhi, well connected by road and the Delhi Metro.

The College has recently added three new academic and co-curricular facilities to our campus in the last two years, namely an Amphitheatre which has been named 'Utsav'; the new Sangneria Science Block; and one of the finest Auditoria in Delhi. The Auditoria Hall is fully air-conditioned, with acoustic interiors, comfortable seating, and has excellent green rooms and a grand stage, comparable to any modern movie theatre. The Amphitheatre, which has been named Utsav, reflects the spirit of celebration, provides our students with yet another space for self-expression for their creative potential. Keeping the growing academic requirements of the college in mind, especially with burgeoning student numbers, the college has also come up with the Sangneria Science Block with modern, well-equipped laboratories, one each for physics, chemistry, botany, and zoology. Each wing in this building has been named after an eminent Indian scientific luminary.

Hindu College now has a dedicated research facility for the faculty and students in the form of a Research Centre. The four storeyed building covering 38000 sq feet area houses laboratories for sciences, social sciences, linguistic lab, Sushila Devi Auditorium and media lab. The need for a dedicated research facility had long been felt in order to enrich the learning experience of students from the very beginning of the undergraduate, programme. There was also a need for an integrated research hub that provides the right atmosphere and scope for research ventures. In the existing set up the facilities are dispersed across the building at various locations. The new Research Centre will bridge this gap, besides providing new facilities for research in social sciences and languages. Students will get a huge impetus in the available opportunities for enhancing their critical thinking and analytical skills coupled with a rigorous research grounding and thereby add to their solid academic foundation. Most notably, the college has recently been awarded with DBT Star college Scheme by the Department of Biotechnology, Ministry of Science and Education, Government of India

The college campus is well known for its well-maintained gardens and lovely trees, a vast sports ground, and a men's as well as a women's hostel which can each accommodate nearly 200 students. The College provides a liberal, lively and competitive environment enabling students to carve out a niche for themselves in their chosen arenas. Besides the infrastructural facilities, the strength of the College lies in its congenial and enriching atmosphere, which plays a crucial role in maintaining the excellent record the College is renowned for. Generations of students who have been groomed in this College have excelled in different walks of life, with the years spent in the College providing them a solid foundation on which they could craft their success. The College is committed to providing leadership and direction for the times ahead in every sphere of human enterprise and endeavour.







वनस्पति विज्ञान विभाग



सन् 1972 ई. में स्थापित वनस्पति विज्ञान विभाग अपने सुयोग्य और कर्मठ संकाय सदस्यों के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन और शोध क्षेत्र में अग्रसर है। वनस्पति विज्ञान विभाग में शोध रुचि का मुख्य क्षेत्र इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, स्टेन टेक्नोलॉजी, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, इकोलॉजी, प्लान्ट पैथोलॉजी, मोलेकुलर बायोलॉजी, सेलुलर और मॉलेकुलर साइटोजेनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी तथा बायोफिजिक्स है। इस विभाग के संकाय सदस्यों के शोध पत्र मुख्यतः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। उनके द्वारा सम्पादित, लिखित कई पुस्तकें और पाठ्य सामग्री, सी.बी.एस.ई., एन.सी.ई.आर.टी. तथा इग्नू के लिए तैयार की गयी हैं। उनके द्वारा यूजीसी, डीएसटी और दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित अनेक शोध परियोजनाएँ सम्पन्न हुई हैं। ये विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से बाह्य सुविधाएँ हैं। वर्तमान में इस विभाग के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री शोध वृत्ति प्राप्त आई.आई.टी. स्कालरों का मेंटरिंग कार्य हो रहा है। आई.आई.टी. के स्कालर विभाग के विद्यार्थियों को मेंटरिंग भी करते हैं। माइक्रोबायोलॉजी सम्बन्धी कार्य भी करते हैं। इस विभाग के संकाय सदस्य डी.बी.टी. स्टार कॉलेज स्कीम के अन्तर्गत चलने वाले शोध परियोजनाओं में संलग्न एवं शोधरत हैं।

इस विभाग में कार्यरत गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का व्यवहार सदैव से सहयोगपूर्ण रहा है। वनस्पति विज्ञान विभाग में भिन्न-भिन्न पृष्ठभूमियों और भारत और भारत के बाहर से भी विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। विभाग उन सभी विद्यार्थियों को उनके अध्ययन और भविष्य की संभावनाओं (कैरियर) के अध्ययन और भविष्योन्मुखी रोजगार को ध्यान में रखकर सुविधाएँ एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है। इस विभाग के विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा प्रायोजित नवीन शोध परियोजनाओं में जुड़े रहते हैं। वे ग्रीष्मकालीन इंटरनशीप प्रोग्राम में भी सक्रिय रूप से विभिन्न लैबों जैसे- नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी दिल्ली और इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस, बंगलोर में सहभागिता करते हैं।

इस विभाग के पूर्व छात्र उल्लेखनीय क्षेत्रों जैसे प्रशासनिक सेवा / एकेडमिक सेवा / शोध अनुसंधान / सैनिक सेवा / प्रिंट / न्यूज मीडिया में विभाग और महाविद्यालय का नाम और गौरव बढ़ा रहे हैं। विभाग की बोटैनिकल सोसाइटी 'संजीवनी' ख्यातिप्राप्त वनस्पति वैज्ञानिकों का व्याख्यान कराती है जिससे विद्यार्थी विषय के नवीनतम शोध अनुसंधान और विकास से परिचित होते हैं। हमारा प्रयास रहता है कि हम विद्यार्थी के भीतर जिज्ञासा, उत्सुकता और स्नातक स्तर तक विषय की समझ का विकास कर सकें। साथ ही साथ उन्हें उच्च शिक्षा, शोध के साथ-साथ भविष्य में संभावित रोजगारों हेतु तैयार भी करते हैं। सोसायटी विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञानों के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान अनुभव के लिए विभिन्न रिसर्च इन्स्टीच्यूट के प्रयोगशालों में जाती है। सोसायटी विद्यार्थियों को प्राकृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए वर्ष में एक बार 'विशेष भ्रमण' का आयोजन करती है।

विभिन्न वनस्पतियों के बारे में अध्ययन और अध्यापन करते समय शिक्षक-विद्यार्थी के बीच संवादात्मक वातावरण बनता दिखायी देता है जो प्रभावशाली अध्ययन-अध्यापन का सूचक है। विभाग के वार्षिक समारोह 'इन्फ्लोरेसेन्स' के अन्तर्गत अनेक प्रकार के अन्तर्महाविद्यालयी आयोजन होते हैं जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान और सृजन कौशल क्षमता का विकास करना होता है।

विगत कुछ वर्षों में महाविद्यालय के भीतर विज्ञान विभागों में महत्वपूर्ण सुविधाओं की उपलब्धता के कारण विभाग का विकासात्मक स्वरूप दिखायी पड़ रहा है। वनस्पति विज्ञान विभाग में 40 विद्यार्थियों के लिए एक अतिरिक्त प्रयोगशाला नया अकादमिक खंड के कमरा संख्या-302 में प्राप्त हुआ है जो तमाम सुविधाओं (कैमरा माइक्रोस्कोप) से युक्त है। इससे अध्ययन-अध्यापन में सुखद अनुभूति होती है। विभाग का सेंट्रल इन्स्ट्रुमेंटेशन फेसिलिटी (सी.आई.एफ.) प्रयोग और शोध कार्य के लिए बहुत ही उपयोगी है। विभाग अपने विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए सदैव प्रयत्नशील है।

संकाय

1. प्रो. (डॉ.) अनुराधा शर्मा

एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी., प्रोफेसर

2. डॉ. के.के. कौल (विभाग-प्रभारी)

एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर,

3. डॉ. राजेश कुमार

एम.एस.सी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर

4. डॉ. डी. मोनिका राम

एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर

5. डॉ. रविन्द्र कुमार

एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर

6. डॉ. विवेक चोपड़ा

एम.एस.सी., एम.फिल., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर

7. डॉ. दिव्या मोहन्ती

एम.एस.सी., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर

8. डॉ. गुरुमयूम सूरज शर्मा

एम.एस.सी., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF BOTANY

Established in 1972, the Department of Botany has grown in stature and standard. The Department has a dedicated and a qualified faculty, who besides teaching, have also been pursuing research. The major areas of their current research interests include Electron Microscopy, Stain Technology, Reproductive Biology, Ecology, Plant Pathology, Molecular Biology, Cellular and Molecular Cytogenetics, Phycology, Applied Microbiology, Biotechnology, Bio-informatics and Biophysics. The faculty has published several research papers in journals of national and international repute. They have, in addition, authored/edited a number of books/course materials for CBSE, NCERT and IGNOU. They have also conducted a number of research projects sponsored by UGC, DST and Delhi University. This has led to better infrastructural facility for the students. Presently, faculty members are mentoring IIT scholars and the recipient of Prime Minister Research Fellowship (PMRF), frequenting the department to give Hands-on experience in microbiology to the students. Faculty is also engaged in several activities undertaken under DBT Star College Scheme.

The non-teaching staff is helpful and cooperative. The students seeking admission to B.Sc. (Hons.) course in Botany come from diverse backgrounds from various places within and outside India. The Department provides them a comfortable environment for their learning and overall grooming for future careers. Students of the Department are actively involved in research at the undergraduate level under various Innovation Research Projects sponsored by the University of Delhi. They also participate in Summer Internship Programme in renowned labs such as National Institute of Immunology, Delhi, Indian Institute of Science, Bangalore and Delhi Institute of Pharmaceutical Sciences and Research (DIPSAR), New Delhi. The Alumni of the department have excelled in various fields, be it administrative/civil services, academics, research, armed forces, print/news media, airline-aviation etc. and have kept the flag flying high for the department and the college. The Department has a Botanical Society- & Sanjeevani; which organizes Lectures by eminent botanists to keep the students abreast with the latest developments in the field of plant sciences. The endeavor is to inculcate interest, curiosity and broaden their minds for a better understanding of the subject at the undergraduate level, prepare them for higher learning in specialized areas and provide an insight into the future career options. The society organizes visits to Research Institutes to provide theoretical knowledge as well as hands-on training to the students in the research labs. The society also organizes field excursions to educate students about the natural habitats of diverse plant groups. Besides educating the students about various plants, it also provides an opportunity for better interaction among students and the faculty members, thereby creating a conducive environment for more effective teaching-learning process. During the annual festival 'Inflorescence', various inter- and intra-college events are organized to widen the horizons of their knowledge and also encourage them to improve their creative talent and skills.

In the last few years, significant infrastructural upliftment has occurred in the college in general and across all the science departments in particular. The Department of Botany has one more laboratory (Lab No. 302) in the new academic block that accommodates about 40 students. Besides, each laboratory (three in total) has a camera fitted microscope that not only enables students have a peep into the bewildering microscopic organization of the cells, it also allows them to measure the dimensions of various cellular inclusions, making the learning process more enjoyable. The Department also has a Central Instrumentation Facility (CIF) having equipment's useful for conducting curriculum based experiments and the research work. The Department strives to provide the best to its students.

FACULTY

1. Prof. ANURADHA SHARMA

M. Sc., M.Phil., Ph.D., Professor

2. Dr. K.K. KOUL (Teacher in-Charge)

M.Sc., M.Phil., Ph.D., Associate Professor

3. Dr. RAJESH KUMAR

M.Sc., Ph.D., Associate Professor

7. Dr. DIVYA MOHANTY

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

4. Dr. D. MONIKA RAM

M.Sc., M.Phil., Ph.D., Associate Professor

5. Dr. RAVINDRA KUMAR

M.Sc., M.Phil., Ph.D., Associate Professor

6. Dr. VIVEK CHOPRA

M.Sc., M.Phil., Ph.D., Assistant Professor

8. Dr. GURUMAYUM SURAJ SHARMA

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

रसायन विज्ञान विभाग



विश्वविद्यालय में सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक, रसायन विज्ञान विभाग शिक्षण-अधिगम शिक्षाशास्त्र के मामले में हमेशा उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहा है, चाहे वह सिद्धांत हो या व्यवहार, यहां शिक्षाशास्त्र का मुख्य उद्देश्य सीखने और सीखने वालों के कौशल और दृष्टिकोण के विकास पर काम करना है। विभाग के बढ़ते कद को स्पष्ट रूप से मेधावी छात्रों द्वारा और बढ़ाया जाता है, जो विश्वविद्यालय के टॉपर्स के रूप में उभर कर आते हैं और इसके साथ भारत और विदेशों में कुछ सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर, अनुसंधान आधारित विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। समर्पित शिक्षण संकाय की मजबूत टीम के सक्षम मार्गदर्शन के तहत छात्र टीआईएफआर, आईआईएससी, आईआईटी, टेरी आदि जैसे संस्थानों का हिस्सा बन उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। विभाग ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, इंटरशिप, अनुसंधान परियोजनाओं और यहां तक कि पीएचडी मार्गदर्शन आयोजित करके अनुसंधान उत्साही पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। विभाग द्वारा पेश किए गए इंटरशिप कार्यक्रमों और परियोजनाओं के माध्यम से, युवा छात्रों को अनुसंधान के अनुसरण की दिशा में एक प्रारंभिक और मजबूत नींव बनाने का अवसर मिलता है।

शिक्षक संकाय

विभाग अपने प्रख्यात शिक्षण संकाय के लिए जाना जाता है, जो न केवल प्रमाणित शिक्षक हैं, बल्कि उत्कृष्ट शोधकर्ता और विभाग के विकास में बड़े योगदानकर्ता भी हैं, जो इसे अधिक ऊँचाई तक ले जाते हैं। इसे अठारह शिक्षाविदों की एक मजबूत टीम होने का गौरव प्राप्त है, जो नियमित कक्षा शिक्षण में शामिल होने के अलावा, डीएसटी, डीबीटी आदि जैसी प्रतिष्ठित सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं पर काम करके विभिन्न शोध क्षेत्रों में विशेषज्ञता को क्रियान्वित करने, विभाग और कॉलेज के बाहर के विभिन्न छात्रों के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम संचालित करने, किताबें प्रकाशित करने, पीएचडी छात्रों और इंटरन का मार्गदर्शन करने में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

विभाग प्रमुख घटक के रूप में बी.एससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान की शिक्षा प्रदान करता है और साथ में बी.एससी प्रोग्राम (रसायन विज्ञान) जो रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित का एक समामेलन है। इन पाठ्यक्रमों के अलावा, विभाग के पास अन्य विभागों के छात्रों को सामान्य वैकल्पिक (जीई) पेपर और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) पढ़ाने की जिम्मेदारी है। ये पाठ्यक्रम एक संतुलित व्यावहारिक घटक के साथ व्यापक सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं।

अवसंरचना/सुविधाएं

रसायन विज्ञान के व्याख्यान आमतौर पर प्रोजेक्टर और लैपटॉप कनेक्टर्स के साथ तकनीकी रूप से उन्नत कक्षाओं में पढ़ाए जाते हैं। असाधारण शिक्षण वातावरण को विभाग द्वारा पेश किए गए समृद्ध आधारभूत संरचना द्वारा पूरक बनाया गया है, जो अपनी तीन सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला का दावा करता है, जिसमें आधुनिक उपकरण हैं, जैसे कि यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, पोर्टेबिलिटीमीटर, पीएच मीटर और कलरमीटर आदि और जिनका संचालन प्रशिक्षित और समर्पित प्रयोगशाला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। कॉलेज के अन्य विज्ञान विभागों के साथ-साथ, विभाग को प्रतिष्ठित डीबीटी स्टार कॉलेज प्रोजेक्ट ग्रांट से सम्मानित किया जा रहा है, सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है और इस स्टार योजना के तत्वावधान में विभाग ने गुणवत्ता कार्यशालाओं, व्याख्यान श्रृंखला के साथ एक असाधारण उन्नति देखी है। गैर-शिक्षण कर्मचारियों के समर्थन से प्रशिक्षण कार्यक्रम और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

रासायनिक समाज – 'तत्वा' और 'ट्यूरिस'

विभाग जीवंत सह-विद्वान समाज, 'तत्वा' और 'ट्यूरिस' का भी दावा करता है, जहाँ छात्र और शिक्षक कक्षा और पाठ्यक्रम से परे बातचीत करते हैं, ताकि वे खुद को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर सकें। समाज दुनिया भर में नवीनतम विकास के साथ अपने सदस्यों को समृद्ध और सामयिक करने के लिए नियमित आधार पर सेमिनार, कार्यशालाएं और लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित करता है। समाज द्वारा आयोजित सबसे आकर्षक कार्यक्रमों में से एक इंटर-कॉलेज फेस्टिवल 'कैटालिसिस' और 'उर्जोत्सव' है, जो वार्षिक पत्रिका 'सबस्टेंस' और 'एसेन्स' के विमोचन का भी गवाह है। समर्पित शिक्षकों और उत्साही छात्रों के एक समूह के साथ, समाज ने हमेशा अपने आदर्श वाक्य "द बॉन्ड ऑफ टुगेदरनेस" पर खरा उतरने का प्रयास किया है।

संकाय और छात्रों को रसायन विज्ञान और संबंधित अंतःविषय विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान विकास के साथ रखने के लिए विभाग और रसायन विज्ञान समाज द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

संकाय

1. डॉ. चारु कुमार
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
2. प्रो. अंजू श्रीवास्तव (प्राचार्य)
एमएससी, पीएचडी.; प्रोफेसर
3. श्री अजय कुमार
एमएससी.; एसोसिएट प्रोफेसर
4. प्रो. रीना जैन (उप-प्राचार्य)
एमएससी, पीएचडी.; प्रोफेसर
5. डॉ. मीनू साराभाई श्रीवास्तव (विभाग-प्रभारी)
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
6. डॉ. गीतिका भल्ला
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
7. डॉ. विनीता नरूला
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
8. डॉ. नीरा शर्मा
एमएससी, एमफिल, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
9. डॉ. नेहा कपूर
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
10. डॉ. हेमंत वर्मा
एमएससी, पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर

11. **डॉ. सुदर्शन कुमार**
एमएससी, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
12. **डॉ. देवांशी मागू**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
13. **डॉ. दिनेश कुमार**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
14. **डॉ. श्रीपर्णा दत्ता**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

15. **डॉ. मनोज चहल**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
16. **डॉ. सुषमा यादव**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
17. **डॉ. जसप्रीत कौर**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
18. **डॉ. मनोलता देवी**
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

One of the most distinguished Departments across the University, the Department of Chemistry has always striven for excellence in terms of teaching learning pedagogy. Whether it is theory or practice, the main aim of pedagogy here is to build on learning and work on development of skills and attitudes of the learners. The growing stature of the Department is quite evidently magnified by the meritorious students who emerge as university toppers, being able to acquire admission in some of the best post-graduate, research based Science and Engineering courses in India and abroad. To name a few, mention should be made of institutions like TIFR, IISc, IITs, TERI etc. all under the able guidance of the strong team of devoted teaching faculty. The department provides an excellent platform for research for wildly research enthusiastic undergraduate, graduate, post graduate students by conducting Add-on courses, Internships, research projects and even Ph.D guidance. Through the internship programmes and projects offered by the department, the young students get an in house opportunity for building an early and strong foundation towards pursuance of research.

FACULTY MEMBERS:

The Department is well known for its eminent teaching faculty who are not just established educators, but also excellent researchers and the large contributors in the evolution of the Department leading it to attain greater height. It has the distinction of having strong team of eighteen academicians who in addition to being involved in regular classroom teaching, are actively involved beyond classrooms in executing expertise in the field of various research areas by working on projects funded by prestigious government agencies such as DST, DBT etc., conducting value added courses for various students of the department and outside college, publishing books, guiding PhD students and interns.

COURSES OFFERED:

The Department offers two courses B.Sc (Hons.) Chemistry as the major component along with B.Sc Physical science (Chemistry) which is an amalgamation of Chemistry, Physics and Mathematics. In addition to these courses, the department has the responsibility of teaching generic elective (GE) papers and Value added courses (VAC) to students of other departments. These courses provide an extensive theoretical background with a balanced practical component.

INFRASTRUCTURE/FACILITIES:

The chemistry lectures are generally taught in technologically enhanced classrooms with projectors and laptop connectors. The exceptional teaching environment is supplemented further by the rich infrastructure offered by the department which boasts of its three well-equipped laboratories besides an instrumentation laboratory that houses modern instruments, such as U.V.-Visible Spectrophotometer, Flame Photometers, Potentiometers, pH meters and colorimeters etc. and well trained, devoted laboratory staff. With the department being awarded the prestigious DBT Star College Project Grant along with the other science departments of the college, the facilities are expanding incessantly and under the aegis of this star scheme, the department has witnessed an exceptional advancement with quality workshops, lecture series, training programmes and outreach programmes being organized with support of the non-teaching staff.

CHEMICAL SOCIETIES- TATVA AND TURIS

The Department also boasts of vibrant co-scholastic societies, 'TATVA' and 'TURIS' where the students and teachers interact beyond classroom and course curricula, to express themselves freely. The societies organise seminars, workshops and popular lectures on regular basis to enrich and update its members with the latest developments across the globe. One of the most attractive events organized by the societies are the Inter-College festival 'CATALYSIS' and 'URJOTSAV' which also witness the release of the annual magazines 'SUBSTANCE' and 'ESSENCE'. With a clan of devoted educators and spirited students, the societies have always attempted to live up to its motto "The Bond of Togetherness." A host of activities are organized by the department and chemistry societies to keep the faculty and students abreast with the latest research developments in the field of chemistry and related interdisciplinary sciences.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Dr. CHARU KUMAR
M.Sc., Ph.D., Associate Professor | 7. Dr. VINITA NARULA
M.Sc., Ph.D., Associate Professor |
| 2. Prof. ANJU SRIVASTAVA (Principal)
M.Sc., Ph.D., Professor | 8. Dr. NEERA SHARMA
M.Sc., M.Phil., Ph.D., Associate Professor |
| 3. Mr. AJAI KUMAR
M.Sc., Associate Professor | 9. Dr. NEHA KAPOOR
M.Sc., Ph.D., Associate Professor |
| 4. Prof. REENA JAIN (Vice-Principal)
M.Sc., Ph.D., Professor | 10. Dr. HEMANT VERMA
M.Sc., Ph.D., Associate Professor |
| 5. Dr. MEENU SARBHAI SHRIVASTAVA (Teacher in-Charge)
M.Sc., Ph.D., Associate Professor | 11. Dr. SUDERSHAN KUMAR
M.Sc., Ph.D., Associate Professor |
| 6. Dr. GEETIKA BHALLA
M.Sc., Ph.D., Associate Professor | 12. Dr. DEVANSHI MAGOO
M.Sc., Ph.D., Assistant Professor |

13. Dr. DINESH KUMAR

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

14. Dr. SRIPARNA DUTTA

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

15. Dr. MANOJ CHAHAL

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

16. Dr. SUSHMA YADAV

M.Sc., M.Phil., Assistant Professor

17. Dr. JASPREET KAUR

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

18. Dr. MANOLATA DEVI

M.Sc., Ph.D., Assistant Professor

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग स्नातक स्तर पर बी. कॉम. (ऑनर्स) एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम की शिक्षा प्रदान करता है। विभाग अत्यधिक अनुभवी संकाय प्रदान करता है जिसने वर्षों से एक सहज और जीवंत शिक्षण-अधिगम का अनुभव सुनिश्चित किया है। कॉलेज के सबसे जीवंत विभागों में से एक होने के नाते, यह वातानुकूलित, ऑडियो सिस्टम सहित आईटी सक्षम कक्षाओं और विभाग द्वारा संचालित एक कंप्यूटर लैब से सुसज्जित है। इसके अलावा छात्रों के लिए कॉलेज में एक केंद्रीकृत कंप्यूटर सुविधा, कॉलेज पुस्तकालय और अन्य अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वाणिज्य और व्यवसाय में विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों की पूर्ति के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पुस्तकों और पत्रिकाओं का एक विशाल संग्रह है। व्यावहारिक



कक्षाओं के दौरान जीवंत वातावरण के साथ-साथ छात्रों को पुस्तकालय और ज्ञान डेटाबेस आसानी से उपलब्ध कराए जाते हैं। विभाग छात्रों की मानसिक भलाई को भी ध्यान में रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि सभी के लिए सीखने का स्वस्थ अनुभव हो। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि कक्षा अध्ययन केवल सीखने का एक हिस्सा है और यह संपूर्ण नहीं है, इसीलिए छात्रों को लगातार उद्योग विशेषज्ञों और नेताओं के साथ विभिन्न इंटरैक्टिव वेबिनार/सेमिनारों से अवगत कराया जाता है ताकि उन्हें वहां की दुनिया के बारे में पता चल सके जिसका उन्हें स्नातक स्तर की शिक्षा के बाद सक्रिय हिस्सा बनना है। विभाग कॉलेज के दौरान नियमित अंतराल पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ हिंदू कॉलेज का वार्षिक वाणिज्य उत्सव 'जिटोइस्ट' भी आयोजित करता है। वाणिज्य विभाग सोसायटी 'काइजेन' नियमित पूर्व छात्रों की बैठकों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से हमेशा अपने पूर्व छात्रों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी रहती है। विभाग के अंतिम स्नातकों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा सफलतापूर्वक भर्ती किया गया है और हर साल भर्ती किए गए छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, हमारे कई स्नातक सीए, सीएस, एमबीए, एक्चुअरी, भारत में कानून और विदेशों में विश्वविद्यालयों जैसे अन्य पेशेवर कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का विकल्प चुनते हैं, कुछ ने अपना खुद का स्टार्ट-अप भी स्थापित किया है। हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे विभाग में कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा दिमाग हैं, जिससे यह स्थान बहुत ही विविध और सभी पृष्ठभूमियों को शामिल करने वाला बन गया है। हमारा विभाग अपने पूर्व छात्रों को कॉरपोरेट के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पदों पर पाकर बहुत खुश है।

संकाय

1. डॉ. पूनम सेठी (विभाग-प्रभारी)
एमकॉम, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
2. डॉ. रिकू मनोचा
एमकॉम, एमफिल, पीएचडी, एसोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. संगीता अरोड़ा
एमकॉम, एमफिल; पीएचडी, एसोसिएट प्रोफेसर
4. डॉ. लवलीन गुप्ता
एमकॉम, सीए, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
5. श्री अतुल गुप्ता
एमबीए; एसोसिएट प्रोफेसर
6. अमित कुमार पासवान
एमकॉम; असिस्टेंट प्रोफेसर
7. डॉ. अन्नू अग्रवाल
एमकॉम, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
8. सुश्री कनिका भूटानी
एमकॉम; असिस्टेंट प्रोफेसर
9. सुश्री दिव्या यादव
एमकॉम; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF COMMERCE

The Department of Commerce offers B.Com. (Hons.) at undergraduate level along with M.Com. at the postgraduate level. The department provides highly experienced faculty which has over the years ensured a smooth and vibrant teaching-learning experience. Being one of the liveliest departments of the college, it is endowed with air conditioned, IT enabled classrooms including audio systems and a Computer Lab run by the department. Apart from that, a centralized computer facility, college library and other state of the art infrastructure facilities are available in the college for students. The library has a vast collection of books and journals, on-line and offline, catering to different areas of specialization in commerce and business. The library and knowledge databases are readily made available to the students along with a vibrant environment during practical classes. The department also takes into account the mental wellbeing of the students and makes sure that there is a healthy learning experience for all. We are aware of the fact that classroom studies are just a part of learning and not the whole of it, the students are constantly exposed to various interactive webinars / seminars with industry experts and leaders to make them cognizant of the world out there which they will be an active part of, after their graduation. The department also organizes 'Zeitgeist' – The Annual Commerce Fest of Hindu College, along with many cultural events at regular intervals during the college. The Commerce Department Society 'KAIZEN' is always well connected with their alumni through regular Alumni Meets and interactive sessions. The final graduates of the department have been successfully recruited by reputed companies and has shown an exponential increase in the number of students recruited every year. Besides that, many of our graduates choose to pursue other professional programs such as CA, CS, MBA, Actuaries, Law in India and Universities abroad, some even have gone on to build their own start-ups. We are proud to have some of the most brilliant young minds at our helm in the department making it a place very diverse and inclusive of all backgrounds. Our department is elated to have its Alumni occupying prestigious positions in the corporate as well as public sectors.

FACULTY

- Dr. POONAM SETHI (Teacher-in-charge)**
M.Com., M.Phil., Ph.D.; Associate Professor
- Dr. RINKU MANOCHA**
M.Com., M.Phil., Ph.D.; Associate Professor
- Dr. SANGEETA ARORA**
M.Com., M.Phil., Ph.D.; Associate Professor
- Dr. LOVLEEN GUPTA**
M.Com., CA., Ph.D.; Associate Professor
- Mr. ATUL GUPTA**
MBA; Associate Professor
- Mr. AMIT KUMAR PASWAN**
M.Com.; Assistant Professor
- Dr. ANNU AGGARWAL**
M.Com., Ph.D.; Assistant Professor
- Ms. KANIKA BHUTANI**
M.Com.; Assistant Professor
- Ms. DIVYA YADAV**
M.Com.; Assistant Professor

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग हिंदू कॉलेज के घटक विभागों में से एक है और अर्थशास्त्र के स्नातक अध्ययन के लिए भारत में सबसे अच्छे विभागों में से एक है। इसमें विविध विशेषज्ञताओं

और रुचियों वाले नौ सदस्यों का एक समर्पित और अनुभवी संकाय है। यूजीसीएफ-एनईपी की भावना को ध्यान में रखते हुए, विभाग अपने छात्रों को अनुप्रयुक्त अर्थमिति, तुलनात्मक आर्थिक विकास, पर्यावरण अर्थशास्त्र, खेल सिद्धांत, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, धन और वित्तीय बाजार, राजनीतिक जैसे अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक की एक विस्तृत श्रृंखला में से एक विकल्प प्रदान करता है। अर्थव्यवस्था, खुली अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक्स और सार्वजनिक अर्थशास्त्र। विभाग मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) के साथ अपने बहु-विषयक दृष्टिकोण का विस्तार करता है: वित्तीय साक्षरता और डिजिटल अधिकारिता। कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी): विभाग द्वारा उन्नत स्प्रेडशीट उपकरण भी प्रदान किए जाते हैं।

अध्यापन विश्वविद्यालय शिक्षा के मानक तरीकों को जोड़ता है - लिखित कार्य, परियोजना कार्य, सांख्यिकीय और गणितीय सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण, क्षेत्र यात्राएं, और कक्षा और संगोष्ठियों दोनों में छात्र प्रस्तुतियों के साथ व्याख्यान और ट्यूटोरियल। छात्रों को इंटरशिप के माध्यम से कॉलेज के बाहर संस्थानों के कॉर्पोरेट और अनुसंधान जीवन में भाग लेने के लिए भी

प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के पास एक सक्रिय और जीवंत इकोनॉमिक्स सोसाइटी है जो विषय में छात्रों की रुचि को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करती है। वर्ष का सबसे बड़ा आयोजन इकोनॉमिक्स फेस्टिवल 'एल'इकोनॉमिस्ट' है, जो देश भर के कॉलेजों की भागीदारी का गवाह है। नीति निर्माण 'लड़ाइयों' में छात्रों के भाग लेने के साथ, एक संयुक्त संकट समिति के हिस्से के रूप में अर्थशास्त्र (और वित्त) और साइबर-आतंकवाद के बीच सांठगांठ जैसे मामलों पर चर्चा करना, या आईपीएल नीलामी कार्यक्रम 'विट्स एंड विकेट' में भाग लेना, एल' अर्थशास्त्री छात्रों को अर्थशास्त्र से संबंधित समकालीन, वास्तविक दुनिया के मुद्दों में संलग्न होने के साथ-साथ एक अद्वितीय शैक्षणिक अनुभव प्रदान करता है। अनुसंधान के अपने संबंधित क्षेत्रों से अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए क्षेत्र के प्रतिष्ठित वक्ताओं को भी आमंत्रित किया जाता है।



विभाग एक वार्षिक अर्थशास्त्र पत्रिका 'अर्थ' निकालता है जिसमें संकाय सदस्य, छात्र और संबंधित क्षेत्रों के पेशेवर लेख लिखते हैं। संकाय सदस्य भी आर्थिक पत्रिकाओं और नीति दस्तावेजों में लेख लिखते हैं, और भारत और विदेश दोनों में सम्मेलनों और सेमिनारों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। छात्र और शिक्षक जिन गतिविधियों में शामिल होते हैं, उनका विशिष्ट विवरण <http://www.econhindu.com> पर पाया जा सकता है, जो पूरी तरह से छात्रों द्वारा प्रबंधित एक विशेष विभाग की वेबसाइट है। विभाग विभिन्न उद्योगों में नेतृत्व और प्रबंधन की जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए अपने छात्रों का पोषण करता है, जिसके कारण छात्रों को बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, अर्नस्ट एंड यंग, बैन कैपेबिलिटी सेंटर, नोमुरा आदि में प्रतिष्ठित प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। कई छात्रों को मास्टर डिग्री करने के लिए प्रवेश की पेशकश की गई है। प्रसिद्ध वैश्विक संस्थान जैसे लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और टूलूस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स।

छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, कक्षा के अंदर और बाहर अर्जित कौशल और उपकरणों का उपयोग करके आर्थिक मुद्दों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करते हैं, और आर्थिक गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक और सफलतापूर्वक योगदान करते हैं।

संकाय

- | | |
|--|---|
| १. सुश्री शेख रुबीना नकवी
एम. ए. सह-प्राध्यापक | ५. डॉ. निधि धमीजा
एम. ए. एम. फिल. पीएच.डी. सह - प्राध्यापक |
| २. सुश्री अर्चना अग्रवाल
एम. ए. सह-प्राध्यापक | ६. डॉ. अब्दुल रशीद सी.के.
एम. ए. पीएच.डी. सह - प्राध्यापक |
| ३. डॉ. नीति भूटानी
एम. ए. एम. एस. पीएच.डी. सह - प्राध्यापक | ७. डॉ. पूजा सक्सेना निगम (विभाग-प्रभारी)
एम. ए. पीएच.डी. सह - प्राध्यापक |
| ४. डॉ. चंदन सिंघा
एम. ए. एम. फिल. पीएच. डी. सह - प्राध्यापक | ८. डॉ. अब्दुल रहीम अंसारी
एम. ए. पीएच.डी. सहायक प्रोफेसर |
| | ९. डॉ. अंशिका सागर
एम. ए. पीएच.डी. सहायक प्रोफेसर |

DEPARTMENT OF ECONOMICS

The Economics Department is one of the constituent departments of Hindu College and among the best departments in India for under graduate study of Economics. It has a dedicated and experienced faculty of nine members with diverse specializations and/or interests. In keeping with the spirit of UGCF-NEP, the department offers its students a choice from among a wide range of Discipline Specific Electives such as Applied Econometrics, Comparative Economic Development, Environmental Economics, Game Theory, International Trade, Money & Financial Markets, Political Economy, Open Economy Macroeconomics and Public Economics. The Department extends its multi-disciplinary approach with Value Added Courses (VAC): Financial Literacy and Digital Empowerment. Skill Enhancement Courses (SEC): Advanced Spreadsheet Tools is also offered by the Department.

The pedagogy combines standard methods of university education – lectures and tutorials with written assignments, project work, training in statistical and mathematical software, field trips, and student presentations both in class and in seminars. Students are also encouraged to participate in the corporate and research life of institutions outside college through internships. The department has an active and vibrant Economics Society that organizes a variety of events to promote students' interest in the subject. The big event of the year is the Economics Festival 'L'Economiste' that bears witness to participation from colleges all across the country. With students taking part in policy making 'battles', discussing matters such as the nexus between economics (& finance) and cyber-terrorism as part of a Joint Crisis Committee, or participating in the IPL Auction event 'Wits and Wickets', L'Economiste offers a unique academic experience while also getting students to engage in contemporary, real-world issues relating to Economics. Distinguished speakers from the field are also invited to share their expertise from their respective areas of research.

The department brings out an annual Economics magazine 'Arth' to which faculty members, students, and professionals from related fields contribute articles. Faculty members also contribute papers in economic journals and policy documents, and participate regularly in conferences and seminars, both in India and abroad. Specific details of activities that students and faculty engage in can be found at <http://www.econhindu.com/>, an exclusive department website managed entirely by students. The department nurtures its students to pursue leadership and management responsibilities in diverse industries that has led to students obtaining prestigious placements at Boston Consulting Group, Ernst and Young, Bain Capability Centre, Nomura etc. Many students have also been offered admission to pursue a Master's at renowned global institutions like London School of Economics, National University of Singapore, Delhi School of Economics, and Toulouse School of Economics.

Students are encouraged to explore beyond the frontiers of the prescribed syllabus, critically evaluate economic issues using the skills and tools acquired both inside and outside the classroom, and contribute positively and successfully in different spheres of economic activity.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Ms. SHEIKH RUBINA NAQVI
MA.; Associate Professor | 6. Dr. ABDUL RASHID CK
MA., PhD.; Associate Professor |
| 2. Ms. ARCHANA AGGARWAL
MA.; Associate Professor | 7. Dr. PUJA SAXENA NIGAM
(Teacher-in-charge)
MA., PhD.; Associate Professor |
| 3. Dr. NITI BHUTANI
MA., MS., PhD.; Associate Professor | 8. Dr. ABDUL RAHIM ANSARI
MA., PhD.; Assistant Professor |
| 4. Dr. CHANDAN SINGHA
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 9. Dr. ANSHIKA SAGAR
MA., PhD.; Assistant Professor |
| 5. Dr. NIDHI DHAMIJA
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | |

अंग्रेजी विभाग

हिंदू कॉलेज का अंग्रेजी विभाग सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। विभाग के अध्यापकों में शोध की उत्कृष्टता और शिक्षण के प्रति लगाव का परंपरागत समन्वय है। विभाग के अध्यापक साहित्यिक अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं, जैसे – यूरोपीय रीनेसांस साहित्य, अंग्रेजी रोमांटिक्स साहित्य, विक्टोरियाई साहित्य, आधुनिक अमरीकी साहित्य, आधुनिक यूरोपीय साहित्य, दलित साहित्य, थिएटर और फिल्म अध्ययन, पॉपुलर कल्चर, उत्तर-उपनिवेशिक अध्ययन, बीसवीं शताब्दी का भारतीय साहित्य, यूरोपीय और भारतीय क्लासिक साहित्य, अफ्रीकी और कनाडाई अध्ययन तथा साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धांत, इत्यादि।



स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पूरे सप्ताह चलने वाले ओरिएंटेशन व्याख्यानों के माध्यम से साहित्यिक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियों से परिचित करवाया जाता है। इस विभाग के विद्यार्थियों का प्रदर्शन निरंतर उच्च स्तर का रहा है। लेखन तथा चर्चा को अध्ययन का महत्वपूर्ण अंग मानते हुए विभाग द्वारा संचालित 'अंग्रेजी साहित्य सभा' वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम (व्याख्यान एवं सेमिनार) आयोजित करती रहती है। विभाग का सेमिनार पुस्तकालय विद्यार्थियों को उपयोगी अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाता है।

संकाय

1. डॉ. पी. के. विजयन
एम.ए. एम.फिल. पीएच.डी सह-प्राध्यापक
2. श्री सिद्धार्थ एन. कनौजिया (विभाग-प्रभारी)
एमए, एमफिल; सह-प्राध्यापक
3. डॉ. आशमा शर्मा
एमए, एमफिल, पीएचडी; सह-प्राध्यापक
4. डॉ. ऋचा बजाज
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्राध्यापक

5. डॉ. अरविंद चौधरी
एमए, पीएचडी; सहायक प्राध्यापक
6. सुश्री पायल मधीया
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक
7. सुश्री शायंतनी दास
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक

8. श्री रेंगलीन कोंगसोंग
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक
9. सुश्री कृतिका शर्मा
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक
10. सुश्री वैशाली शर्मा
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक
11. श्री अक्षय चौधरी
एमए, एमफिल; सहायक प्राध्यापक

DEPARTMENT OF ENGLISH

The English Department is one of the oldest and most reputed Departments in Hindu College. Its reputation has been steadily enhanced over the years through the hard work of its faculty, which has traditionally combined excellence in research with a dedication to pedagogy. The faculty includes specialists in several areas of literary studies; for instance, European Renaissance Literature, Literature of the English Romantics, Victorian Literature, Modern American Literature, Modern European Literature, Dalit Literature, Theatre and Film Studies, Popular Culture, Post-colonial Studies, Twentieth Century Indian Writing, Classical European and Indian Literature, African and Canadian Studies and Literary and Cultural Theory.

Students admitted to the First Year Undergraduate Program are given a week-long series of orientation lectures initiating them to the various approaches and methodologies of literary studies. The overall performance of students of this department has been consistently of a high standard.

The Department runs the English Literary Society which organizes various events including lectures and conferences through the academic year and places an emphasis on written work and discussion as crucial components of the learning process. The Seminar Library of the department provides useful additional study material for its students.

FACULTY

1. **Dr. P. K. VIJAYAN**
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor
2. **Mr. SIDDHARTH N. KANOJIA**
(Teacher-in-charge)
MA., MPhil.; Associate Professor
3. **Dr. ASHMA SHARMA**
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor
4. **Dr. RICHA BAJAJ**
MA., MPhil., PhD.; Assistant Professor
5. **Dr. ARVIND CHAUDHARY**
MA., PhD.; Assistant Professor
6. **Ms. PAYAL MADHIA**
MA., MPhil., Assistant Professor
7. **Ms. SHAYANTANI DAS**
MA., MPhil.; Assistant Professor
8. **Sh. RENGLEEN KONGSONG**
MA., MPhil., Assistant Professor
9. **Ms. KRITIKA SHARMA**
MA., MPhil., Assistant Professor
10. **Ms. VAISHALI SHARMA**
MA., MPhil., Assistant Professor
11. **Sh. AKSHAYA CHOUDHARY**
MA., MPhil., Assistant Professor

हिन्दी विभाग

हिंदू कॉलेज का हिंदी विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक अध्यापन होता है। विभाग के निर्माण और विकास में जिन विद्वान शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उनमें डॉ. दशरथ ओझा, श्री कृष्ण शंकर शुक्ल, डॉ. भरत सिंह उपाध्याय, डॉ. मांधाता ओझा डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल, डॉ. हरीश नवल, डॉ. विजया सती तथा डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इस समय विभाग में दस स्थायी सदस्य हैं। यहाँ से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों ने अकादमिक, प्रशासनिक, साहित्यिक, कॉर्पोरेट सेक्टर, मीडिया रंगमंच और सिनेमा के क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सार्थक पहचान बनाई है।



अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हिन्दी विभाग अनेक गतिविधियों का संयोजन संचालन करता है। हिन्दी साहित्य सभा साल में अनेक संगोष्ठियों का आयोजन करती है, जिनमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों का सानिध्य विद्यार्थियों को मिलता है। इस मंच से अंतर्महाविद्यालयी स्तर पर विभिन्न सृजनात्मक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। विभाग तीन पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है, जिनमें से दो 'लहर' एवं 'अभिव्यक्ति' भित्ति पत्रिकाएँ हैं। 'हस्ताक्षर' विभाग की अर्धवार्षिक हस्तलिखित पत्रिका है, जिसकी एक राष्ट्रीय पहचान है। इसके अतिरिक्त 'अभिरंग' विभाग की नाट्य-संस्था है जो विद्यार्थियों की अभिनय-क्षमता के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व के विकास में एक रचनात्मक भूमिका निभाती है। हिन्दू कॉलेज का हिन्दी विभाग साहित्य अध्यापन के माध्यम से सृजन और विचार का मुक्त आकाश बनाने की दिशा में प्रयासरत है। इस आकाश में उड़ान के लिए आपका स्वागत है।

संकाय

1. प्रो. रामेश्वर राय
एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., प्रोफेसर
2. श्री अभय रंजन
एम.ए., एम. फिल., एसोसिएट प्रोफेसर
3. प्रो. हरीन्द्र कुमार (विभाग-प्रभारी)
एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., प्रोफेसर
4. प्रो. रचना सिंह
एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी., प्रोफेसर
5. डॉ. बिमलेंदु तीर्थकर
एम.ए., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
6. डॉ. पल्लव कुमार नन्दवाना
एम.ए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर
7. डॉ. अरविन्द कुमार सम्बल
एम.ए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर
8. नौशाद अली
एम.ए., एम.फिल., सहायक प्रोफेसर
9. डॉ. नीलम सिंह
एम.ए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर
10. डॉ. साक्षी
एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर

DEPARTMENT OF HINDI

The Hindi Department at Hindu College is a testament to its rich history and esteemed reputation within the University. From undergraduate to postgraduate levels, the department has been nurturing the minds of countless students through the years.

The contributions of learned teachers like Dr Dashrath Ojha, Shri Krishna Shankar Shukla, Dr Bharat Singh Upadhyay, Dr Mandhata Ojha, Dr Krishna Dutt Paliwal, Dr Harish Naval, Dr.Vijaya Sati and Dr Suresh Rituparna have played a pivotal role in the construction and growth of the department.

With a current team of ten permanent members, the department continues to flourish. The students who have graduated from here have carved a remarkable identity for themselves, nationally and internationally, across various domains such as academics, administration, literature, corporate sectors, media, theatre, and cinema. Their achievements genuinely reflect the quality of education imparted by the Hindi Department at Hindu College.

The Hindi Department at Hindu College goes above and beyond to ensure the holistic development of its students. The Hindi Sahitya Sabha organises a plethora of seminars throughout the year, providing students with the opportunity to interact with distinguished scholars from across the nation. Inter-college creative competitions further showcase the talents nurtured within the department.

With three publications to their name, including the mural magazines 'Lahar' and 'Abhivyakti', as well as the nationally recognised handwritten magazine 'hatakshar', the department encourages literary expression and creativity. Adding to the department's diverse offerings is the theatrical institute 'Abhirang', which aids in sculpting students' personalities while honing their acting abilities.

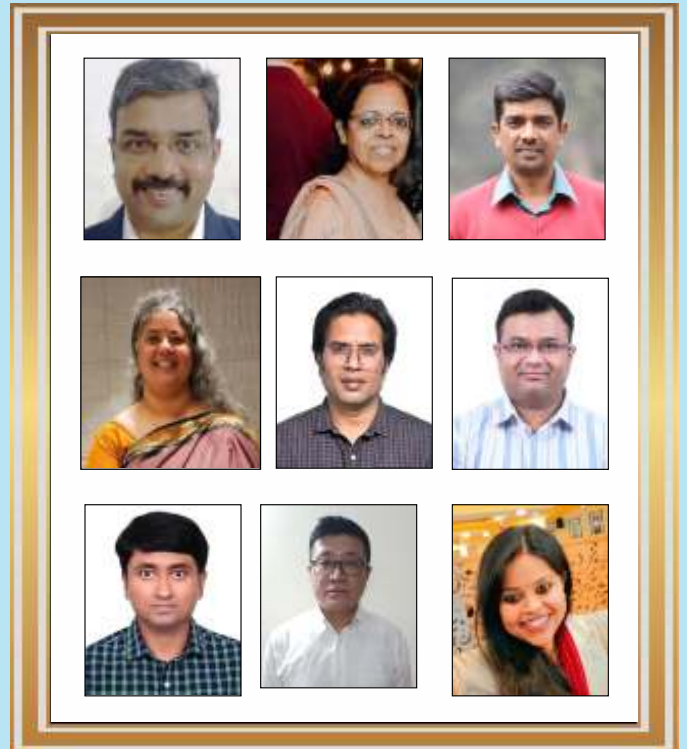
The Hindi Department of Hindu College strives to create a space fostering creativity and engaging in profound literary exploration. Welcome aboard this sky-high journey!

FACULTY

- 1. PROF. RAMESHWAR RAI**
M.A., M.Phil., PhD., Professor
- 2. MR. ABHAY RANJAN**
M.A., M.Phil., Associate Professor
- 3. PROF. HARINDER KUMAR (Teacher-in-charge)**
M.A., M.Phil., PhD., Professor
- 4. PROF. RACHNA SINGH**
M.A., M.Phil., PhD., Professor
- 5. DR BIMLENDU TIRTHUNKER**
M.A., PhD., Associate Professor
- 6. DR PALLAV KUMAR NANDWANA**
M.A., Ph.D., Assistant Professor
- 7. DR. ARVIND KUMAR SAMBAL**
M.A., Ph.D., Assistant Professor
- 8. MR. NAUSHAD ALI**
M.A., M.Phil., Assistant Professor
- 9. DR. NEELAM SINGH**
M.A., Ph.D., Assistant Professor

इतिहास विभाग

इतिहास, हिंदू कॉलेज में पढ़ाए जाने वाले सबसे पुराने विषयों में से एक है। इस संकाय के सभी सदस्य शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध और छात्रों के लिए सुलभ हैं। वर्तमान में विभाग में नौ शिक्षक नियुक्त हैं। विभाग के सभी शिक्षक ऐतिहासिक अध्ययन के कई क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले गैर-भारतीय इतिहास के बहु-स्तरीय विषयों को पढ़ाने के कौशल के अलावा प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास में बहुत अच्छी तरह से पांगत हैं। इतिहास-विभाग संकाय के अनुसंधान-रुचियों में प्राचीन काल से 1200 ईस्वी तक भारत का इतिहास, प्राचीन और प्रारंभिक भारतीय चिकित्सा पद्धति, प्राचीन भारतीय संस्कृति, पुरातत्व एवं अभिलेखीय इतिहास, पशु चिकित्सा विज्ञान और मध्यकालीन भारत में सैन्य इतिहास, 19वीं सदी की शुरुआत में औपनिवेशिक शक्ति का विकास, जेल और दंड विधान, गांधी और अस्पृश्यता, उत्तर-पूर्व भारत में औपनिवेशिक विस्तार और सीमांत प्रथाएं और 20वीं सदी के भारतीय प्रवासी, उत्प्रवास, जातीय अध्ययन शामिल हैं। विभाग के शिक्षकों के महत्वपूर्ण शोध कार्य विभिन्न पुस्तकों, पुस्तकों में अध्यायों के रूप में और भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित सहकर्म-समीक्षा पत्रिकाओं में शोध-पत्र के रूप में भी नियमित रूप से प्रकाशित होते हैं। इतिहास विभाग के कुछ शिक्षक पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। शिक्षण के अतिरिक्त, इतिहास विभाग छात्रों और शिक्षकों के बौद्धिक विकास के उद्देश्य से विशेष व्याख्यान, 'सेमिनार', 'पैनल चर्चा' और शैक्षणिक कार्यशालाओं का आयोजन भी नियमित रूप से करता आया है। विगत कई वर्षों से विभाग के छात्रों ने जीवन-आजीविका के विभिन्न क्षेत्रों जैसे, उच्च शिक्षा, अनुसंधान, शिक्षाविद, कानून, नौकरशाही (सिविल सर्विस), कॉर्पोरेट क्षेत्र, मीडिया और संचार, बैंक, सेना और मनोरंजन उद्योग में खुद को प्रतिष्ठित कर विभाग का नाम रोशन किया है।



इतिहास, हिंदू कॉलेज में पढ़ाए जाने वाले सबसे पुराने विषयों में से एक है। इस संकाय के सभी सदस्य शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध और छात्रों के लिए सुलभ हैं। वर्तमान में विभाग में नौ शिक्षक नियुक्त हैं। विभाग के सभी शिक्षक ऐतिहासिक अध्ययन के कई क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले गैर-भारतीय इतिहास के बहु-स्तरीय विषयों को पढ़ाने के कौशल के अलावा प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास में बहुत अच्छी तरह से पारंगत हैं। इतिहास-विभाग संकाय के अनुसंधान-रुचियों में प्राचीन काल से 1200 ईस्वी तक भारत का इतिहास, प्राचीन और प्रारंभिक भारतीय चिकित्सा पद्धति, प्राचीन भारतीय संस्कृति, पुरातत्व एवं अभिलेखीय इतिहास, पशु चिकित्सा विज्ञान और मध्यकालीन भारत में सैन्य इतिहास, 19वीं सदी की शुरुआत में औपनिवेशिक शक्ति का विकास, जेल और दंड विधान, गांधी और अस्पृश्यता, उत्तर-पूर्व भारत में औपनिवेशिक विस्तार और सीमांत प्रथाएं और 20वीं सदी के भारतीय प्रवासी, उत्प्रवास, जातीय अध्ययन शामिल हैं। विभाग के शिक्षकों के महत्वपूर्ण शोध कार्य विभिन्न पुस्तकों, पुस्तकों में अध्यायों के रूप में और भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित सहकर्मी-समीक्षा पत्रिकाओं में शोध-पत्र के रूप में भी नियमित रूप से प्रकाशित होते हैं। इतिहास विभाग के कुछ शिक्षक पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। शिक्षण के अतिरिक्त, इतिहास विभाग छात्रों और शिक्षकों के बौद्धिक विकास के उद्देश्य से विशेष व्याख्यान, 'सेमिनार', 'पैनल चर्चा' और शैक्षणिक कार्यशालाओं का आयोजन भी नियमित रूप से करता आया है। विगत कई वर्षों से विभाग के छात्रों ने जीवन-आजीविका के विभिन्न क्षेत्रों जैसे, उच्च शिक्षा, अनुसंधान, शिक्षाविद, कानून, नौकरशाही (सिविल सर्विस), कॉर्पोरेट क्षेत्र, मीडिया और संचार, बैंक, सेना और मनोरंजन उद्योग में खुद को प्रतिष्ठित कर विभाग का नाम रोशन किया है।

संकाय

- | | |
|--|--|
| 1. डॉ. रतन लाल
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 6. डॉ. सौरभ कुमार
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्रोफेसर |
| 2. डॉ. अर्चना वर्मा (विभाग-प्रभारी)
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 7. डॉ. सुजय बिस्वास
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्रोफेसर |
| 3. डॉ. शंकर कुमार
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 8. डॉ. एस. पनमेई
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्रोफेसर |
| 4. डॉ. रचना सिंह
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 9. डॉ. रुचि वर्मा
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्रोफेसर |
| 5. डॉ. आर.बी. आज़ाद चौधरी
एमए, एमफिल, पीएचडी; सहायक प्रोफेसर | |

DEPARTMENT OF HISTORY

History is one of the oldest disciplines taught at Hindu College. It comprises a committed and accessible faculty. The department presently has nine faculty members. The teachers specialise in a range of fields. They are very well rooted in Ancient, Medieval and Modern Indian History, besides having the skills to teach multi-level subjects of non-Indian history taught at the University of Delhi. The research interests of the faculty comprise Ancient India from the earliest times up to 1200 CE, Ancient and early Indian medicine, Ancient Indian culture, archaeology, epigraphy, veterinary sciences and military history in Medieval India, prisons, penology and colonial power in early 19th century India, Gandhi and untouchability, the North-East colonial knowledge and frontier practices and the 20th-century Indian diaspora, emigration, ethnic studies. Most teachers in the department have their important research works published as books, chapters in books and research papers in reputed peer-reviewed journals in India and abroad. Some teachers are also supervising PhD students. In addition to teaching, the department organises special lectures, seminars, panel discussions and academic workshops to augment the intellectual growth of students and teachers. The department has a well-equipped library that is run under the supervision of a faculty member and is open to all students.

The department has an active History Society called 'Sakshya'. All students and teaching faculty are its members. 'Sakshya' has a tradition of electing its own office bearers who, under the guidance of faculty members, regularly organise seminars, educational trips, heritage walks, and the annual departmental festival 'Yugantar'. History Society has also brought out a magazine recently. After passing out from college, and over the years, our students have distinguished themselves in different fields of life such as research, academics, law, bureaucracy, the corporate sector, media and communications, banks, the army and the entertainment industry.

The History department endeavours to offer the widest possible options in terms of the papers prescribed by the University at the undergraduate level. It also admits students for post-graduation in history.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Dr. RATAN LAL
MA, MPhil, PhD, Associate Professor | 6. DR. SAURABH KUMAR
MA, MPhil, PhD, Assistant Professor |
| 2. Dr. ARCHANA VERMA (Teacher-in-charge)
MA, MPhil, PhD, Associate Professor | 7. DR. SUJAY BISWAS
MA, MPhil, PhD, Assistant Professor |
| 3. Dr. SHANKAR KUMAR
MA, MPhil, PhD, Associate Professor | 8. DR. S. PANMEI
MA, MPhil, PhD, Assistant Professor |
| 4. Dr. RACHNA SINGH
MA, MPhil, PhD, Associate Professor | 9. DR. RUCHI VERMA
MA, MPhil, PhD, Assistant Professor |
| 5. Dr. R. B. AZAD CHOUDHARY
MA, MPhil, PhD, Assistant Professor | |

गणित विभाग

गणित विभाग, हिंदू कॉलेज, दिल्ली, एक प्रसिद्ध शैक्षणिक विभाग है जो कई दशकों से गणितीय शिक्षा की आधारशिला रहा है। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता और गणितीय सिद्धांतों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है, विभाग ने लगातार प्रतिभाशाली गणितज्ञों ने योगदान दिया है।

गणित विभाग, हिंदू कॉलेज के संकाय सदस्य गणित की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता के साथ उच्च योग्य और निपुण हैं। उनके पास व्यापक अनुसंधान, अनुभव और शिक्षण के लिए एक जुनून है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों को विषय में व्यापक शिक्षा प्राप्त होती है। संकाय सदस्य एक सहायक शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित हैं और छात्रों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए आसानी से उपलब्ध रहते हैं।



विभाग गणित में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, छात्रों को गणितीय सिद्धांतों और अनुप्रयोगों में एक ठोस आधार प्रदान करता है। स्नातक कार्यक्रम में कलन, बीजगणित, ज्यामिति, अंतर समीकरण, विश्लेषण, प्रायिकता और सांख्यिकी सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह छात्रों को जटिल गणितीय अवधारणाओं को समझने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक गणितीय उपकरणों और तकनीकों से लैस करती है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम छात्रों को शुद्ध गणित, अनुप्रयुक्त गणित, गणितीय मॉडलिंग, या कम्प्यूटेशनल गणित जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की अनुमति देता है, जिससे वे अपनी रुचि के चुने हुए क्षेत्र में गहराई तक जाने में सक्षम हो जाते हैं।

गणित विभाग के पाठ्यक्रम को छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच, तार्किक तर्क और समस्या को सुलझाने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच संतुलन बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि छात्र वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में गणितीय अवधारणाओं को लागू करने में दक्षता विकसित करते हुए गणित के अंतर्निहित सिद्धांतों को समझते हैं। विभाग छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करने, गणितीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने और विषय की गहरी समझ को बढ़ावा देने और बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विभाग के बुनियादी ढांचे में गणितीय मॉडलिंग के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएं और कंप्यूटर लैब शामिल हैं। ये संसाधन प्रभावी सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं और छात्रों को व्यावहारिक प्रयोगों और कम्प्यूटेशनल विधियों के माध्यम से गणितीय अवधारणाओं का पता लगाने के अवसर प्रदान करते हैं।

हिंदू कॉलेज में गणित विभाग अंतःविषय सहयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है और छात्रों को भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में गणितीय तकनीकों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह अंतःविषय दृष्टिकोण छात्रों के क्षितिज का विस्तार करता है और उन्हें बहुमुखी कौशल से लैस करता है जो आज के प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में अत्यधिक मूल्यवान हैं।

विभाग अपने जीवंत गणितीय समुदाय पर गर्व करता है, Acuity नामक गणितीय समाज के माध्यम से छात्रों के बीच भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। यह मंच छात्रों को गणितीय चर्चाओं में शामिल होने, समस्या समाधान सत्रों में भाग लेने और गणितीय घटनाओं और प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का अवसर प्रदान करता है। विभाग अतिथि व्याख्यान देने और छात्रों के सीखने के अनुभवों को और समृद्ध करने के लिए उनकी विशेषज्ञता साझा करने के लिए प्रसिद्ध गणितज्ञों को भी आमंत्रित करता है। शिक्षाविदों के अलावा, Acuity प्रत्येक छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है और Acuitians की प्रतिभा को प्रोत्साहित करता है। वार्षिक उत्सव - अल्फा छात्रों और दर्शकों के बीच अत्यंत उत्साह और उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है। अल्फा वास्तव में किसी भी गणित उत्साही के लिए स्वर्ग है और साथ ही किसी भी छात्र के लिए कॉलेज जीवन के रंगों में एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव है।

विभाग का वार्षिक प्रकाशन - एन्युलस एक व्यावहारिक प्रकाशन है और उच्च गणित और संबंधित स्पेक्ट्रम के साथ उच्च गुणवत्ता वाला है जो दुनिया भर में किसी भी गणित प्रेमी के लिए एक रत्न है। एन्युलस छात्रों को उनमें एक शोधकर्ता को आत्मनिरीक्षण करने और उसे बाहर लाने का अवसर प्रदान करता है।

गणित विभाग, हिंदू कॉलेज के पूर्व छात्रों ने अपने करियर में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं और शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवा में बहुमूल्य योगदान दिया है।

गणित विभाग, हिंदू कॉलेज एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक विभाग है जो गणित में एक व्यापक शिक्षा प्रदान करता है, महत्वपूर्ण सोच और समस्या को सुलझाने के कौशल का पोषण करता है, और इस विषय के लिए एक जुनून को बढ़ावा देता है।

अपने समर्पित संकाय सदस्यों, अंतःविषय दृष्टिकोण, अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे और जीवंत गणितीय समुदाय के साथ, विभाग गणितज्ञों की भावी पीढ़ी को आकार देने में योगदान दे रहा है।

संकाय

- | | | |
|---|---|--|
| 1. डॉ. कांता गर्ग
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 5. डॉ. निधि चावला
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 9. डॉ. आयशा इब्राहीम
एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 2. डॉ. बिंदू बंसल
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 6. डॉ. सचिन वशिष्ठ
एमएससी, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 10. श्री शैलेश कुमार
एमएससी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 3. सुश्री सीमा पालीवाल
एमएससी, एमफिल; एसोसिएट प्रोफेसर | 7. डॉ. प्रमोद कुमार (विभाग-प्रभारी)
एमएससी, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 11. श्री बिस्वजीत ताहू
एमएससी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 4. श्री राजेश कुमार
एमएससी; एसोसिएट प्रोफेसर | 8. डॉ. समृद्धि मेहता
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 12. श्री प्रेमराज मीणा
एमएससी; असिस्टेंट प्रोफेसर |

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

The Department of Mathematics, Hindu College, Delhi, is a renowned academic Department that has been a cornerstone of mathematical education for several decades. Known for its commitment to academic excellence and fostering a deep understanding of mathematical principles, the Department has consistently produced talented mathematicians and contributed to the advancement of the field.

The faculty members of the Department of Mathematics, Hindu College are highly qualified and accomplished individuals with expertise in various branches of mathematics. They possess extensive research experience and a passion for teaching, ensuring that students receive a comprehensive education in the subject. The faculty members are dedicated to providing a supportive learning environment and are readily available to guide and mentor students in their academic pursuits.

The Department offers undergraduate and postgraduate programs in mathematics, providing students with a solid foundation in mathematical theories and applications. The undergraduate program covers a wide range of topics, including calculus, algebra, discrete mathematics, graph theory, differential equations, analysis, probability and statistics. It equips students with the necessary mathematical tools and techniques to understand complex mathematical concepts and solve real-world problems. The postgraduate program allows students to specialize in areas such as pure mathematics, applied mathematics, mathematical modelling, or computational mathematics, enabling them to delve deeper into their chosen field of interest.

The curriculum of the Mathematics Department is designed to promote critical thinking, logical reasoning, and problem-solving skills among students. It strikes a balance between theoretical knowledge and practical applications, ensuring that students understand the underlying principles of Mathematics while also developing proficiency in applying mathematical concepts to real-world scenarios. The Department also encourages students to undertake research projects, participate in mathematical competitions, and attend seminars and workshops to foster a deeper understanding of the subject and encourage intellectual curiosity.

The Department's infrastructure includes well-equipped classrooms and computer labs with specialized software for mathematical modelling. These resources facilitate effective learning and provide students with opportunities to explore mathematical concepts through hands-on experiments and computational methods.

The Department of Mathematics, Hindu College actively promotes interdisciplinary collaborations and encourages students to apply mathematical techniques to various domains, such as Physics, Chemistry, Commerce and Economics. This interdisciplinary approach expands students' horizons and equips them with versatile skills that are highly valued in today's competitive job market.

The Department takes pride in its vibrant mathematical community, fostering a spirit of camaraderie among students through mathematical society named Acuity. This platform provides opportunities for students to engage in mathematical discussions, participate in problem-solving sessions, and organize mathematical events and competitions. The Department also invites renowned mathematicians to deliver guest lectures and share their expertise, further enriching students' learning experiences. Apart from the academics, Acuity also focuses on the holistic development of each student and encourage the talents of Acutians. The annual fest – Alpha is conducted with utmost cheer and excitement among the students and spectators. Alpha is in fact a paradise for any Maths enthusiast as well as is a wonderful and unmemorable experience in the colours of college life for any student.

The Annual Publication of the Department – Annulus is an insightful publication and is of high quality with Higher Mathematics and related spectrums which is a gem for any Maths lover across the globe. Annulus provides the students an opportunity to introspect a researcher in them and to bring it out.

The alumni of the Department of Mathematics, Hindu College have achieved significant milestones in their careers and have made valuable contributions to academia, industry, research, and public service.

The Department of Mathematics, Hindu College is a distinguished academic Department that offers a comprehensive education in Mathematics, nurtures critical thinking and problem-solving skills, and fosters a passion for the subject.

With its dedicated faculty, interdisciplinary approach, state-of-the-art infrastructure, and vibrant mathematical community, the Department continues to shape the future generation of mathematicians and contribute to the advancement of mathematical knowledge.

FACULTY

- | | |
|--|---|
| 1. Dr. KANTA GARG
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 7. Dr. PRAMOD KUMAR (Teacher-in-charge)
M.Sc., Ph.D., Associate Professor |
| 2. Dr. BINDU BANSAL
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 8. Dr. SAMRIDHI MEHTA
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor |
| 3. Ms. SEEMA PALIWAL
M.Sc., M.Phil., Associate Professor | 9. Mr. BISWAJIT TAHU
MSc, M.Phil., Assistant Professor |
| 4. Dr. RAJESH KUMAR
M.Sc., Ph.D., Associate Professor | 10. Dr. AYESHA IBRAHEEM
M.Sc., M.Phil., Ph.D., Assistant Professor |
| 5. Dr. NIDHI CHAWLA
M.Sc., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 11. Mr. SHALESH KUMAR
MSc., Assistant Professor |
| 6. Dr. SACHIN VASHISTHA
M.Sc., Ph.D., Associate Professor | 12. Mr. PREMRAJ MEENA.
Msc., Assistant Professor |

दर्शनशास्त्र विभाग

दर्शनशास्त्र विभाग में भारतीय दर्शन, यूनानी दर्शन, महाद्वीपीय विचार, तर्कशास्त्र, नीतिशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र, फिलोसोफी ऑफ़ माइंड, फिलोसोफी ऑफ़ साइंस और धर्म दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अध्यापक हैं। पचहत्तर से अधिक वर्षों से कार्यरत यह विभाग निरंतर विकासमान रहा है। प्रारंभ में इस विभाग में केवल एक ही सुप्रसिद्ध विद्वान श्री प्रेमचंद अध्यापक थे, वर्तमान में विभाग में सात अध्यापक हैं। आरंभ में विभाग बीए (प्रोग्राम), दूसरे विभाग के ऑनर्स छात्रों के लिए अंतर अनुशासनिक और अनुशासन केंद्रित पाठ्यक्रम और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए ट्यूटोरियल कक्षाएं आयोजित करता था। 2007 से विभाग ने स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र में ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रस्तावित करने वाला एक अग्रणी सह-शिक्षा कॉलेज है। यूजीसीएफ-एनईपी के तहत बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र लिए आठ सेमेस्टर में विभाग मुख्य पाठ्यक्रम (सीसी), विषय केंद्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम (डीएसई), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी), और कौशल विकास पाठ्यक्रम (एसईसी) प्रस्तावित करता है। अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए कई सामान्य वैकल्पिक (जीई) पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित करता है। हमारे विद्यार्थियों ने हमें सम्मान दिलाया है और प्रत्येक वर्ष हम विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यार्थियों के संपूर्ण अकादमिक विकास के उद्देश्य से निर्धारित कक्षाओं और ट्यूटोरियल के अतिरिक्त विभाग समय-समय पर प्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, वाद-विवाद और कार्यशाला श्रृंखला आयोजित करता रहा है।

विभाग ने संवाद नामक व्याख्यान श्रृंखला संस्थापित किया है जिसके अंतर्गत देश-विदेश की विभिन्न संस्थाओं/विश्वविद्यालयों के विख्यात विद्वानों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की सहायता से समय-समय पर लेक्चर और सम्मेलन भी आयोजित करता है। विभाग का वार्षिकोत्सव पेनाथेनिया और पत्रिका 'फलसफा' विद्यार्थियों को अपनी अकादमिक, रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर देती हैं। देश-विदेश के विख्यात लेखक, जो दर्शनशास्त्र विभाग के साथ संबद्ध रहे हैं, वे हैं – प्रेमचंद, बलबीर सिंह, रेखा बसु, ध्रुवरैना, पीटर मैकलॉफलीन, दया कृष्णा, डेनियल रावहे, वी. सनिल, एच. एस. प्रसाद, विभा चतुर्वेदी, के. पी. शंकरन, पुरुषोत्तम बिलिमोरिया, शन्कर रमास्वामी, क्रिश्चियन लेडुक, रायनर एबर्ट और विजय तंखा आदि।



संकाय

1. डॉ. देवसिया मुरुपथ एंटनी
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
2. डॉ. सुमित नंदन (विभाग-प्रभारी)
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. कृष्ण मणि पाठक
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
4. डॉ. अनन्या बरूआ
एमए, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
5. डॉ. सुदीप राज कुमार
एमए, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
6. डॉ. अजय जायसवाल
एमए, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
7. सुश्री रिम्पी
एमए, एमफिल; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF PHILOSOPHY

The Department of Philosophy comprises a committed faculty with specialization in diverse areas such as Indian Philosophy, Greek Philosophy, Continental Thought, Logic, Ethics, Aesthetics, Philosophy of Mind, Philosophy of Science and Philosophy of Religion. More than seventy five years old, the department has grown from strength to strength. At the time of its inception it had only one teacher on the faculty, the renowned, now deceased, Mr. Prem Chand. The current number of the faculty is seven. To begin with, the Department had offered Courses for B.A. Programme, Interdisciplinary and Discipline-Centered Courses for the Honours students from other Departments, and conducted tutorials for Postgraduate students. Since July 2007, the Department has launched an Honours programme for Undergraduate students. Hindu College is one of the earliest co-educational institutions in the University of Delhi to offer an Honours Course in Philosophy. Under the UGCF-NEP, the Department offers Core Courses (CC), Discipline Specific Electives (DSE), Value Addition Courses (VAC) and Skill Enhancement Courses (SEC) over eight semesters for a degree in BA (H) Philosophy. The Department also offers a range of Generic Electives (GE) to students of other departments. Our students have brought us laurels, each year we have been getting the top ranks in the University. In addition to the scheduled lectures and tutorials, the Department also holds periodic lectures by renowned scholars, seminars, group discussions, debates and workshops with the aim of augmenting the integral intellectual development of the students. The Department has instituted a lecture series called 'SAMVAD', renowned academicians from various institutions, both from India and abroad, are invited to deliver lectures under the aegis of this programme. The Department also organizes periodical lectures and conferences with the assistance from Indian Council of Philosophical Research and Indian Council of Social Sciences Research. The Department's annual festival *Panathenaea* and the magazine *Falsafa* enable students to showcase their academic, creative and artistic talents.

Eminent scholars, who have been associated with the Department of Philosophy, Hindu College or delivered lectures, include Premchand, Balbir Singh, Rekha Basu, Dhruv Raina, Peter McLaughlin, Daya Krishna, Daniel Raveh, V. Sanil, H. S. Prasad, Vibha Chaturvedi, K. P. Shankaran, Purushottama Bilimoria, Shankar Ramaswamy, Christian Leduc, Rainer Ebert and Vijay Tankha among many others.

FACULTY

- | | |
|---|---|
| 1. Dr. DEVASIA MURUPPATH ANTONY
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 5. Dr. SUDEEP RAJ KUMAR
M.A., M.Phil., Ph.D., Assistant Professor |
| 2. Dr. SUMIT NANDAN (Teacher-in-charge)
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 6. Dr. AJAY JAISWAL
M.A., M.Phil., Ph.D., Assistant Professor |
| 3. Dr. KRISHNA MANI PATHAK
M.A., M.Phil., Ph.D., Associate Professor | 7. Ms. RIMPI
M.A., M.Phil., Assistant Professor |
| 4. Dr. ANANYA BARUA
M.A., Ph.D., Assistant Professor | |

राजनीति शास्त्र विभाग

एक विषय के रूप में राजनीतिक विज्ञान व्यक्ति और समाज के दैनिक जीवन का अध्ययन है। इसके अंतर्गत ऐसे मूल्यात्मक प्रश्नों का विवेचन होता है, जिनसे किसी भी राजनैतिक व्यवस्था, व्यक्तियों और उनकी सरकारों और सार्वजनिक अच्छाइयों पर विचार किया जाता है। यह विषय लोगों की सामाजिक अवधारणाओं तथा समाज में उनकी व्यक्तिगत पहचान का भी अध्ययन करता है। स्वाभाविक है कि इसके अंतर्गत उन सभी विधाओं का भी अध्ययन होता है, जिनसे सार्वजनिक निर्णय लिये जाते हैं तथा सामान्य हितों को साधा जाता है। एक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान शक्ति के वितरण प्रबंधन तथा क्रियान्वयन का अध्ययन है। नैतिक, मौलिक मुद्दों राजनीतिक गतिविधियों व संस्थाओं के बीच मध्यस्थता इसका मुख्य बिंदु है। मुख्य रूप से राजनीति विज्ञान, व्यक्ति, समाज तथा राज्य के मध्य संबंधों का अध्ययन है।

राजनीति विज्ञान में स्नातक (ऑनर्स) और स्नातकोत्तर के अध्यापन की व्यवस्था है। स्नातक स्तर पर यूजीसीएफ-एनईपी के अंतर्गत कोर पेपर के अतिरिक्त बीए (प्रोग्राम) के लिए डिप्लोमा पेपर, जेनरिक कोर्स और स्किल इनहांसमेंट पेपर पढ़ाया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तत्वावधान में यूजीसीएफ 2022 के हालिया दिशानिर्देशों के आधार पर, विभाग ने अपने पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को अनुशासनात्मक, अंतःविषय के साथ-साथ व्यावहारिक प्रवचन (कौशल आधारित और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) के पेपर के समकालीन और विविध पूल के साथ अद्यतन किया है।

विभाग में अनुभवी और युवा उत्साही शिक्षक शामिल हैं जो एक लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान में इस विभाग में आठ शिक्षक कार्यरत हैं। उनके समृद्ध शिक्षण अनुभव और अनुसंधान विशेषज्ञता को देखते हुए, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत पसंद की पेशकश की जाती है, जैसे, 'पब्लिक पालिसी इन इंडिया', 'फेमिनिज्म: थ्योरी एंड प्रैक्टिस', 'डाइलेमा इन पॉलिटिक्स', 'सिटीजनशिप इन ग्लोबलीसिंग वर्ल्ड', 'इंडिया'स फॉर पालिसी', 'डेवलपमेंट प्रोसेस एंड सोशल मूवमेंट्स इन कंटेम्प러리 इंडिया', इत्यादि। यह विभाग विविध विषयों पर सक्रिय रूप से सेमिनार और संगोष्ठियों का आयोजन करता है। वाद-विवाद और चर्चा-परिचर्चा में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रहती है।



'पोल्सो' राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों की संस्था है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुसार इसका चुनाव होता है और चुने हुए सदस्य विभाग के अकादमिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन शिक्षकों के परामर्श से करते हैं। यह संस्था वार्षिक समारोह 'पॉलिटि' का आयोजन करती है, जिसमें प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ पेनलिस्ट के रूप में आते हैं। 'पोल्सो' के तत्वावधान में 'एनएन अग्रवाल अंतर्महाविद्यालयीय पत्र-प्रस्तुति' का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। 'सियासत' वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करता है, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों के लेख प्रकाशित होते हैं। विभाग के विद्यार्थी सदैव सक्रिय रूप से वाद-विवाद, नृत्य, संगीत, थियेटर, कोरियोग्राफी और अन्य कला प्रस्तुतियों में भाग लेते हैं। 2018 से, विभाग प्रतिवर्ष 'हिंदू-ओआरएफ पॉलिसी कॉन्क्लेव' की मेजबानी कर रहा है, जो ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, सरकारी प्रतिनिधियों, राजनयिकों के साथ-साथ हमारे छात्र भी शामिल होते हैं। यह समकालीन प्रासंगिकता और वैश्विक संवाद के मुद्दों पर विचार-विमर्श और बहस करने का एक मंच है।

संकाय

1. डॉ. जगदीश चंदर
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
2. डॉ. मनीषा पांडे
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. सीमा दास
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
4. डॉ. अनिरुद्ध कुमार प्रसाद
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
5. डॉ. चंद्रचूड़ सिंह
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर
6. डॉ. तालीम अख्तर (विभाग-प्रभारी)
एमए, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
7. डॉ. कस्तूरी दत्ता
एमए, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर
8. श्री राम कुमार ठाकुर
एमए, एमफिल; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

Political Science as a subject is concerned with the day-to-day affairs of individuals and society. It encompasses normative inquiry into larger questions as the best form of political order, the optimum relationship between the individual and government and the nature of the public good. It is the study of people's perceptions of their own and of other societies and their place therein. It thus naturally involves looking into the myriad ways in which people seek to govern themselves and make decisions to manage and solve their common and collective issues. The focus is on the ways in which political power is distributed, operated and managed. In so doing, the subject dwells on moral ideals, ethical issues, political events, actions and institutions. It includes both understanding and explaining the world of politics that is all around us.

The department offers BA (Honours) and MA courses at the undergraduate and postgraduate levels respectively. At the undergraduate level, the department also offers various core, skill based and elective papers as part of the BA programme curriculum. Based on the recent guidelines of the UGCF 2022, under the aegis of National Education Policy, 2020, the department has updated its curriculum and pedagogy with a contemporary and diverse pool of papers across disciplinary, interdisciplinary as well as practical discourses (skill based and value-added courses).

The faculty comprises of experienced and young enthusiastic teachers committed to creating a democratic academic culture. At present, the department has eight faculty members. Given their rich teaching experience and research specialisations, a wide choice of elective courses is offered to the students, namely, 'Public Policy in India', 'Feminism: Theory and Practice', 'Dilemma in Politics', 'Citizenship in a Globalising World', 'India's Foreign Policy', 'Development Process and Social Movements in Contemporary India', etc. The department has been very active in organizing seminars and symposia on issues of diverse interests. The participation of the faculty and the students on a regular basis in debates and discussions makes the department dynamic and vibrant.

POLSO, the Political Science society comprises of all the students of the department. It has a democratic tradition of electing its own representatives who, in consultation with and under the guidance of faculty members, conduct the academic and cultural activities. The Society organizes its annual festival POLITY, where issues of varied interests are debated and discussed with renowned panellists, with a wide range of interests and specializations. Apart from the prestigious, 'N. N. Agarwal Inter College paper presentation', contest is also organized under the aegis of POLSO every year. The society also brings out an in-house annual magazine, 'Siyasat', where students and faculty members get an opportunity to express themselves creatively. The students are also involved in various other extracurricular activities such as debating, dance, music, theatre, choreography etc. Since 2018, the department has been annually hosting the 'Hindu-ORF Policy Conclave', a flagship event in collaboration with the Observer Research Foundation, New Delhi, which brings on board experts, academics, government representatives, diplomats as well as our students to deliberate and debate on issues of contemporary relevance and global discourse.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Dr. JAGDISH CHANDER
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 5. Dr. CHANDRACHUR SINGH
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor |
| 2. Dr. MANEESHA PANDEY
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 6. Dr. TALIM AKHTAR (Teacher-in-charge)
MA., MPhil., PhD.; Assistant Professor |
| 3. DR SEEMA DAS
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 7. Dr. KASTURI DATTA
MA., MPhil., PhD.; Assistant Professor |
| 4. Dr. ANIRUDH KUMAR PRASAD
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 8. Mr. RAM KUMAR THAKUR
MA., MPhil.; Assistant Professor |

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग, हिंदू कॉलेज के सबसे पुराने और बड़े विभागों में से एक है। इस विभाग ने कॉलेज के प्रसार और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। एक शैक्षणिक संस्था का मुख्य उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को प्रबुद्ध व्यक्ति में परिवर्तित करना है। भौतिकी विभाग ने हमेशा से छात्रों और शिक्षकों के शैक्षणिक समुदाय में उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने पर जोर दिया है। शिक्षक-छात्र संबंध में वर्षों के बाद एक परिदृश्य परिवर्तन देखा गया है। विभाग के शिक्षक न केवल शिक्षाविद और मार्गदर्शक हैं, बल्कि 'मित्र' भी हैं, जिन पर छात्र संकोच या संकट के समय आश्रित कर सकते हैं। प्रशंसा के पात्र और समर्पित संकाय के गरिमापूर्ण शिक्षकों, नवीनतम तकनीकी आविष्कारों के लिए जीवंत माहौल और छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, यह विभाग 10+2 स्ट्रीम से सबसे तेज दिमागों को आकर्षित करता है।

विभाग के संकाय के सदस्य भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे क्वांटम मैकेनिक्स, संकुचित पदार्थ भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, पदार्थ विज्ञान, उच्च ऊर्जा भौतिकी, सौर ऊर्जा संरक्षण, प्रकाशिकी और फोटोनिक्स, इत्यादि में विशेषज्ञता रखते हैं। विभाग शिक्षण के साथ-साथ शोध पर भी बहुत महत्व देता है। संकाय के सदस्यों का क्रेडिट उच्च प्रसिद्ध जर्नल में कई शोध पत्रों और लेखों के लिए है। उनके पर्यवेक्षण में कई शोध छात्र डॉक्टरेट के लिए पंजीकृत हैं। विभाग के संकाय के सदस्यों के नाम पटेंट और प्रौद्योगिकी स्थानांतरण भी हैं।

विभाग में तीन आईसीटी सक्षम व्याख्यान थिएटर, एक कक्षा और तीन आईसीटी सक्षम प्रयोगशालाएं हैं जो हर साल नवीनतम उपकरणों के साथ अपग्रेड की जाती हैं। सात शिक्षण कक्षाएं, एक भंडारण कक्षा और एक शोध कक्षा भी हैं। इसके अलावा, विभाग में दो शोध प्रयोगशालाएं हैं: सामग्री संश्लेषण प्रयोगशाला और ई-वेस्ट पुनर्वापसी और पुनर्चक्रण कौशल प्रयोगशाला; और कॉलेज के इनोवेशन और स्टार्टअप सेल में भी सहभागिता करता है। छात्रों को परियाप्त अवसर और वास्तविक समय शोध के माध्यम से प्रोजेक्ट, इंटरशिप और समर प्रोग्राम के माध्यम से अवधारणाओं के साथ खेलने, अपने नवाचारी विचारों को आकार देने और अपने सृजनात्मक कौशल प्रदर्शित करने का भी मौका प्रदान किया जाता है।



विभाग के शिक्षक भी कॉलेज के कॉर्पोरेट जीवन में अत्यधिक योगदान दे रहे हैं। शिक्षकों में से अधिकांश सक्रिय रूप से संस्थान के प्रशासनिक कार्य में शामिल हैं, स्टाफ काउंसिल समितियों के सदस्य और संयोजक, हॉस्टल वार्डन, इनोवेशन परिषद सदस्य, कॉलेज समाजों के स्टाफ सलाहकार और बहुत कुछ। विभाग के छात्रों ने भी कॉलेज के सामाजिक जीवन में अपनी पहचान बनाई है, विभिन्न कॉलेज समाजों, छात्र संसद और समय-समय पर विभिन्न कार्यों के आयोजकों में सक्रिय योगदान और प्रमुख पदों में स्थान बनाया है।

B.Sc. (Hons.) भौतिकी कोर्स के शिक्षण के अतिरिक्त, विभाग को B.Sc. भौतिक विज्ञान (इलेक्ट्रॉनिक्स) कोर्स चलाने की जिम्मेदारी भी होती है। विभाग को B.Sc. भौतिक विज्ञान (रसायन शास्त्र) कोर्स के शिक्षण की जिम्मेदारी भी साझा करनी पड़ती है।

छात्रों के समग्र विकास के लिए, यह समझा गया कि छात्रों की रचनात्मक ऊर्जा को भी एक निर्देशित रूप में चालित किया जाना चाहिए। इससे "क्वार्क्स" नामक वार्षिक विभाग उत्सव और इसके तहत फिजिक्स सोसाइटी "यूरेका" की मैगजीन का प्रकाशन हुआ। उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में मशहूर भौतिकज्ञों द्वारा लेक्चर श्रृंखला और पैनल चर्चाएं, पेपर रीडिंग, क्विज़, बहस, पोस्टर प्रस्तुति आदि शामिल हैं। विभाग द्वारा पदार्थ यात्राएं, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की यात्राएं, कार्यशालाएं, सेमिनार और आउटरीच कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। छात्र विभाग के सहयोग से उत्कृष्ट संस्थानों के संबंध में उनकी अधिकतम सीख और हाथों की प्रायोगिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जिनमें विभाग द्वारा अनेक ज्ञानात्मक कोर्स संचालित किए जाते हैं।


हमारे छात्र सतत प्रदर्शन के साथ यूनिवर्सिटी परीक्षाओं में उच्च स्थान प्राप्त कर रहे हैं। वे भारत में और विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्चतर शिक्षा के लिए प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के पूर्व छात्रों ने नागरिक सेवा, रक्षा सेवा, प्रबंधन, अनुसंधान आदि जैसे विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में अपनी विशेषता स्थापित की है। विभाग सभी सदस्यों के लिए समेटी गई संपूर्ण विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और विरासत को सजीव और सफल बनाए रखने की आशा करता है।

संकाय

1. डॉ. लता गर्ग
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
2. डॉ. प्रदुम्न कुमार
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
3. डॉ. मनीष कुमार कंसल
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
4. डॉ. नाओरेम सांताक्रूस सिंह
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
5. डॉ. ललित कुमार
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
6. प्रो. प्रगति अशधीर
एमएससी., पीएचडी.; प्रोफेसर
7. डॉ. अपर्णा सक्सेना
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
8. डॉ. संजय कुमार चौहान
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
9. डॉ. विवेक कुमार वर्मा
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
10. डॉ. आदर्श सिंह (विभाग-प्रभारी)
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
11. डॉ. अमित तंवर
एमएससी., पीएचडी.; एसोसिएट प्रोफेसर
12. डॉ. नेहा बत्रा
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
13. डॉ. मंजू बाला
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
14. डॉ. रीमा गुप्ता
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
15. डॉ. मनोज वर्मा
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
16. डॉ. गीता रे
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
17. डॉ. प्रियंका फोगाट
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
18. डॉ. अंकुर शांडिल्य
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
19. डॉ. अनिता ढाका
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
20. डॉ. वीरेंद्र कुमार
एमएससी., पीएचडी.; असिस्टेंट प्रोफेसर
21. श्री. गिनमिनलेन टौथांग
एमएससी.; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF PHYSICS

The Department of Physics is one of the oldest and largest Departments of Hindu College. It has made significant contributions to the growth and the development of the College as an Institution. The principal aim of an educational institution is to transform the young minds into enlightened individuals. The Physics Department has always emphasized adherence to high ethical values within the academic community of students and teachers. The Teacher-Student relationship has seen a paradigm shift over the years. The teachers of the department are not only educators and mentors, but also 'Friends', on whom students can depend on the hour of need. Boasting of a highly accomplished and committed faculty, vibrant environment for innovations and excellent performance record of the students, the Department attracts the brightest of students from 10+2 stream.



The Department faculty members have specializations in different areas of Physics, ranging from quantum mechanics, condensed matter physics, electronics, material science and high energy physics, to name a few. The department places a great emphasis on research along with teaching. The faculty members have numerous research papers and articles in renowned journals to their credit. Many research scholars are enrolled for PhD under their supervision. Many patents and technology transfers are also to the credit of the faculty of the department.

The Department has three ICT enabled lecture theatres, one classroom and three ICT enabled laboratories which are upgraded every year with the latest equipment. There are seven faculty rooms, one store room and one research room. In addition, the Department has two research labs: Material synthesis lab and E-waste reuse and recycle skill lab; and is also participative in the innovation and startup cell of the college. The students are also provided with ample opportunities and exposure to real time research through projects, internships and summer programs; through which the students can play around with the concepts of Physics, give shape to their innovative ideas and exhibit their creative skills.

The faculty of the department has also been contributing immensely to the corporate life of the College. Most of the faculty are actively involved in the Administrative work of the Institution as members and convenors of staff council committees, hostel warden(s), innovation council members, staff advisors to college societies and much more. The students of the department have also made their mark in the social life of the college with active contributions and leading positions in various college societies, student parliament and organizers of various functions from time to time.

In addition to the teaching of B.Sc. (Hons.) Physics course, the Department has the responsibility of running the B.Sc. Physical Science (Electronics) course. The Department also shares the responsibility of teaching the B.Sc. Physical Science (Chemistry) course.

For holistic growth of the students, it was realized that the creative energy of the students also needed to be channelized. This laid foundations for the annual department festival “QUARKS” and the release of its magazine under the Physics society “EUREKA”. Among the various events of the festival are lecture series and panel discussions by eminent physicists, paper reading, quizzing, debating, poster presentation etc. The department also organizes field trips, visits to national labs, workshops, seminars and outreach programs as part of the extension activities. The students may also supplement their learning and gain hands-on experience in emerging fields by opting from a plethora of add on courses floated by the department in collaboration with institutes of eminence.

Our students have consistently performed well in the University examinations securing top positions. They have been getting admissions for higher education, in top most universities/Institutions, in India and universities abroad. The alumni of the department have carved their niche in various professional areas like Civil Services, Defence Services, management, R & D's etc. The department provides a conducive environment for wholesome growth with inclusivity to all members and looks forward to keeping the legacy alive and thriving.

FACULTY

1. **Dr. Lata Garg**
Msc., Phd.; Associate Professor
2. **Dr. Pradumn Kumar**
Msc., Phd.; Associate Professor
3. **Dr. Manish Kumar Kansal**
Msc., Phd.; Associate Professor
4. **Dr. Naorem Santakrus Singh**
Msc., Phd.; Associate Professor
5. **Dr. Lalit Kumar**
Msc., Phd.; Associate Professor
6. **Prof. Pragati Ashdhir**
Msc., Phd.; Professor
7. **Dr. Aparna Saxena**
Msc., Phd.; Assistant Professor
8. **Dr. Sanjay Kumar Chauhan**
Msc., Phd.; Associate Professor
9. **Dr. Vivek Kumar Verma**
Msc., Phd.; Associate Professor
10. **Dr. Adarsh Singh (Teacher-in-charge)**
Msc., Phd.; Associate Professor
11. **Dr. Amit Tanwar**
Msc., Phd.; Assistant Professor
12. **Dr. Neha Batra**
Msc., Phd.; Assistant Professor
13. **Dr. Manju Bala**
Msc., Phd.; Assistant Professor
14. **Dr. Reema Gupta**
Msc., Phd.; Assistant Professor
15. **Dr. Manoj Verma**
Msc., Phd.; Assistant Professor
16. **Dr. Geeta Ray**
Msc., Phd.; Assistant Professor
17. **Dr. Priyanka Phogat**
Msc., Phd.; Assistant Professor
18. **Dr. Ankur Shandilya**
Msc., Phd.; Assistant Professor
19. **Dr. Anita Dhaka**
Msc., Phd.; Assistant Professor
20. **Dr. Virendra Kumar**
Msc., Phd.; Assistant Professor
21. **Sh. Ginminlen Touthang**
Msc.; Assistant Professor

संस्कृत विभाग

हिंदू कॉलेज देश के सबसे प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में अन्यतम है। इसका संस्कृत विभाग अपनी अध्ययन-अध्यापन की श्रेष्ठ परंपरा को लेकर सुविख्यात है। विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत के विशेष अध्ययन के साथ-साथ अंतर-वैषयिक पाठ्यक्रमों में भी संस्कृत का अध्ययन होता है। संस्कृत विभाग में वेद, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, संगणकीय भाषाविज्ञान, आयुर्वेद, अभिलेख शास्त्र, आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत-पत्रकारिता आदि विषयों के मर्मज्ञ आचार्य हैं। विभाग में संस्कृत के मूल ग्रंथों का प्राचीन भाष्यों एवं टीकाओं के माध्यम से अध्यापन तथा ग्रंथों की आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया जाता है। संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत जगत् में ख्यातिप्राप्त विद्वानों एवं विदुषियों को शास्त्रीय विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया जाता है। साथ ही विभाग द्वारा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का भी आयोजन किया जाता है।

छात्रों के व्यक्तित्व को सर्वांगीण रूप से संवर्द्धित करने हेतु संस्कृत विभाग में 'ऋक्' नामक सक्रिय छात्र-परिषद् प्रतिष्ठित है। परिषद् के द्वारा शैक्षणिक वर्ष पर्यंत प्रश्न-मञ्च, गायन, सद्य-भाषण, स्वरचित काव्यपाठ, वाद-विवाद, निबंध-लेखन, चित्रकला-निर्माण, नाट्य-मञ्चन आदि अनेक प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विभाग द्वारा एक लघु पुस्तकालय भी संचालित है, जिसमें छात्रोपयोगी अनेक पुस्तकों का व्यवस्थित संकलन है। विभाग के मेधावी छात्रों को महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति भी प्राप्त होती है। संस्कृत विभाग के पूर्वछात्र देश की सर्वोच्च संस्थाओं में विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं।



संकाय

- | | |
|---|--|
| 1. डॉ. अनीताराजपाल (विभाग-प्रभारी)
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, सह-आचार्य | 5. श्री पूरणमल वर्मा
परास्नातक, दर्शन निष्णात, सहायक-आचार्य |
| 2. डॉ. राजेंद्र कुमार
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, सह-आचार्य | 6. डॉ. जी. सोमशंकर
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक-आचार्य |
| 3. डॉ. विजयगर्ग
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, सह-आचार्य | 7. डॉ. सुनील जोशी
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक आचार्य |
| 4. डॉ. जगमोहन
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक-आचार्य | |

DEPARTMENT OF SANSKRIT

Hindu College is one of the most prestigious colleges in the country. Its Sanskrit department is well known for its excellent teaching and learning tradition. Along with the special study of Sanskrit at the undergraduate and postgraduate level, the department also offers Sanskrit studies in interdisciplinary courses. In the Sanskrit department, there are well-versed teachers of Vedas, Grammar, Philosophy, Literature, Computational linguistics, Ayurveda, Indian Epigraphy, Modern Sanskrit Literature, and Sanskrit-journalism etc. In the department, special emphasis is laid on the teaching of the original texts of Sanskrit through ancient commentaries and the relevance of the texts in the modern perspective. The department specially invites eminent scholars in the world of Sanskrit for classical discussions, as well as national-international seminars and conferences, are also organized by the department.

An active student council named 'Rik' is established in the Sanskrit department to promote the all-round personality of students. During the academic year, many competitions and cultural programs are organized by the council such as Prashna-Manch, Shloka-recitation, Extempore, Poetry recitation, Debate (Vaad-vivad), Essay-writing, Painting, Drama performance etc. A small library is also run by the Department, in which there is a rich collection of many useful books for students. The meritorious students of the department also receive scholarships from the College, University of Delhi and other reputed institutions of the country. The alumni of the Department of Sanskrit are well placed in various prestigious positions in highest institutions of the country.

FACULTY

1. Dr. ANITA RAJPAL (Teacher-in-charge)
MA., MPhil., PhD., Associate Professor

5. Sh. PURAN MAL VERMA
MA., MPhil., Assistant Professor

2. Dr. RAJENDRA KUMAR
MA., MPhil., PhD., Associate Professor

6. Dr. G. SOMASHANKAR
MA., PhD., Assistant Professor

3. Dr. VIJAY GARG
MA., MPhil., PhD., Associate Professor

7. Dr. SUNIL JOSHI
MA., MPhil., PhD., Associate Professor

4. Dr. JAGMOHAN
MA., PhD., Assistant Professor

समाजशास्त्र विभाग

1969 में स्थापित समाजशास्त्र विभाग अकादमिक उपलब्धियों और रचनात्मक प्रतिभा की दृष्टि से उत्कृष्ट है। हमारे विद्यार्थी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में उत्तरोत्तर अच्छा प्रदर्शन करते हुए उच्च स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं। यूजीसीएफ-एनईपी के तहत बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र के लिए आठ सेमेस्टर में विभाग मुख्य पाठ्यक्रम (सीसी), विषय केंद्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम (डीएसई), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी), और कौशल विकास पाठ्यक्रम (एसईसी) प्रस्तावित करता है। मुख्य पाठ्यक्रम के प्रथम दो सेमेस्टर में विषय के मूल सिद्धांत पढ़ाए जाते हैं, और तीसरे-चौथे सेमेस्टर में छात्र धर्म, राजनीति, अर्थशास्त्र और परिवार – नातेदारी जैसे समाजशास्त्र के विस्तृत क्षेत्र और कौशल आधारित एवं वैकल्पिक विषयों का ज्ञान प्राप्त करते हैं। पांचवे और छठे सेमेस्टर में विभिन्न विषय केंद्रित पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को विशेष क्षेत्र का ज्ञान दिया जाता है, जिसमें उन्हें अनिवार्य पाठ्यक्रम, जो विषय की सैद्धांतिक और पद्धतिगत की मूल शिक्षा देते हैं, इसके साथ उन्हें अपनी प्राथमिकता वाले पाठ्यक्रम का चयन करने का विकल्प दिया जाता है। अंतिम सेमेस्टर में विद्यार्थियों के पास एक स्वतंत्र शोध-लेख लिखने का विकल्प होता है। पाठ्यक्रम मूल पाठ और विख्यात समाजशास्त्रियों के स्तरीय लेखन युक्त सुनियोजित तरीके से निर्मित पाठ्यचर्या के माध्यम से पढ़ाया जाता है। अध्यापन के लिए विभाग संवादात्मक तरीके से पढ़ाने पर जोर देता है, जहां विद्यार्थियों को अपने साथियों और अध्यापकों के साथ अर्थपूर्ण संवाद स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए कई सामान्य वैकल्पिक (जीई) पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित करता है।



विभाग में विभिन्न क्षेत्रों यथा – आर्थिक और राजनीतिक समाजशास्त्र, नातेदारी, धर्म, जेंडर, शिक्षा, चिकित्सा समाजशास्त्र, समाजशास्त्रीय सिद्धांतों तथा अनुसंधान आदि के विशेषज्ञ एवं प्रतिभाशाली अध्यापक हैं। अकादमिक वातावरण को उन्नत बनाने के लिए समय-समय पर विषय के विशेषज्ञों को चयनित विषयों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विभाग की निर्वाचित छात्र-प्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऊर्जावान समाजशास्त्र परिषद 'वरबैंड' अकादमिक वर्ष में अध्यापकों के सक्रिय सहयोग से सेमिनार, व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन करती है। हमारा वार्षिकोत्सव 'राइट्स' परिषद का सबसे बड़ा आयोजन होता है। इस अंतर्महाविद्यालयीय आयोजन में शैक्षिक और सह-शैक्षिक गतिविधियां होती हैं। विभाग एक वार्षिक पत्रिका 'वक्रिफ़' का भी प्रकाशन करता है, जिसके संपादक छात्र होते हैं। एक नई उपलब्धि के रूप में विभाग ने एक नृवंशविज्ञान फिल्म क्लब 'ऊत्र' की स्थापना की है, जो विषय से संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन और उन पर चर्चाओं का आयोजन करता है। हमारे छात्र कॉलेज के अन्य विभागों द्वारा आयोजित अकादमिक तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हैं और प्रायः उनमें महत्वपूर्ण योगदान भी देते हैं। गहन अकादमिक प्रशिक्षण और सक्रिय शैक्षिक गतिविधियों में भागीदारी के कारण हमारे विद्यार्थी समाजिक शोध, सार्वजनिक नीति, पत्रकारिता, मानव संसाधन, सरकारी नौकरी, एनजीओ समाज कार्य, कानून सहित अध्यापन और शोध जैसे क्षेत्रों में रोजगार की असीम संभावनाएं तलाशने में समर्थ होते हैं। विभाग से समाजशास्त्र में स्नातक व्यक्ति तेजी से बदल रही दुनिया में एक महत्वपूर्ण और प्रवृत्त नागरिक बनता है।

संकाय

- | | |
|---|---|
| 1. प्रो. अचला प्रीतम टंडन
एमए, एमफिल, पीएचडी; प्रोफेसर | 4. डॉ. ट्विंकल पाल (विभाग-प्रभारी)
एमएससी, एमए, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 2. प्रो. शालीनी सूर्यनारायण
एमए, एमफिल, पीएचडी; प्रोफेसर | 5. सोनिया कुमारी
एमए, एमफिल; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 3. डॉ. गीतिका डे
एमए, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 6. डॉ. मेहा ठाकौर
एमटेक, एमए, एमफिल; असिस्टेंट प्रोफेसर |

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

Established in 1969, the department of Sociology has a robust record of academic achievements and creative excellence. Our students consistently perform well in university examinations often securing top positions.

Under the UGCF-NEP, the department offers Core Courses (CC), Discipline Specific Electives (DSE), Value Addition Courses (VAC) and Skill Enhancement Courses (SEC) over eight semesters for a degree in BA (H) Sociology. The CC impart fundamentals of the discipline in the first two semesters; in the third and the fourth semesters, students are imparted knowledge of several substantive areas of Sociology, such as religion, politics, economy, and family and kinship as well as applied skill based elective courses. The fifth and sixth semesters impart knowledge of specialized areas of research through variety of DSE, with students given an option to choose a preferred DSE, along with compulsory courses which give grounding in theoretical and methodological orientations of the discipline. In the final semester, students have an option of writing an independent research essay. The courses are taught through well designed curricula comprising original texts and standard works by eminent sociologists. Pedagogically, the department places emphasis on interactive learning where students are encouraged to engage in meaningful dialogue with both peers and faculty. The department further offers a range of Generic Elective (GE) to students from other departments.

The department has an accomplished faculty with considerable expertise in a wide range of subjects including economic and political sociology, kinship, religion, gender, education, medicine and health and sociological theories and research. Specialists in the discipline are invited periodically to deliver lectures on a chosen theme to further invigorate the academic environment.

The department has an energetic sociological society called 'Verband' with elected student office bearers. In active collaboration with the faculty, the society organizes academic seminars, lectures, and workshops during an academic year. Our annual department festival RITES is the highlight of the society's calendar; it is an inter-college event having both an academic and extracurricular component. The department brings out an annual magazine, WAQIF, of which the students constitute the editorial team. The department also boasts of having an Ethnographic Film Club, OEUVRE, which holds screenings and discussions of ethnographic films around the world. Our students participate actively in various co-curricular societies of the college often assuming crucial leadership roles in them.

Through rigorous academic training and active extra-curricular engagements, our students are equipped to explore a range of career choices such as in social research, public policy, journalism and media, human resources, government service, the development sector, social work, law, and the core areas of teaching and disciplinary research. A sociology graduate from the department emerges as a critical and engaged citizen in a rapidly transforming world.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Prof. ACHLA PRITAM TANDON
MA., MPhil., PhD.; Professor | 4. Dr. TWINKLE PAL (Teacher-in-charge)
MSc., M.A., PhD.; Assistant Professor |
| 2. Prof. SHALINI SURYANARAYAN
MA., MPhil., PhD.; Professor | 5. Ms. SONIA KUMARI
MA., MPhil., Assistant Professor |
| 3. Dr. GITIKA DE
MA., MPhil., PhD.; Associate Professor | 6. Dr. MEHA THAKORE
MA., MPhil., PhD.; Assistant Professor |

सांख्यिकी विभाग

हिंदू कॉलेज का सांख्यिकी विभाग, 1975 में अपनी स्थापना के बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर सांख्यिकी विषय पढ़ाने वाले सबसे लोकप्रिय और प्रारंभिक विभागों में से एक है।

निजी और सरकारी क्षेत्रों में सांख्यिकी की बढ़ती भूमिका और बेहतरीन वेतन के साथ नौकरी की वजह से आज, यह पाठ्यक्रम छात्रों में काफी प्रसिद्ध है और बाजार में मांग वाला विषय बना हुआ है। आज संरचित या असंरचित, सामाजिक नेटवर्किंग से क्लाउड कंप्यूटिंग, गेमिंग, कोई भी क्षेत्र, सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण से अछूता नहीं है।



इस पाठ्यक्रम में छात्रों को विपणन, वित्त और रणनीति निर्माण में सांख्यिकी की प्रासंगिकता को देखते हुए विधियों और विश्लेषण हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। इसके साथ ही छात्रों को कंप्यूटर पर विशेष पैकेज स्टैटिस्टिकल पैकेज फ़ॉर सोशल साइंसेज (एस पी एस एस), R-सॉफ्टवेयर, भाषा-सी, एम-एस-एक्सेल इत्यादि में भी प्रशिक्षित किया जाता है। सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का जोर, सांख्यिकीय अवधारणाओं का वास्तविक दुनिया के साथ जोड़ने पर रहता है। अर्जित सांख्यिकीय विधाओं के वास्तविक जीवन से जुड़े कई प्रयोगात्मक पहलू हैं, जैसे बीमा प्रीमियम, गूगल सर्च, आईपॉड्स या म्यूजिक प्लेयर्स के शफल फीचर्स, क्रिकेट की डकवर्थ-लुइस पद्धति इत्यादि।

विभाग की एक सक्रिय और जीवंत संस्था "KURTOSIS" है, जो अपना वार्षिक समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक करती है। इस वार्षिक समारोह में शैक्षिक व्याख्यान की श्रृंखला, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद आदि गतिविधियां शामिल होती हैं। छात्र प्रत्येक वर्ष एक विभागीय यात्रा पर भी जाते हैं।

विभाग में सांख्यिकी सिद्धान्त के अलावा स्टॉकास्टिंग मॉडलिंग, जैव-सांख्यिकी, सर्वे सैंपलिंग, डिज़ाइन-एक्सपेरिमेंट, भविष्यवाणी सिद्धान्त, क्वालिटी कंट्रोल, आदि विषयों के साथ प्रतिबद्ध विशेषज्ञ शिक्षक हैं जो नियमित रूप से शिक्षण के अतिरिक्त, संकाय के अनुसंधान परियोजनाओं, श्रेष्ठ शोध पत्र और पुस्तकों के प्रकाशन में संलग्न रहते हैं, जिनके मार्गदर्शन में समृद्धशाली रोजगार के अवसर और अपार उन्नति के लिए विभाग सदैव प्रतिबद्ध रहता है हमारे विद्यार्थी सिविल सेवा, भारतीय सांख्यिकी सेवा प्रबंधन स्कूल, बीमांकिक विज्ञान, डेटा-एनालिटिक्स, वित्त, रक्षा मंत्रालय जैसे क्षेत्रों में यश प्राप्त कर रहे हैं।

संकाय

- | | |
|---|--|
| 1. डॉ. देबाश्री गोस्वामी
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 5. डॉ. मनोज कुमार वाष्णेय
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर |
| 2. प्रो. कमल नैन
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; प्रोफेसर | 6. डॉ. संदीप कुमार
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 3. डॉ. नरेंद्र कुमार (विभाग-प्रभारी)
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 7. डॉ. नेहा मिधा
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर |
| 4. डॉ. प्रियंका अग्रवाल
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर | 8. डॉ. हेमंत कुमार मोलापाता
एमएससी, एमफिल, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर |

DEPARTMENT OF STATISTICS

Since its inception in 1975, the undergraduate degree in Statistics from Hindu College continues to be a sought-after course that attracts thousands of aspirants each year. The importance and relevance of Statistics in a digital economy is ubiquitous. The degree B.Sc.(H) in Statistics equips students with a critical mindset, ability to solve complex problems and develop an appreciation for the innumerable applications that Statistical Sciences enjoy today.

The Department has faculty of committed teachers who specialize in various academic fields such as Inference, Stochastic Modelling, Prediction Theory, Order Statistics, Bayesian Theory, Biostatistics, etc. Besides regular teaching, the faculty members are also involved in research projects and publishing books.

A world of career opportunities opens up for students' post-graduation across public and private sectors. This degree also builds a strong foundation for those who want to pursue higher education in related fields. The Department has a vibrant society which organizes the annual festival '[Kurtosis](#)'. The festival includes a series of academic lectures, quizzes, debates, paper presentations, etc.

FACULTY

- | | |
|---|---|
| 1. Dr. DEBASREE GOSWAMI
Msc., MPhil., PhD.; Associate Professor | 5. Dr. MANOJ KUMAR VARSHNEY
Msc., MPhil., PhD.; Associate Professor |
| 2. Prof. KAMAL NAIN
Msc., MPhil., PhD.; Professor | 6. Dr. SANDEEP KUMAR
Msc., MPhil., PhD.; Assistant Professor |
| 3. Dr. NARENDRA KUMAR (Teacher-in-charge)
Msc., MPhil., PhD.; Associate Professor | 7. Dr. NEHA MIDHA
Msc., MPhil., PhD.; Assistant Professor |
| 4. Dr. PRIYANKA AGGARWAL
Msc., MPhil., PhD.; Associate Professor | 8. Dr. HEMANTH KUMAR MOLAPATA
Msc., MPhil., PhD.; Assistant Professor |

प्राणी विज्ञान विभाग

प्राणी विज्ञान विभाग के कुशल संकाय युवा छात्रों की प्रतिभा का पोषण करते हैं, जिससे वे अपने कौशल को सुधारने और प्रतिस्पर्धी दुनिया में एक जगह बनाने में सक्षम होते हैं। पूर्व छात्रों के सर्वांगीण विकास ने उन्हें अनुसंधान, शिक्षा, वन सेवा, सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों, प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने में सक्षम बनाया है। सेल बायोलॉजी, एंटोमोलॉजी, फिश बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, एनिमल बिहेवियर, एंडोक्रिनोलॉजी आदि विविध अनुसंधान विषयों में विभाग के संकाय का प्रशिक्षण और विशेषज्ञता, छात्रों की सफलता की नींव रखने में बहुत मदद करती है। पाठ्यक्रम-आधारित अध्ययनों को व्यावहारिक अनुसंधान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और व्याख्यानो द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है। स्नातक छात्रों को विभिन्न अल्पकालिक परियोजनाओं के संचालन में संकाय सदस्यों द्वारा सलाह दी जाती है जो उनके अवलोकन, विश्लेषणात्मक, लेखन और प्रस्तुति कौशल को बढ़ाते हैं। प्रैक्टिकल लर्निंग को बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं के नियमित दौर, फील्ड ट्रिप आयोजित किए जाते हैं। संकाय आईआईएससी और जेएनसीएसआर, बेंगलूर, टीआईएफआर, मुंबई; एनबीआरसी गुडगांव; एनआईआई, दिल्ली, जैसे कुछ प्रसिद्ध शोध संस्थानों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए छात्रों के प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है। कठोर प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप, छात्र लगातार अकादमिक प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं और विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं को पास करके परास्नातक और पीएचडी के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करते हैं।



पशु विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक अध्ययन के लिए प्रसिद्ध जूलॉजी विभाग ने इस वर्ष (2023) अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती मनाई। जूलॉजी विभाग ने 'विकास' की अवधारणा का जश्न मनाकर उत्कृष्टता के अपने 50वें वर्ष को चिह्नित किया। हमने 'इवोल्यूशनिस' नाम से एक राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया, और जेएनसीएसआर के प्रो. अमिताभ जोशी जैसे प्रख्यात शिक्षाविद ने बातचीत की; प्रो. मल्लिकार्जुन शकरद, जूलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सुतीर्थ डे, आईआईएसईआर पुणे और प्रो. एन.जी. प्रसाद, आईआईएसईआर मोहाली। इसमें कलाकार के कैनवास पर रंगों के माध्यम से लाखों महत्वपूर्ण वर्षों को देखने के प्रयास के रूप में एक कला प्रदर्शनी भी शामिल थी। 'इवोल्यूशनिस' का एक अन्य पहलू विकास पर विभिन्न विषयों और विषयों पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों द्वारा पेपर और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से मनाया गया। न केवल जैविक परिप्रेक्ष्य और विभिन्न विषयों (विज्ञान और मानविकी) के स्नातक छात्रों ने भाग लिया, बल्कि मानव विकास की बहु-विषयक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए पूरे कार्यक्रम की परिकल्पना की गई थी। एक जीवविज्ञानी के निवास पर कोई भी कार्यक्रम इस एक सुरुचिपूर्ण विषय का उल्लेख किए बिना शुरू नहीं हो सकता है, और जूलॉजी विभाग ने 'EVOLUTIONIS' विषय पर अपनी पहली पत्रिका "ZOOLOGICA" लॉन्च की। विभागीय सामाजिक समूह 'जेनेसिस' द्वारा पूरे वर्ष नियोजित और संचालित विभिन्न पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न करके छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है। 'जेनेसिस' छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करता है और उनके सामाजिक कौशल को विकसित करने में मदद करता है। छात्र, 'जेनेसिस' की गतिविधियों की योजना और निष्पादन के लिए जिम्मेदार होते हैं, और यह उनमें जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है और निष्क्रिय नेतृत्व गुणों को सामने लाता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को न केवल अपने अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करना है, बल्कि ऐसे व्यक्ति भी बनना है जो दुनिया के सामने आने वाली विभिन्न वैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों को हल करने में सबसे आगे होंगे।

विभाग के पास पाठ्यक्रम और अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित प्रयोग करने के लिए अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचा है। तीन अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा; एक बहुत अच्छी तरह से भंडारित और संगठित संग्रहालय विभाग की पहचान है। विभाग छात्रों के उपयोग के लिए, इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर, 1400 से अधिक पुस्तकों के नवीनतम संस्करणों के संग्रह के साथ एक डिजिटल पुस्तकालय, वैज्ञानिक पत्रिकाओं से अनुसंधान/समीक्षा पत्रों का एक समृद्ध संग्रह, लगभग 300 प्रकृति/विज्ञान वृत्तचित्र, फिल्में और एक समर्पित एलसीडी प्रोजेक्शन सुविधा प्रदान करता है।

संकाय

1. डॉ. सोमा एम. घोरई (विभाग-प्रभारी)

एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर

2. डॉ. अनुपम वाष्णीय शर्मा

एमएससी, पीजीडीएसएम, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर

3. डॉ. नीतू

एमएससी, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर

4. डॉ. वरुणेन्द्र सिंह रावत

एमएससी, एमफिल, पीएचडी; एसोसिएट प्रोफेसर

5. डॉ. दिव्या बजाज

एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

6. श्री. किरण कुमार सलाम

एमएससी, एमफिल, असिस्टेंट प्रोफेसर

7. डॉ. मोहित कुमार

एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

8. डॉ. अमान बुनियादी

एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

9. डॉ. रवि कुमार गोस्वामी

एमएससी, पीएचडी; असिस्टेंट प्रोफेसर

DEPARTMENT OF ZOOLOGY

The accomplished Faculty of the Department of Zoology nurtures the young students so that they are able to hone their skills, and empower them to carve out a niche of their own in the competitive world. The all-round development of the alumni has enabled them to make a mark in fields as diverse as Research, Academics, Forest service, Civil services, Armed Forces, Management, etc. The training and expertise of the Department's Faculty in diverse research disciplines namely, Cell Biology, Entomology, Fish Biology, Molecular Biology, Immunology, Microbiology, Animal Behaviour, Endocrinology, Chronobiology etc. greatly helps in laying the foundation for success of students by supplanting curriculum-based studies with hands-on research, workshops, symposiums, seminars and lectures. The undergraduate students are mentored by the faculty members in conducting various short-term projects that hone their observational, analytical, writing and presentation skills. Regular visits to reputed research labs, field trips are organized for enhancing the practical learning. The faculty facilitates the entry of students for summer training in some of the renowned research institutes like IISc and JNCASR, Bangalore; TIFR, Mumbai; NBRC Gurgaon; NII, Delhi, etc. As a result of the rigorous training, the students consistently excel in academic performance and gain entry to prestigious institutions for Masters and PhD by clearing various entrance examinations.

The Department of Zoology, renowned for undergraduate studies in the field of Animal Sciences, celebrated the Golden Jubilee of its establishment, this year (2023). The Department of Zoology marked its 50th year of excellence by celebrating the concept of 'Evolution'. We organized a national meet named 'Evolutionis', on March 16-17, 2023 and had talks by eminent educationist like Prof. Amitabh Joshi from JNCASR; Prof. Mallikarjun Shakarad, Department of Zoology, University of Delhi, Dr. Sutirth Dey from IISER Pune and Prof. N.G. Prasad, IISER Mohali. It also included an art exhibition as an effort to perceive the millions of significant years through the colors on an artist's canvas. Another aspect of 'Evolutionis' was celebrated through paper and poster presentations by students from across different educational institutions on various themes and topics on evolution. The entire event was conceptualized keeping the multidisciplinary nature of Human evolution and not just only the biological perspective and undergraduate students from various disciplines (Sciences and humanities) participated. No event at a biologist's abode can start without mentioning this one elegant subject, and Department of zoology launched its first magazine "ZOOLOGIQA" on the theme 'EVOLUTIONIS'.

The holistic development of students is ensured by engaging them in various curricular and extra-curricular activities planned and conducted throughout the year by GENESIS, the Departmental society. GENESIS offers the students a chance for self-expression and self-assertion and helps to develop their social skills. The students are responsible for planning and execution of the activities of the society and this inculcates in them a sense of responsibility and brings to the fore dormant leadership qualities. The Department aims to train students not only for achieving excellence in their field of study but also to become individuals who will be frontrunners in solving the various scientific and societal challenges faced by the World.

FACULTY

- | | |
|--|--|
| 1. Dr. SOMA M. GHORAI
(Teacher-in-charge)
MSc., MPhil., PhD.; Associate Professor | 5. Mr. KIRAN KUMAR SALAM
MSc., MPhil.; Assistant Professor |
| 2. Dr. ANUPAM VARSHNEY SHARMA
MSc., PGDSM, PhD.; Associate Professor | 6. DR DIVYA BAJAJ
MSc., PhD.; Assistant Professor |
| 3. Dr. NEETU
MSc., PhD.; Associate Professor | 7. DR MOHIT KUMAR
MSc., PhD.; Assistant Professor |
| 4. DR VARUNENDRA SINGH RAWAT
Msc., MPhil., PhD.; Associate Professor | 8. DR AMAAN BUNIYAADI
MSc., PhD., Assistant Professor |
| | 9. DR RAVI KUMAR GOSWAMI
Msc., PhD., Assistant Professor |

बीए कार्यक्रम विभाग

1980 में स्थापित बीए कार्यक्रम विभाग (बीएपी) के पास शैक्षणिक उपलब्धियों और रचनात्मक उत्कृष्टता का एक मजबूत रिकॉर्ड है। हमारे छात्र शिक्षा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं और समाज की भलाई के लिए प्रयास करते हैं। बीए कार्यक्रम विभाग कॉलेज के सबसे बड़े और सबसे विविध विभागों में से एक है। विभाग सामाजिक विज्ञान, मानविकी और भाषाओं से विषयों के निम्नलिखित चार संयोजन प्रदान करता है: इतिहास व राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी व अर्थशास्त्र, हिंदी व और दर्शनशास्त्र और संस्कृत व राजनीति विज्ञान।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तत्वावधान में यूजीसीएफ 2022 के हालिया दिशानिर्देशों के आधार पर, विभाग ने अपने पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को अनुशासनात्मक, अंतःविषय के साथ-साथ व्यावहारिक प्रवचन (कौशल आधारित और मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम) में समकालीन और विविध प्रश्नपत्र संचय के साथ अद्यतन किया है। प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 3 अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रमों के संयोजन का अध्ययन करने के अलावा, छात्रों को कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, आधुनिक भारतीय भाषाओं, सामान्य ऐच्छिक के साथ-साथ अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए उनके पाठ्यक्रम के पूरे कार्यकाल के दौरान अपनी पसंद का चयन करने के लिए विभिन्न प्रकार के बहु-विषयक विकल्प प्रदान किए जाते हैं।

विभाग की गतिविधियों के सुचारू संचालन में सहायता के लिए प्रभारी शिक्षक के मार्गदर्शन में एक निर्वाचित छात्र परिषद का गठन किया जाता है। परिषद स्नातक के तीसरे वर्ष और दूसरे वर्ष के छात्रों से बनी है जो बीए कार्यक्रम (बीएपी) के छात्रों द्वारा ही विभिन्न पदों पर चुने जाते हैं। विभाग विविध विषयों पर संगोष्ठियाँ और कार्यक्रम आयोजित करने में बहुत सक्रिय रहा है। कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और चर्चाओं में नियमित आधार पर संकाय और छात्रों की भागीदारी विभाग को गतिशील और जीवंत बनाती है। इस विभाग के छात्र कॉलेज की लगभग सभी सोसायटियों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और लगभग सभी सोसायटियों में प्रमुख पदों पर हैं। बीए कार्यक्रम विभाग (बीएपी) द्वारा विभिन्न वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन और मेजबानी की जाती है। जैसे:- *विरासत*: द फ्रेशर्स पार्टी, छात्रों के नए बैच का स्वागत करने और उन्हें कॉलेज में आत्मसात करने में मदद करने के लिए आयोजित की जाती है; *जेनिथ*: बीए कार्यक्रम (बीएपी) का वार्षिक उत्सव, जोश और उत्साह से भरा होता है क्योंकि यह असंख्य प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनों और अभिनेताओं से लेकर पत्रकारों आदि प्रमुख हस्तियों के विभिन्न वार्ता सत्रों का आयोजन करता है; *अफ़साना*: विदाई समारोह, स्नातक बैच को सम्मानित करने और उन्हें जीवन की नई यात्रा पर अलविदा कहने के लिए आयोजित की जाती है।

संकाय

डॉ. तालीम अख्तर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर (विभाग-प्रभारी)

DEPARTMENT BA PROGRAMME

The Department of BA Programme (BAP) established in 1980, has a robust record of academic achievements and creative excellence. Our students consistently perform well in academics and strive for the betterment of society. The Department of BA programme is one of the biggest and most diverse departments in the college. The department offers the following four combinations of disciplines from social sciences, humanities and languages: History & Political Science, English & Economics, Hindi & Philosophy and Sanskrit & Political Science.

Based on the recent guidelines of the UGCF 2022, under the aegis of National Education Policy, 2020, the department has updated its curriculum and pedagogy with a contemporary and diverse pool of papers across disciplinary, interdisciplinary as well as practical discourses (skill based and value-added courses). Apart from studying a combination of at least 3 discipline specific courses every semester, a variety of multidisciplinary options are provided to students to select their choices for Skill Enhancement Course, Value Added Course, Modern Indian Languages, Generic Electives as well as Discipline Specific Elective Courses throughout the tenure of their coursework.

An elected student council is formed under the guidance of the Teacher-In-Charge to help with the smooth conduct of activities of the department. The Council is composed of the third year and second year students who are elected on various posts by the students of BAP itself. The department has been very active in organising seminars and events on diverse themes. The participation of the faculty and the students on a regular basis in events, competitions and discussions makes the department dynamic and vibrant. The students of this department are actively working in almost all the societies of the college and hold prominent positions in almost all societies. Various annual events are organised and hosted by BAP, namely, Viraasat: The Fresher's Party, is organised to welcome the new batch of students and to help them assimilate in the college; Zenith: The Annual festival of BAP, is filled with zeal and enthusiasm as it organizes innumerable competitions and performances and various talk sessions of prominent personalities ranging from actors to journalists; Afsaana : Farewell Party, is organised to felicitate the graduating batch and to bid them goodbye on their new journey of life.

FACULTY

Dr. Talim Akhtar, M.A, M.Phil, Ph.D.,
Assistant Professor (Teacher-In- Charge)

पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग कॉलेज का सबसे नवीनतम विभाग है। इस विभाग में पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न अनुशासनों के दीर्घकालिक दृष्टिकोणों के साथ अध्ययन किया जाता है। जैसे कि पृथ्वी प्रक्रियाओं, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं, तंत्र, प्रभाव और शमन, पर्यावरण प्रदूषण पारिस्थितिक प्रक्रियाओं आदि। इसकी महत्वपूर्ण भूमिका जैव विविधता और संरक्षण, पर्यावरण नीतियों, कानून एवं शासन द्वारा किए गए प्रयासों और पर्यावरणीय संपोषणीयता में भी है। यह अन्तः विषयक कार्यक्रमों को प्रस्तावित करता है जो बहु विषयक प्रकृति के पर्यावरण और पृथ्वी के निर्माण, सुरक्षा और समृद्धि में योगदान करता है। विभाग अपने छात्रों को पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक कैरियर को आगे बढ़ाने की सुविधा प्रदान करके छात्र-शिक्षक संबंध मंत्र को महत्व देकर एक मजबूत शैक्षणिक अभिविन्यास बनाए रखता है। इसमें बुनियादी पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ संकाय की भागीदारी शामिल है। पर्यावरण विज्ञान में क्षमता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) शिक्षण की आवश्यकता को पूरा करता है।

वायुमंडलीय विज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुदान पर शोध करने के लिए कॉलेज के भीतर और कॉलेज के बाहर कई छात्र को इंटरशिप की भी पेशकश की गई है। छात्र स्थानीय और राष्ट्रीय एंजेसियों द्वारा वित्त पोषित नवीन अनुसंधान परियोजनाओं में भी शामिल हैं। विभाग पर्यावरण के मुख्य क्षेत्रों में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ मूल्य वर्धित और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है जो निकट भविष्य में उनके पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करने में सहायक होगा। इस विभाग में अनुभवी और अपने विषय क्षेत्र के विशेषज्ञ संकाय सदस्य हैं।



संकाय

डॉ. पल्लवी सक्सेना

डॉ. प्राची सिंह

एम.एस.सी., एम. फिल., पी-एच.डी

एम.एस.सी., पी-एच.डी

असिस्टेंट प्रोफेसर

असिस्टेंट प्रोफेसर



DEPARTMENT of ENVIRONMENTAL SCIENCE

The Department of Environmental Science is the youngest department of the college and known for a long-term vision of different disciplines of Environmental Science like earth processes, atmospheric processes, mechanisms, impacts and mitigation, environmental pollution, ecological processes, and their role in environmental systems, biodiversity and conservation, environmental policies, laws and governance and environmental sustainability. It offers an interdisciplinary program that reflects the multi-disciplinary nature of the environment and its contribution in making the earth, safe and healthy. The department maintains a strong academic orientation by valuing the student-teacher relationship mantra by facilitating students to pursue their long-term career in different areas of Environmental Science. It involves the faculty engagement with basic environmental challenges and caters the need of teaching of Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) in Environmental Science. A number of student internships within college and outside college has also been offered to conduct research at national and international collaborations in different fields of atmospheric sciences and environmental sustainability. Students are also involved in Innovative Research projects funded by local and national agencies and actively involved in conducting conferences, seminars, workshops in various areas of Environment. The department will also planning to launch some value added and certificate courses in different fields of Environmental Science to enhance the knowledge of students in core areas of environment and can be helpful to them to perform their professional skills in their near future. The Department has an experienced and dynamic faculty having relevant expertise in her domain.

FACULTY

Dr. PALLAVI SAXENA (Teacher-In-Charge)
M.Sc, M.Phil and Ph.D; Assistant Professor

DR. PRACHI SINGH
M.Sc, Ph.D; Assistant Professor

खेल विभाग

हिन्दू कॉलेज का खेल जगत में गौरवशाली इतिहास रहा है। इस कॉलेज में खेल से सम्बन्धी बहुत सारी सुविधाएँ मौजूद हैं यथा-उत्कृष्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिमखाना बालीवाल, बास्केटबाल कोर्ट, फुटबाल के लिए खेल का मैदान और क्रिकेट पिच। कॉलेज खेल प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले अपने खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। हमारी टीम विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रही है विशेषकर बास्केटबाल, फुटबाल और क्रिकेट के क्षेत्र में। हमारे विद्यार्थी सिर्फ विश्वविद्यालय स्तर पर ही नहीं अपितु राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में भी महत्वपूर्ण प्रदर्शन करते हैं। यह विभाग विद्यार्थियों को विशेष रूप से एक पत्र जेनेरिक इलेक्टिव विषय के रूप में भी पढ़ाता है। हिन्दू कॉलेज इन सभी विद्यार्थियों की खेल सम्बन्धी अभिरुचि को विशेष रूप से विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए अभिप्रेरित करता है। हमारे खेल शिक्षकों के माध्यम से स्पोर्ट्स विभाग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के विकास के लिए अच्छा और स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

बास्केटबाल हिन्दू कॉलेज का एक महत्वपूर्ण खेल है। इसके पास मानक बास्केटबाल कोर्ट (2.5 मी. X 15 मी.) भी उपलब्ध है। हमारे आठ विद्यार्थियों की टीम ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रस्तुति की है। हमारे कॉलेज के विवेक चौहान ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है और कॉलेज के लिए भी अनेक जगहों पर खेला है। उन्होंने 3 X 3 प्रोफेशनल बास्केटबाल लीग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। साथ ही वे 68वां जूनियर नेशनल बास्केटबाल चैम्पियनशिप में भी ब्रांज मेडलिस्ट है। उनका चयन एनबीए गेम्स लीग विन्टर सोकेस के लिए हुआ और उन्होंने एन बी ए एशिया पैसिफिक टीम, चीन और एन बी ए एकेडमी ग्लोबल गेम्स, आस्ट्रेलिया के लिए खेला तथा उसमें सहभागिता की। आर्यन ने सीनियर इंडिया मेन्स बास्केटबाल फीबा, एशिया कप 22, जकार्ता, इंडोनेशिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया साथ ही उन्होंने सीनियर नेशनल बास्केटबाल चैम्पियनशिप चेनई 2022 में भी प्रतिनिधित्व किया।

फुटबाल में हिन्दू कॉलेज टीम ने अन्तर्महाविद्यालयी टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हिन्दू कॉलेज टीम ने विश्वविद्यालय स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर संतोष ट्रॉफी खेले। साथ ही 'इंडिया खेलो' सहित अनेक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सहभागिता की है। हिन्दू कॉलेज के पास सुव्यवस्थित बालीवाल कोर्ट है तथा आवश्यक उपकरण भी मौजूद हैं। हिन्दू कॉलेज अपने खिलाड़ियों को हमेशा आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए तत्पर रहता है। हमारी क्रिकेट टीम डोमेस्टिक लेवल (रणजी ट्रॉफी, यू 23, यू 19), सीनियर लेवल और दिल्ली विश्वविद्यालय लेवल पर भी खेलती रही है। हिन्दू कॉलेज का स्पोर्ट्स बहुत संभावनाओं से भरपूर विभाग है। यह पूरे कॉलेज की खेल जगत में महत्वपूर्ण पहचान बनाने का काम करता है।

संकाय

श्री जय इंद्रपाल सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर)
डॉ. चन्द्रशेखर दत्ता (असिस्टेंट प्रोफेसर)



SPORTS

Hindu college had an illustrious past in sports excellence. The college is equipped with all the facilities for sports having a large ground, excellent sports complex that houses state-of-art gymnasium, volleyball and basketball court, football ground and cricket pitch. The college provides all the facilities to the players and we participate in almost all the sports competitions. At University level, our teams of basketball, football and cricket have given exemplary performances. Our students not only perform outstanding at the university level, but have made their mark in national and international tournaments too. The sports facilities are provided to every student regardless of their stream and that is evident by the popularity of them choosing physical education as one of the Generic elective subjects. Hindu inspires and motivates all students to increase their expertise and performances in sports. A healthy environment is provided for an overall physical and mental well being of our sports persons.



VIVEK CHAUHAN



ARYAN

Basketball is one of the USP of Hindu college with a standard size basketball court (28m x 15m). Our team of eight students have represented in both National and International levels and showed extraordinary performances. Vivek Chauhan has gathered many accolades for our college and represented University of Delhi. He is a gold medallist in 3x3 professional basketball league, and a bronze medallist in 68th Junior National basketball championship. He is selected for NBA Games league winter showcase and participated in the NBA Asia Pacific team, China and NBA academy Global Games, Australia. Aryan, represented Senior India Men's basketball in FIBA Asia cup 2022, Jakarta, Indonesia and also represented Senior National Basketball Championship in Chennai, 2022.

In football, Hindu college team secured first position in intercollege tournament. They participated in National and University levels and also represented in Santosh trophy, Khelo India Khelo and many more. Hindu college has a well-maintained volleyball court with regular supply of ball and equipment's. Our players from cricket team play at domestic level (Ranji trophy, U23; U19), Senior national and Delhi University level.

FACULTY

1. **Shri Jai Inderpal Singh**, Associate Professor
2. **Dr. Chandershekhar Dutta**, Assistant Professor

ADMISSIONS

COMMON SEAT ALLOCATION SYSTEM (CSAS-2023)

Ord. I. Qualifications for Admission

1. Subject as hereinafter provided no person shall be eligible for admission to the University unless he has passed the Intermediate Examination of an Indian University, or the Higher Secondary Examination of the Board of Higher Secondary Education, Delhi or an examination recognised as equivalent to either of these examinations by the Academic Council, from time to time, and possesses such further qualifications as may be prescribed by the Ordinances:

2. There will be no minimum age bar for admission to under-graduate courses and post-graduate courses in the University and its Colleges except in professional courses where regulatory body prescribed minimum age requirement (such as MCI, AICTE etc.).

2-A. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, its Clause 2 hereof will read as under in respect of admission to the 1st year of any Degree Courses of the University with effect from the academic year 1979-80 and in respect of undermentioned Post-graduate courses with effect from the academic year 1982-83:

No person shall be qualified for admission to the University unless before the first day of October in the year in which he seeks admission, he is 17 years of age or if he seeks admission to the 1st year of the Post- Graduate Degree/Diploma Courses LL.B., B.Lib. Sc., or B.Ed. Course he is 20 years of age. Provided that the Vice-Chancellor may, on the basis of individual merits, relax the age limit up to a maximum period of one year.

Provided further that if a person otherwise eligible to get admission in the University is not governed by 10+2+3 scheme, he shall continue to be governed by the provisions of Clause 2 above.

3. No person not already being a member of the University shall be admitted to any post-graduate course unless he has passed an examination recognised as equivalent to a degree examination of the University.

4. The candidates seeking admission to a course of study in the University must satisfy the rules and conditions made in this behalf.

5. Notwithstanding anything contained in any other Ordinance, no person who has been convicted of an offence involving moral turpitude shall be admitted to a course of study or permitted to take any examination of the University until a period of two years has elapsed from the date of expiry of the sentence imposed on him. However, the Academic Council may, in a special case, exempt any person from the operation of this Rule.

ORDINANCE II

Ord. II. Admission

(I) All students seeking admission to colleges against the seats reserved for Children/widows/wives of officers and personnel of Armed Forces including paramilitary personnel as notified from time to time and foreign students, shall be registered centrally by the University and subject to the overall availability of seats such of them as are found eligible for admission will be assigned to various Colleges, who shall admit them accordingly. Colleges shall directly admit students applying under the categories – General, Scheduled Caste, Schedule Tribe, Other Backward Classes (OBC) and the Persons with Disability quotas, as well as students applying under Sports and Curricular Activities (CA) category.

Guidelines

(1) The candidates will be registered by the University in the first instance and thereafter they will be free to seek admission to any college.

(2) The Colleges will prepare their merit list separately and admit them according to the course wise quota fixed by the University.

(3) It is a statutory obligation on the part of colleges to fill all seats reserved for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes/ OBC.

(4) The Colleges will not refuse admission to any SC/ST/OBC student on the basis of medium of instruction. Any deficiency in the knowledge of any particular language should be removed through remedial classes for which U.G.C. grants are available.

(5) All seats reserved for SC/ST/OBC which remain unfilled will be notified again by the concerned colleges and filled according to merit in subsequent admission lists.

(6) The University will monitor the admissions, with the help of a committee of 5 to 6 members with Dean, Students' Welfare (Main Campus) as Convenor, and will look into problems, if any, arising therefrom. This Committee might also obtain information about admissions made every day in the evening.


(7) By obtaining the above information, the University will know how many seats have been filled up by the Colleges against the reserved seats and how many seats are still vacant.

(8) In case the candidates registered with the University could not get admission in any College, the University will allot them Course and College where the seats will be available.

The Academic Council may specify either generally or each year the courses for which the students will be registered centrally by the University and the manner of their admission including whether they will be assigned to various Colleges or those found eligible will be free to seek admission to any College.

(I) Subject to the aforesaid, the Principal of a College will admit students to the various courses available in that College. The College shall ensure that each student fulfils the eligibility requirements, as prescribed by the Academic Council, for admission to the concerned course.

li) Applications for admission/registration shall be made on a prescribed form. Applications by students seeking admission to Master's courses in the Faculties of Arts, Mathematical Sciences, Social Sciences, Music and Science shall be sent to the Deans of Faculties concerned direct. Applications for admission to courses other than those mentioned above shall be made to the Principal of the College concerned:



Provided that for purpose of provisional admission to the Post-graduate Courses, there shall be Standing Committees, one each for the Faculty of Arts, Social Sciences, Mathematical Sciences and Music, to be appointed by the Vice Chancellor, which would decide the criteria and, on the merits of each case the admissions on provisional basis.

"For the purpose of this Clause 'Principal of a College' shall, where the case so requires include the Dean of the Faculty of Law Director, Campus of Open Learning and where instruction is provided solely by the University, the Head of Department concerned".

3. Admissions shall be finalised by the Principals of Colleges and Deans of Faculties concerned, as the case may be, not later than such last date as may be prescribed by the Academic Council from time to time.

Provided that the Vice-Chancellor may, at his discretion, allow admission to any course after the prescribed date as aforesaid, for very exceptional reasons, such as late declaration of results or such other reasons considered satisfactory by the Vice-Chancellor up to the dates thought reasonable by him in each case:

Provided further that no admission will be made by a College prior to the date to be fixed by the Academic Council each year:

Provided that all provisional admissions to the post-graduate courses shall be finalized by the Standing Committees concerned not later than 31st August of the year in which admissions are sought. Provisional admissions not finalized by the aforesaid date shall automatically be annulled.

(1) The minimum qualifications and conditions of eligibility for admission to the various courses shall be as laid down in Ordinance I and I-A and/or Appendix II to the Ordinances.

Provided that notwithstanding anything in the said Ordinance or Appendix, the Academic Council, on the recommendations of the Admission Committees, reviewed and modified by the Standing Committee of the Academic Council if necessary, may –

(i) raise the minimum qualifications for eligibility for admission, e.g., require a higher qualifying examination, or a prescribed percentage of marks in the qualifying examination, and the like;

(ii) add to the conditions of eligibility for admission e.g., require certain combinations of subjects, or some teaching or other experience, or require that the candidate shall pass a test devised for the purpose, or that she/he shall give an undertaking that she/he will not take up any employment during the course of his study, or will not appear at certain competitive examinations, and the like;

(iii) where the number of eligible applicants for the course is greater than the number of seats available, prescribe any rules determining the order of preference among the applicants, e.g., give weightage to those who have passed the qualifying examination in a single attempt, and the like.

2) The said Admission Committees shall determine the principles on which admissions are to be made and the procedure therefor subject to review by the Standing Committee of Academic Council as mentioned hereinafter. The said Admission Committees shall finalise the cases of admission where registration is centrally done by the University (vide proviso to Clause 2(i) above). The Admission Committees shall also consider and make recommendations to the Standing Committee in respect of such admission cases as are referred to them by the Deans of the Faculties on account of any special factor and considerations involved in particular cases.

(3) The said Admission Committee shall also ascertain, as soon as may be, the number of places for various courses likely to be available in the various courses and shall notify the Heads of Departments and Principals of Colleges accordingly.

5. There will be a Standing Committee of the Academic Council which will: (1) review and finalise cases of admission as are specially referred to them by the different Courses Admission Committees, on account of any special factors or considerations involved in particular cases;

(2) review ordinarily in November each year the principles adopted by the various Courses Admission Committees for admission to the courses concerned and to co-ordinate, wherever necessary, the admission procedure adopted by these Committees.

CATOGORY WISE DISTRIBUTION OF SEATS FOR UNDERGRADUATE COURSES

S.No.	COURSE	EXISTING	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
1	B.A. (H) English	49	20	7	4	13	5	49
2	B.A. (H) Hindi	40	16	6	3	11	4	40
3	B.A. (H) Sanskrit	29	12	4	2	8	3	29
4	B.A. (H) Economics	68	28	10	5	18	7	68
5	B.A. (H) History	49	20	7	4	13	5	49
6	B.A. (H) Pol. Science	49	20	7	4	13	5	49
7	B.A. (H) Sociology	49	20	7	4	13	5	49
8	B.A. (H) Philosophy	49	20	7	4	13	5	49
9	B.A. (H) Music	19	8	3	1	5	2	19
10	B.Com (H)	79	32	12	6	21	8	79
11	B.Sc. (H) Physics	79	32	12	6	21	8	79
12	B.Sc. (H) Chemistry	79	32	12	6	21	8	79
13	B.Sc. (H) Botany	40	16	6	3	11	4	40
14	B.Sc. (H) Zoology	40	16	6	3	11	4	40
15	B.Sc. (H) Mathematics	49	20	7	4	13	5	49
16	B.Sc. (H) Statistics	40	16	6	3	11	4	40
17	B.Sc. (PS) Chemistry	59	24	9	4	16	6	59
18	B.Sc. (PS) Electronics	40	16	6	3	11	4	40
19	B.A. Prog wih discipline							
	History + Pol. Science	13	5	2	1	4	1	13
	Economics + English	13	5	2	1	4	1	13
	Hindi + Philosphy	12	5	2	1	3	1	12
	Sanskrit + Pol. Science	12	5	2	1	3	1	12
		956	388	142	73	257	96	956

Details of SEC/VAC/GE paper offered by Hindu College, University of Delhi: **SEMESTER I (2023-24)**

Department	VAC	SEC	GE
Physics	Digital Empowerment	Programing using Python	Mechanics and Waves & Optics
Sanskrit	Panchkosha: Holistic Development of Personality	Patkatha Lekhan	Basic Principals of Ayurveda
Philosophy	Ethics and Values in Ancient Indian Traditions	Negotiations and Leadership	Ethics in Public Domain
Economics	Financial Literacy	Advanced Spreadsheet Tools	1.Basic Development Economics 2.Essentials of Economics
Commerce	Financial Literacy	Personal Financial Panning	Finance for Everyone
Sociology	Cultural and Communication	Communication in Every Day Life	Sociology and Everyday Life
Hindi	Srijnatmak Lekhan ke Aayam	Rangmanch	Hindi Cinema aur uska Adhayan
Botany	Ayurveda and Nutrition	Sustainable Ecotourism and Entrepreneurship	Biofertilizers
Chemistry	Fit India	Basic IT Tools	Atomic structure and chemical bonding
English	Language and Literature	Personality Development and Communication	1.BAP-English Language through Literature-I 2.Hons-Readings on Indian Diversities and Literary Movements
History	Gandhi and Education	E -Tourism	Delhi Through the Ages: The Making of Its Early Modern History
Mathematics	Vedic Mathematics – I	Statistics with R	Fundamentals of Calculus
Statistics	Yoga: Philosophy and Practice.	Statistics with 'R'.	Basic Statistics.
Zoology	Science and Society	Sustainable ecotourism and Entrepreneurship	Nature and Wildlife Studies
Political Science	Constitutional Values and Fundamental Duties	Political Leadership and Communication	Ideas in Indian Political Thought

**Details of SEC/VAC/GE/DSE paper offered by Hindu College,
University of Delhi:
SEMESTER III (2023-24)**

Department	VAC	SEC	GE	DSE
Physics	Digital Empowerment	Document Preparation and Presentation Software	Introduction to Electronics and Solid State Physics	1.Mathematical Physics I 2.Numerical Analysis
Sanskrit	Yoga: Philosophy and Practice	E-Tourism	Basic Sanskrit	Art of Balanced Living
Philosophy	Ethics and Culture	Yoga in Practice	Formal Logic Information Ethics	Information Ethics
Economics	Digital Empowerment	Advanced Spreadsheet Tools	Money and Banking	Fiscal Policy and Public Finance in India
Commerce	Financial Literacy	Personal Financial Planning	Investing in Stock Markets	Financial Markets and Institution
Sociology	Social Emotional Learning	Communication in Everyday Life	Social Inequalities	1.Urban Sociology 2.Sociology of Work
Hindi	Bhartiya Bhakti Parampara Aur Manav Muley	Vigyapan Aur Hindi Bhasa	Media Lekhan	Hindi ke Moukhik aur Sahitey Parampara
Botany	Ayurveda and Nutrition	Biofertilizers	Plant Biotechnology	Biostatistics and Bioinformatics for Plant Science
Chemistry	Ayurveda and nutrition	Essential food nutrients	States of Matter	Polynuclear hydrocarbons, Pharmaceutical compounds, Uv-vis & IR Spectroscopy
English	Reading Indian Fiction in English	Public Speaking in English Language and Leadership	1.BAP-English Language Through Literature-II 2.Hons- Genre Fiction	Literary Theory
History	Science and Society	Sustainable Eco -- Tourism and Entrepreneurship	Making of Post Colonial India	Cultures in Indian Subcontinent
Mathematics	Vedic Mathematics - II	Document preparation and Presentation Software	Differential Equations	Graph Theory (for B.sc (Hons)) Theory of Equations and Symmetries (for B.Sc.(PS/APS))
Statistics	Fit India	Essentials of Python.	Sampling Distribution	Operational Research
Zoology	Science and Society	Formulation of Fish Feed	Food Nutrition and Health	Medical Zoology
Political Science	Swachh Bharat	Working with People	Politics of Globalisation	Indian Constitution Key debate

ECA ADMISSIONS

Seat Matrix for Admission 2023-24 in ECA category

S. no.	Activity	Reference	Specific Category	Seat
1	Dance	2a	Indian classical	1
2	Dance	2b	Indian folk	1
3	Dance	2c	Western	1
4	Debate	3b	English	2
5	Digital media	4b	Film making	2
6	Music (vocal)	6a	Indian (Classical and light)	1
7	Music (Instrumental) Western	8a	Drums	1
8	Music (Instrumental) Western	8g	Keyboard	1
TOTAL				10

ECA COMMITTEE (2023-24)

Dr. Rajesh Kumar (Maths)

Dr. Abdul Rasheed CK.

Dr. Purnamal Verma (Convener)

Dr. Hemant Verma

Dr. Biswajit Taha

SPORTS

Seat Matrix for Admission 2023-24 in Sports category

SPORTS COMMITTEE MEMBERS (2023-24):

Shri Jai Inderpal Singh
(Director of Physical education)
-Ex-officio Convener

Dr. Vijay Garg

Dr. Varunendra Singh Rawat

Dr. Abdul Rahim Ansari

Mr. Shalesh Kumar

S. no.	Sports/ Games	Men	Women
1	Tennis	1	1
2	Chess		1
3	Swimming	1	1
4	Cricket	1	-
5	Basketball	2	1
6	football	1	
TOTAL		06	04

COURSE WISE TEACHER-IN-CHARGE (2023-24)

S. No.	Name	Department
1	Dr K.K. Koul	Botany
2	Dr Meenu S. Shrivastava	Chemistry & B.Sc. Physical Sciences (with Chemistry)
3	Dr Poonam Sethi	Commerce
4	Dr Puja Saxena	Economics
5	Sh. Siddharth N. Kanoujia	English
6	Prof Harinder Kumar	Hindi
7	Dr Archana Verma	History
8	Dr Pramod Kumar	Mathematics
9	Dr Sumit Nandan	Philosophy
10	Dr Adarsh Singh	Physics & B.Sc. Physical Sciences (with Electronics)
11	Dr Talim Akhtar	Political Science & B.A. (Prog.)
12	Dr Anita Rajpal	Sanskrit
13	Dr Twinkle Pal	Sociology
14	Dr Narendra Kumar	Statistics
15	Dr Soma M Ghorai	Zoology
16	Dr Pallavi Saxena	EVS

CENTRAL ADMISSION COMMITTEE (2023-24)

S. No.	Name	Phone No.	Email Address
1.	Dr. Nidhi Dhamija-Convener	9910911779	dhamijanidhi@yahoo.com
2.	Ms. Seema Paliwal	9818156736	seemapaliwal1609@gmail.com
3.	Dr. Neetu	9810906308	neetukukreja@gmail.com
4.	Dr. Jagmohan	9910472026	jagmohandu@gmail.com
5.	Dr. Manoj Verma	8860088180	v91817@gmail.com
6.	Dr. Neha Batra Bali	9873013482	nehabatra04@gmail.com
7.	Dr. Amit Tanwar	9968314777	amit07tanwar@gmail.com

GRIEVANCE COMMITTEE (2023-24)

S.No.	Name	Phone no.	Email
1.	Dr. N. Santakrus Singh - Convenor	9311110502	25santacruz@gmail.com
2.	Dr. Rajesh Kumar (Botany)	9810344831	rajesh_bot@yahoo.com
3.	Dr. Neha Kapoor	9310391793	nehakapoor@hindu.du.ac.in
4.	Dr. Manoj Kumar Varshney	8860060886	mkvarshney_du@yahoo.com
5.	Dr. Neera Sharma	9555511105	neera01@gmail.com
6.	Dr. Pallav Kumar Nandwana	8130072004	pallavhindu@gmail.com
7.	Dr Anupam V. Sharma	9899423534	avsharma@hindu.du.ac.in

HELP DESK COMMITTEE (2023-24)

S.No.	Name	Phone no.	Email
1.	Dr. Ravindra- Convenor	9555450007	ravijnu@gmail.com
2.	Sh. Abhay Ranjan	8800234108	abhayhindi@gmail.com
3.	Dr. Ananya Barua	9953302811	ananyabarua@hinducollege.ac.in
4.	Shri Sanjeev Dutt Sharma	9868485335	sanjivduttsharma@yahoo.com
5.	Dr. Rachna Singh	9899004320	rachna1singh@hinducollege.ac.in
6.	Dr. Jagdish Chandra	9968097020	jagdish100@gmail.com

UNDERGRADUATE FEE STRUCTURE (2023-24)

First Year Fees Details - 2023-24					
Sr.No.	Course	General/OBC/EWS Admission Fee	SC/ST Admission Fee	PwD Admission Fee	Foreign Student Admission Fee
1	B.A (HONS) ECONOMICS	25300	25115	225	47700
2	B.A (HONS) ENGLISH	25300	25115	225	47700
3	B.A (HONS) HINDI	25300	25115	225	47700
4	B.A (HONS) HISTORY	25300	25115	225	47700
5	B.A (HONS) MUSIC	25330	25145	225	47730
6	B.A (HONS) PHILOSOPHY	25300	25115	225	47700
7	B.A (HONS) POL. SCIENCE	25300	25115	225	47700
8	B.A (HONS) SANSKRIT	25300	25115	225	47700
9	B.A (HONS) SOCIOLOGY	25300	25115	225	47700
10A	B.A. Programme (English + Economics)	25300	25115	225	47700
10B	B.A. Programme (Hindi + Philosophy)	25300	25115	225	47700
10C	B.A. Programme (Sanskrit + Pol. Science)	25300	25115	225	47700
10D	B.A. Programme (History + Pol. Science)	25300	25115	225	47700
11	B.COM (HONS) COMMERCE	26000	25815	225	48400
12	B.SC (HONS) BOTANY	27400	27215	225	49800
13	B.SC (HONS) CHEMISTRY	27400	27215	225	49800
14	B.SC (HONS) MATHS	25900	25715	225	48300
15	B.SC (HONS) PHYSICS	27400	27215	225	49800
16	B.SC (HONS) STATISTICS	26200	26015	225	48600
17	B.SC (HONS) ZOOLOGY	27400	27215	225	49800

POST GRADUATE FEE STRUCTURE (2023-24)

Previous Year Fees Details - 2023-24					
Sr.No.	Course	General/OBC/EWS Admission Fee	SC/ST Admission Fee	PwD 25% Total Fee	Foreign Total Fee
1	M.A ENGLISH	24250	24029	6063	46650
2	M.A HINDI	24250	24029	6063	46650
3	M.A HISTORY	24250	24029	6063	46650
4	M.A PHILOSOPHY	24250	24029	6063	46650
5	M.A POL.SCIENCE	24250	24029	6063	46650
6	M.A SANSKRIT	24250	24029	6063	46650
7	M.COM	24250	24029	6063	46650
8	M.SC BOTANY	24350	24129	6088	46750
9	M.SC CHEMISTRY	24350	24129	6088	46750
10	M.SC MATHS	24350	24129	6088	46750
11	M.SC O.RESEARCH	24350	24129	6088	46750
12	M.SC PHYSICS	24350	24129	6088	46750
13	M.SC STATISTICS	24350	24129	6088	46750
14	M.SC ZOOLOGY	24350	24129	6088	46750

FOREIGN LANGUAGE COURSES

The College offers Short-Term Certificate courses in the following languages:

1. French

2. German

3. Russian

4. Spanish

Certificate will be issued to all the successful candidates.

CERTIFICATE COURSES

(1) Short Term Certificate Course on 'Learning LaTeX and XFig'

This is an offline certificate course which is being organised by Hindu College in collaboration with IIT Delhi, PMRF Scheme and Spoken Tutorials, IIT Bombay. The course will be conducted by PMRF scholars from IIT Delhi as course instructors. The course will commence from September 09, 2022 and shall focus on basics of LaTeX and XFig.

LaTeX is one of the widely used free software for type-setting technical documents. It can be used for writing books, research papers. It is also helpful in making impactful presentations. XFig is helpful in drawing figures using objects such as circle, boxes, line etc.

The course is for all the students of Hindu College and is a 15–20 hour course.

Course Coordinator: Dr. Pragati Ashdhir

Course Co-coordinator: Dr. Samridhi Mehta

Organising Team: Dr. Amit Tanwar and Dr. Neha Batra Bali

Resource Person: Ms. Ankita Parashar and Ms. Diksha Gupta (PMRF Scholars)

2) Add-on Certificate Course on 'Ancient Indian Wisdom: Vedic Mathematics'

This is an online certificate course which is being organised by Hindu College in collaboration with the Institute for the Advancement of Vedic Mathematics (IAVM). IAVM is a charitable incorporated organisation registered in the UK. It was established to promote, sustain and increase the understanding of vedic mathematics around the world. Their impact is in over 15 countries and has empowered over 5000 students across the globe.

This is a 30-hour course which will focus on the methods of doing calculations using various sutras and sub-sutras of vedic mathematics. Vedic mathematics helps improve the speed of doing calculations. It promotes development of strategy skills and flexibility. The knowledge of vedic mathematics can help students overcome the fear of doing calculations.

The faculty will be from IAVM team and the course is open for all Hindu College students who have studied mathematics till class XII. The course will tentatively commence from September 17, 2022.

Course Convenor: Dr. Kanta Garg

Course Co-coordinator: Dr. Samridhi Mehta / Resource Persons: IAVM team

CERTIFICATE COURSE ON

'BIG DATA AND NEW PARADIGMS IN THE DIGITAL AGE'

This is a certificate course which is being organised by Hindu College in collaboration with Digital India Foundation (DIF). DIF is a policy think tank focusing on areas of Digital inclusion, Smart Cities, Internet Governance, Cyber-Security etc. The resource person will be Mr. Arvind Gupta - head, Co-founder, DIF. Mr. Gupta's last role was as the CEO of MyGov, a citizen centric platform meant to empower people and connect with the Government for better governance. He is an adjunct Professor at IIT BHU and Member, World Economic Forum's Global Futures Council on Digital Economy and Society. Besides having many publications in journals of World repute, he is an active member of iSPIRT, NASSCOM and even propelled the implementation of DBT across India. After a degree in Electronics and Communication Engineering from IIT-BHU, Mr. Gupta did his Masters in Computer Science and MBA (Finance and Marketing) from University of Illinois at Urbana Champaign.

The course intends to provide an orientation toward the future industrial paradigms with a focus on the digital economy and its impact on the behaviour of consumers across the globe. This orientation would help future engineers to create or work with products and services in these new paradigms.

The course will tentatively commence from September 30, 2022 and will be conducted in hybrid mode. This course is for all the students of Hindu College and is a 30-40 hour course.

ORGANISING

T E A M

Dr. Debasree Goswami

Dr. Achla Tandon

Dr. Manisha Pandey

Dr. Niti Bhutani

Dr. Archana Verma

Dr. Lalit

Dr. Pragati Ashdhar

Dr. Priyanka Aggarwal

Dr. Varunendra S. Rawat

MODULE PREPARED BY PMRF SCHOLAR ASSIGNED TO ZOOLOGY DEPARTMENT

The PMRF scholar assigned to Zoology Department, Hindu College will be imparting theoretical and practical knowledge about Antimicrobial Resistance (AMR) to the students of III Year (V SEM). The theoretical part will include description of AMR, mechanism of Antibiotic action, causes and mechanism of antibiotic resistance. The practical aspect will deal with usage of various methods for antimicrobial susceptibility testing and the interpretation of results.

CAPSULE COURSE ON GREEN PERSPECTIVES OF SPENT/WASTE LITHIUM ION BATTERIES

This is an add-on/capsule course which has been organized by Department of Chemistry, Hindu College in collaboration with IIT Delhi under the aegis of IQAC and PMRF Scheme. The course is being conducted by three dynamic PMRF Research Scholars from IIT Delhi along under extensive support and guidance of green chemistry educators of the college.

The course has commenced from 16th August, 2022 and is open for all students pursuing B.Sc (Hons). B.Sc (Prog) Chemistry. The total duration is 30 hours which is inclusive of theory as well as practical components for better understanding of students.

The modules covered under this course include:

Module 1: Emerging Energy Technologies & Introduction to Batteries

Module 2: Waste to Resource: From spent batteries to valuables

Module 3: Photocatalytic Applications of extracted metals: Special Emphasis on Dye Degradation

A research project entitled “Recovery of metal from spent lithium ion batteries and its usage as photocatalysts for dye degradation” has also been planned under this course to help students acquire knowledge and skills beyond the curriculum to derive wealth out of waste.

Patrons:

Prof. Anju Srivastava (Principal, Hindu College)
Prof. Reena Jain (Vice-Principal, Hindu College)

Course Coordinators:

Dr. Devanshi Magoo, Dr. Aman Bhardwaj and
Dr. Sriparna Dutta (Faculty, Department of Chemistry, Hindu College)

Course Educators:

Prof. Anju Srivastava, Prof. Reena Jain
Dr. Sriparna Dutta (Green Chemistry Educators)
Akshita Sharma, Nitika Garg and Sungjemmenla
(PMRF Research Scholars at IIT Delhi)

Student Coordinators:

Sameeksha, Riya, Priyanshu, Isha & Mohit (B.Sc Hons Chemistry, 3rd Year)

VALUE ADDED COURSE ON INSIGHTS ON HYDROGELS THROUGH MOLECULAR SPECTROSCOPY

This course has been initiated by Department of Chemistry in collaboration with IIT Delhi under the aegis of IQAC and PMRF Scheme. It has commenced from 6th September, 2022 onwards and has attracted students from various streams of sciences including Chemistry, Botany and Zoology as it was open for all the science courses. Currently, 35 students from B.Sc (Hons) Chemistry, B.Sc (Prog) Chemistry, B. Sc (Hons) Zoology and B.Sc (Hons) Bontay are enrolled in this course. The course intends to provide valuable insights on hydrogel-based systems at molecular level through spectroscopy and is being conducted by two bright PMRF research scholars of IIT Delhi who have their research expertise in the area of hydrogels and molecular spectroscopy. The total course duration is 30 hours.

This value added course has six modules, the details are provided below:

Module 1: Introduction to Polymers

Module 2: Smart Polymers

Module 3: Hydrogel System and Applications

Module 4: Photophysical Processes

Module 5: General Spectroscopic Techniques

Module 6: Applications

It also includes a research project entitled “Spectroscopic behavior of standard absorbance probes in hydrogel based aqueous solutions at varying pH conditions using UV Visible Spectroscopy.

Patrons:

Prof. Anju Srivastava (Principal, Hindu College)
Prof. Reena Jain (Vice-Principal, Hindu College)

Course Coordinators:

Dr. Devanshi Magoo, Dr. Aman Bhardwaj and
Dr. Sriparna Dutta (Faculty, Department of Chemistry, Hindu College)

Course Educators:

Divya and Deepika (PMRF Research Scholars at IIT Delhi)

Student Coordinators:

Sameeksha, Riya, Priyanshu, Isha & Mohit (B.Sc Hons Chemistry, 3rd Year)

***ADD-ON COURSE ON DEVELOPING THE SKILLS TO ACCOMPLISH
SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS (SDGS)
UNDER THE GOING GLOBAL
EXPLORATORY GRANT SPONSORED BY BRITISH COUNCIL***

This course has been designed under the “Going Global Partnership Exploratory Grant” sponsored by British council and awarded to Green Chemistry, Centre of Excellence, York University (UK), Green Chemistry Network Centre, University of Delhi (INDIA), Hindu College University of Delhi (INDIA), and University of Ladakh (INDIA). The prime motive of the Going Global Partnership Programme is to promote collaboration and innovation in teaching and learning and transnational education in higher education institutions between India and UK.

This course will help students equip a creative bent of mind to understand and practice green chemistry, think out-of box and develop the skills to meet the SDGs via continuous discussions with the course instructors who are the green chemistry experts. The idea is to help a broad spectrum of students to explore and indulge in opportunities that can help them experience the world education system and learn about the global approaches.

Total Time Duration: 40 hours

Inclusive of Theory as well as Practical Component

Specific objectives of the course:

-Creation of a course on Green Chemistry (GC) that can foster strong understanding of SDGs and practices being adopted on a global scale to meet the current environmental challenges, while simultaneously catering to the societal needs.

-Help students discover how green chemistry can help with the meeting the increased demand for sustainable products and processes.

- Inculcate the idea of circular economy, greener sustainable technologies for combating the issues facing the planet and real-world practices being adopted at the academic as well as industrial levels.

-Transfer skills appropriately through the innovative TNE Models (Transnational Models) to enable creative thinking in students and help them come up with logical solutions for meeting SDGs.

-Provide a strong vision of the future needs and directions

COURSE EDUCATORS:

Prof. Avtar Matharu (AM), Director, Green Chemistry Centre of Excellence, York University, Prof. R. K. Sharma (RKS), Coordinator, Green Chemistry Network Centre, Prof. S. K. Mehta (SKM), Vice-Chancellor, Ladakh University, Dr. Rakeshwar Bandichhor (RB), Head, API, R& D, Dr. Reddy's Laboratory Ltd, Prof. Anju Srivastava (AS), Principal, Hindu College, Prof. Reena Jain (RJ), Vice-Principal, Hindu College and Dr. Sriparna Dutta (SD), Faculty, Department of Chemistry, Hindu College.

The course will commence from 30th September, 2022 which will be pursued by 20 students from B.Sc Hons Chemistry-2nd Year and B.Sc (Prog) Physical Sciences with Chemistry-2nd Year, who have been shortlisted through a rigorous selection process that was conducted in the college. Apparently, these students got the opportunity to also be a part of the Going Global Workshop on Green Chemistry Education Today for a Sustainable Tomorrow that was organized by Green Chemistry, Centre of Excellence, York University, UK, Green Chemistry Network Centre, University of Delhi, India Hindu College, University of Delhi, India and University of Ladakh, India and held from 18th to 20th December, 2022 at Hotel Maiden's, Civil Lines.

VIDYA-VISTAR SCHEME

Vidya Vistar is an initiative commenced via the means of the University of Delhi. The goal of the scheme is to companion with faculties and Higher Educational Institutes placed in far off regions of the country; identify, and assist them in diverse approaches for them to go higher in diverse spheres and benefit from clout the colleges of the University of Delhi get.

The scheme proposes assisting the colleges via means of sharing the e-resources, guest lectures, student/teacher exchange programmes and educating the college to apply the equipment for powerful coaching. The scheme additionally seeks to inspire scholarly interplay and college interplay and construct a partnership which could assist each of the companion institutes to painting toward the development of the scholar network in the country withinside the future.

Hindu College, University of Delhi has partnered with three colleges from North-East India, namely, as follows:

- Dorjee Khandu Government College, Tawang, Arunachal Pradesh
- North Kamrup College, Baghmara, Assam.
- Nar Bahadur Bhandari Govt. College, Tadong, Sikkim.
- Nodal Officer: Dr. Ananya Barua.

ADD-ON COURSE ON 'MEDIA LEKHAN (WRITING)'

Hindu College conducts an 'add-on' course titled 'Media Lekhan' (Writing) for undergraduate students. It is a 30-hour course in which students learn the writing methods being used in National and International media, especially the presentation of news as anchors, reporters and commentators through special lectures and practicals. In this course, the writing modes of television, radio, newspapers and magazines and social media are explained to the students. The well-known and experienced subject-expert journalists of the country; guide and mentor the students and they get an excellent opportunity to undergo educational tours in reputed public broadcasting houses like Doordarshan, Sansad TV and All India Radio. At the end of the add-on course, students are assessed in writing, oral and practical and certificates will be awarded to the qualified students.

Senior journalists, Rajni Nagpal, Amit Arora, Yuvraj Bhattarai, Nikhil Singh, Monica Gulati, Akhilesh Anand, Rajiv Gupta, Shailendra, and Dr. Vishnu Priya have been invited as a resource person for this course.

Coordinator - Dr. Anita Rajpal, Department of Sanskrit

Coordinator - Prof. Harindra Kumar, Department of Hindi

Co-convenor - Dr. Sunil Joshi, Department of Sanskrit

प्राचीन लिपि परिज्ञान 'एड-ऑन' कोर्स

हिन्दू महाविद्यालय द्वारा प्राचीन भारतीय साहित्य के व्यापक संरक्षण के लिए तथा विविध लिपियों का बोध कराने के उद्देश्य से 'प्राचीन लिपि परिज्ञान' नामक शीर्षक से एक 'एड-ऑन' कोर्स संचालित किया जाता है। यह कोर्स 30 घण्टे का है, जिसे विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से सीखते हैं। इस कोर्स में ब्राह्मी, शारदा और खरोष्ठी लिपियों को सीखकर विद्यार्थी प्राचीन पाण्डुलिपियों का अक्षर ज्ञान कर उनका सम्पादन भी सरलतया करने में सक्षम होते हैं।

इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी उच्चतम कक्षाओं में पाण्डुलिपियों पर विशेष अनुसन्धान के लिए रुचिमान् होते हैं। जयपुर स्थित विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान से सम्बन्ध लिपि विशेषज्ञ इस कोर्स में पञ्जीकृत छात्रों का समय-समय पर मार्गदर्शन करते हैं। इस कोर्स में छात्र लिपि-ज्ञान तथा लघु साहित्यिक सम्पादन के अनन्तर राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन में शैक्षिक भ्रमण के लिए भी जाते हैं।

संयोजिका – डॉ. अनीता राजपाल, संस्कृत विभाग

संयोजक – प्रो. हरीन्द्र कुमार, हिन्दी विभाग

सह-संयोजक – डॉ. सुनील जोशी, संस्कृत विभाग

मीडिया लेखन 'एड-ऑन' कोर्स

हिन्दू महाविद्यालय द्वारा स्नातक के सभी छात्रों के लिए मीडिया लेखन शीर्षक से एक 'एड-ऑन' कोर्स संचालित किया जाता है। यह 30 का घण्टे कोर्स है, जिसमें छात्र राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में प्रयुक्त की जाने वाली शब्दावली, लेखन शैली, प्रस्तुतीकरण आदि को व्याख्यान और प्रायोगिक शिक्षण के माध्यम से सीखते हैं। इस कोर्स में छात्रों को टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं सोशल मीडिया की लेखन विधा को समझाया जाता है। देश के जाने-माने और अनुभवी विषय-विशेषज्ञ पत्रकार इस कोर्स में छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं। इस कोर्स से जुड़े छात्र दूरदर्शन, संसद टीवी, आकाशवाणी जैसे प्रतिष्ठित लोक प्रसारक संस्थानों में शैक्षिक भ्रमण के लिए भी जाते हैं। पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्रों का लेखिक, मौखिक और प्रायोगिक मूल्याङ्कन किया जाता है और उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पटल पर खास पहचान रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार रजनी नागपाल, अमित अरोड़ा, युवराज भट्टराई, निखिल सिंह, मोनिका गुलाटी, अखिलेश आनन्द, राजीव गुप्त, शैलेन्द्र, डॉ. विष्णुप्रिया आदि को इस 'एड-ऑन' कोर्स के विषय-विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया जा चुका है।

संयोजिका – डॉ. अनीता राजपाल, संस्कृत विभाग

संयोजक – प्रो. हरीन्द्र कुमार, हिन्दी विभाग

सह-संयोजक – डॉ. सुनील जोशी, संस्कृत विभाग

PRIZES, SCHOLARSHIPS AND FINANCIAL AID

पुरस्कार

कालेज द्वारा विद्यार्थियों को निम्न पुरस्कार दिए जाते हैं-

1. डॉ जगमोहन एस पाब्ले पुरस्कार 125/- रुपये का यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिया जाता है।
2. भसीन स्मृति पुरस्कार यह 50/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष एम ए इतिहास पूर्वार्ध के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जो कक्षा में प्रथम रहा है तथा न्यूनतम द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ है।
3. शारदा टुटेजा पुरस्कार - यह 50/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष एम ए अंग्रेजी पूर्वार्ध के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जो कक्षा में प्रथम रहा है तथा न्यूनतम द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ है। यदि किसी वर्ष कोई विद्यार्थी इस अर्हता को पूरा नहीं कर पाता है तो यह पुरस्कार बी ए प्रतिष्ठा अंतिम वर्ष अंग्रेजी के विद्यार्थी को न्यूनतम अर्हता पूरा करने पर दिया जा सकेगा।
4. के एन श्रीवास्तव पुरस्कार - यह 50/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने हॉकी टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा जिसका अच्छा शैक्षणिक रिकार्ड रहा है।
5. अनिल चोपड़ा पुरस्कार- यह 200/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी ए प्रतिष्ठा इतिहास के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसके सेमेस्टर प्रथम व द्वितीय में इतिहास प्रमुख विषय रहा हो।
6. कृपाराम और सीतावती पुरस्कार यह 100/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष दिया जाता है।
7. भम्मी शाह घई पुरस्कार यह 50/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष दिया जाता है।
8. एक्शन ग्रुप पुरस्कार यह 25/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी कॉम प्रतिष्ठा के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने बी कॉम प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं तथा जिसके सेमेस्टर प्रथम व द्वितीय में कॉमर्स प्रमुख विषय रहा हो।
9. शहीद सेकण्ड ले. देवेन्द्र कुमार चोपड़ा पुरस्कार यह 250/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी एससी के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने पढ़ाई तथा सह शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो।
10. ईश चन्द्र स्मृति पुरस्कार यह 250/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी ए प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष अंग्रेजी के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसका प्रथम व द्वितीय वर्ष में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो।
11. बृजलाल स्मृति पुस्तक पुरस्कार यह 700/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी एससी प्रतिष्ठा (भौतिक विज्ञान) के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने तृतीय वर्ष में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
12. श्री बिशन सरूप बंसल स्मृति पुरस्कार यह 3000/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी ए प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष अर्थशास्त्र के उस विद्यार्थी को दिया जाता है। जिसने तृतीय वर्ष में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
13. एम के रस्तोगी पुरस्कार- यह 900/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष स्नातक प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों को दिया जाता है जिन्होंने भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, संस्कृत और हिन्दी में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।
14. मोनिका तेजा स्मृति पुरस्कार- यह 500/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने एम ए पूर्वार्ध अंग्रेजी में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
15. प्रोफेसर प्रेमचंद स्मृति पुरस्कार यह 500/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने एम ए उत्तरार्ध दर्शनशास्त्र में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
16. प्रो एम एम शंखधर स्मृति पुरस्कार यह 500/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने एम ए पूर्वार्ध राजनीति विज्ञान में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
17. मधु भसीन स्मृति पुरस्कार यह 3400/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उन दो विद्यार्थियों को दिया जाता है जिन्होंने बी ए प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष में क्रमशः अर्थशास्त्र व संगीत में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।

18. प्रो पपैया घोष स्मृति पुरस्कार - यह 4800/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने एम ए उत्तरार्ध इतिहास में कालेज में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।

19. बी एन मित्रा पुरस्कार - यह 900/- रुपये का पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष बी ए प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष अंग्रेजी में सर्वोच्च रहे विद्यार्थी को दिया जाता है। 20. अकादमिक पुरस्कार - यह पुरस्कार सभी कक्षाओं और विषयों में वार्षिक परीक्षा में सर्वोच्च परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दिए जाते हैं।

21. संगीता नेगी पुरस्कार - यह 2000/- रुपये का पुरस्कार है जो बी. एस.; आनर्स रसायन तृतीय वर्ष में श्रेष्ठता होने पर दिया जाता है।

THE COLLEGE AWARDS FOLLOWING PRIZES TO STUDENTS:

1. DR. JAGMOHAN S. PABLY PRIZE – A prize of a value of 125/- awarded every year.

2. BHASIN MEMORIAL PRIZE - A prize of 50/- awarded every year to the student standing first in the M.A. (Prev.) Examination in history and securing at least a second division.

3. SHARDA TUTEJA PRIZE – A prize of 50/-, awarded every year to the student standing first in M.A. (Prev.) examination in English and securing at least a second division in case no student in M.A. (prev.) English satisfies the minimum condition for eligibility, the prize will be awarded to a student studying B.A.(Hons.) English III year in the basis of his/her result.

4. K.N. SRIVASTAVA PRIZE – A prize of 50/- awarded every year to a student with the best performance in the hockey team and having a good academic record.

5. ANIL CHOPRA PRIZE – A prize of 200/- awarded every year to the best student in bachelor's with honours in history major discipline semester-I & II.

6. KRIPA RAM & SITA WATI PRIZE – A prize of 100/- awarded every year.

7. BHAMMI SHAH GHAI PRIZE – A prize of 50/- awarded every year.

8. ACTION GROUP AWARD – Award of 25/- awarded every year to the student who gets the highest marks in part II of B. Com. (hons.) and Bachelor with honours in commerce major discipline semester I & II examination.

9. SHAHEED 2ND LT. DAVINDER KUMAR CHOPRA PRIZE – A prize of 250/- awarded every year to the all round best student of B.Sc. who shows excellence in studies and extracurricular activities.

10. ISH CHANDRA MEMORIAL PRIZE – A prize of 250/- awarded every year to an English (hons) third year student, on the basis of his/her combined performance in part I and II examinations.

11. BRIJ LAL MEMORIAL PRIZE – A prize of 700/- awarded every year to the student of B.Sc. (hons) Physics III year standing first in Hindu college.

12. SHRI BISHAN SARUP BANSAL MEMORIAL PRIZE – A prize of 3000/- will be awarded to the student securing first position in the college in B.A. (hons.) economics third year.

13. M.K. RASTOGI PRIZE – five prizes each of 900/- awarded every year to the topper of III yr. (Hons) Physics, Chemistry, Mathematics, Sanskrit and Hindi.

14. MONICA TEJA MEMORIAL PRIZE – A prize of 500/- Awarded every year to the student securing highest marks in M.A. (previous) English examination.

15. PROFESSOR PREM CHAND MEMORIAL PRIZE - A Prize of 500/- awarded every year in cash or kind to a student securing at least a first division in M.A. (final) Philosophy Examination.

16. PROF. M.M. SANKHDHAR MEMORIAL PRIZE – A prize of 500/- to be awarded to the student securing first position in the M.A. (Previous) Political Science Examination.

17. MADHU BHASIN MEMORIAL PRIZE – Two Prizes of 3400/- each awarded every year on merit basis to one student of B.A.(H) Economics IIInd yr. and one of B.A.(H) music IIInd yr.

18. PROF. PAPIYA GHOSH MEMORIAL PRIZE – A prize of 4,800/- will be awarded each year to the topper of M.A. (final year) student of History of the college.

19. B.N. MITRA PRIZE – A prize of 900/- p.a. will be awarded to the topper of B.A. (Hons.) English III year.

20. ACADEMIC PRIZES – Academic prizes are awarded class-wise and subject-wise to students on the basis of their result in the annual examination.

21. Sangeeta Negi Prize - A prize of Rs 2000/- will be awarded to the topper of B Sc. (H) Chemistry IIIrd year.

छात्रवृत्ति

1. प्रेमवती रघुबीर सिंह छात्रवृत्ति : 600/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष, पिछली परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले उन विद्यार्थियों को दी जाती है, जो छात्रावास में रहते हैं तथा आर्थिक दृष्टि से ज़रूरतमंद हैं। इस छात्रवृत्ति का प्रयोग छात्रावास का शुल्क देने तथा किताबें खरीदने के लिए किया जा सकता है।

2. आर. बी. राम किशन दास छात्रवृत्ति : आर बी रामकिशन दास द्वारा प्रदत्त राशि में से 600/- रुपये की पच्चीस छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष योग्य एवं ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को दी जाती हैं। इसके लिए पिछली परीक्षा में विद्यार्थी के न्यूनतम 55% अंक अपेक्षित हैं तथा साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि वह विद्यार्थी किसी अन्य छात्रवृत्ति का लाभ न प्राप्त कर रहा हो। यह छात्रवृत्ति सामान्यतः एक वर्ष के लिए दी जाती है।

3. चौ. भगवान सहाय चौहान स्मृति छात्रवृत्ति : (क) बी ए में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में सर्वाधिक अंक पा कर एम ए पूर्वार्ध, हिंदी व संस्कृत में दाखिला लेने वाले एक विद्यार्थी को 250/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रत्येक वर्ष प्रदान की जाती है। (ख) 250/- रुपये की एक छात्रवृत्ति बी ए प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के मानविकी के pkSgku jktiqr छात्र को दी जाती है, जिसे पिछली परीक्षा में अच्छे प्रतिशत प्राप्त हुए हों।

4. राय अच्छरू राम छात्रवृत्ति: एम ए तथा एम एस सी के छात्रों को 850/- रुपये की चार छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष प्रदान की जाती हैं, जिनमें दो पूर्वार्ध तथा दो उत्तरार्ध के छात्रों के लिए होती हैं। यह छात्रवृत्ति प्रथमतः सम्बद्ध परीक्षा में न्यूनतम द्वितीय श्रेणी के साथ सर्वाधिक प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दी जाती है। ऐसे छात्रों के न पाए जाने पर अपेक्षित योग्यताएं पूरी करने वाले किसी अन्य विद्यार्थी को भी यह छात्रवृत्ति दी जा सकती है। साथ ही कॉलेज में ऐसे विद्यार्थियों की अनुपलब्धता पर आवश्यक योग्यता को पूरा करने वाले किसी अन्य कॉलेज के विद्यार्थी को भी यह छात्रवृत्ति प्रदान की जा सकती है।

5. एस पी रैना स्मृति छात्रवृत्ति: हिन्दू कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक स्वर्गीय श्री एस पी रैना की स्मृति में प्रत्येक वर्ष बी ए (प्रतिष्ठा), तृतीय वर्ष के कला/ मानविकी अथवा वाणिज्य के विद्यार्थी को 350/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रथम व द्वितीय वर्ष में विद्यार्थी के प्रदर्शन पर दी जाती है। इस बात का ध्यान भी रखा जाता है कि विद्यार्थी को सरकार, विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय की ओर से कोई अन्य छात्रवृत्ति न प्राप्त हो। यह छात्रवृत्ति योग्यता सह साधन के आधार पर (मुख्यतः प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को) दी जाती है।

6. गणपत राय गोपाल देवी मेरिट छात्रवृत्ति : 500/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां प्रत्येक वर्ष बी ए (प्रतिष्ठा), इतिहास के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम व द्वितीय वर्ष में उनके प्रदर्शन के आधार पर (मुख्यतः प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को) दी जाती है।

7. लाला प्रेम लाल गुप्ता स्मृति छात्रवृत्ति : श्री हंस राज गुप्ता द्वारा उनके पिता स्वर्गीय लाला प्रेम लाल गुप्ता की स्मृति में कॉलेज को प्रदान की गई राशि में से योग्यता सह-साधन के आधार पर हर वर्ष किसी एक विद्यार्थी को 250/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है।

8. जीवन लाल खन्ना स्मृति छात्रवृत्ति : 1350/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां योग्यता सह-साधन के आधार पर प्रत्येक वर्ष मुख्यतः विज्ञान क्षेत्र के दो विद्यार्थियों को दी जाती है। विज्ञान क्षेत्र के किसी विद्यार्थी के मानदंड पूरा न कर पाने अथवा किसी एक ही विद्यार्थी के योग्य पाए जाने पर यह छात्रवृत्ति कला क्षेत्र के किसी विद्यार्थी को भी दी जा सकती है।

9. श्रीमती कैलाशवती खन्ना छात्रवृत्ति : यह 350/- रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति है।

10. नांगिया छात्रवृत्ति: यह 350/- रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति है।

11. राजीव मेहरा स्मृति छात्रवृत्ति : 250/- रुपये की यह छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष किसी ऐसे ज़रूरतमंद तथा योग्य छात्र को प्रदान की जाती है, जिसे सरकार, विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय से किसी अन्य छात्रवृत्ति का लाभ न प्राप्त हो रहा हो।

12. सुल्तान चंद स्मृति छात्रवृत्ति (क) बी कॉम, प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष के एक विद्यार्थी को पहली ही बार में प्रथम वर्ष में कम से कम 75% के साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर प्रतिवर्ष 2800/- रुपये की यह छात्रवृत्ति दी जाती है। (ख) 2800/- रुपये की यह छात्रवृत्ति बी कॉम, प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष के उस विद्यार्थी के लिए है, जिसने पहली ही बार में द्वितीय वर्ष में कम से कम 75% साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हों।

13. मास्टर शिवप्रसाद स्मृति छात्रवृत्ति बी ए बी एस सी (गणित) के द्वितीय अथवा तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को योग्यता सह साधन के आधार पर 8000/- रुपये प्रतिवर्ष की यह छात्रवृत्ति दी जाती है।

14. डॉ दीपक सिन्हा स्मृति छात्रवृत्ति : 500/- रुपये, यह छात्रवृत्ति प्रत्येक वर्ष बी ए हिंदी प्रतिष्ठा के तृतीय वर्ष के किसी विद्यार्थी को योग्यता सह साधन के आधार पर दी जाती है।

15. ओ पी कौशिक स्मृति छात्रवृत्ति: 500/- रुपये की यह छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष दी जाती है।

16. डॉ एस एस गुलशन छात्रवृत्ति:

(क) बी कॉम प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष के एक विद्यार्थी को प्रतिवर्ष द्वितीय वर्ष में पहला स्थान प्राप्त करने के आधार पर 2500/- रुपये की यह छात्रवृत्ति दी जाती है।

(ख) एक छात्रवृत्ति २५००/- एक वर्ना लिये बी. काम (प्रतिष्ठा) तृतीय वर्मा के लिये एक गरीब छात्र को दी जाती है जिसने कम से कम ५०: प्रतिग्राक अंक द्वितीय वर्द्धा में प्राप्त किये हो (BPL/PR / PRS/AA Y) (Raion card attested copy nsuh होगी)

17. बृज वर्मा (श्री पीसी वर्मा, प्राचार्य 1980- 1995 की पत्नी) स्मृति छात्रवृत्ति : मानविकी / समाज-विज्ञान, मुख्यतः बीए हिंदी प्रतिष्ठा के प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को 5500/- रुपये की छात्रवृत्ति योग्यता सह साधन के आधार पर प्रदान की जाती है। इसके लिए विद्यार्थी को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए तथा आर्थिक दृष्टि से ज़रूरतमंद होना भी अपेक्षित है।

18. प्रो.आर आर गुप्ता स्मृति छात्रवृत्ति : 6200/- रुपये की एक छात्रवृत्ति बी ए, अंग्रेजी प्रतिष्ठा के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को उसके द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रदान की जाती है।

19. डॉ उषा अग्रवाल छात्रवृत्ति : प्रतिवर्ष 3500/- रुपये की एक छात्रवृत्ति बी कॉम प्रतिष्ठा के किसी विद्यार्थी को दी जाती है।

20. श्रीमती रोशन देवी मारवाह तथा श्री दीना नाथ मारवाह (अभिभावक) एवं प्राणनाथ मारवाह (राशिदाता पुत्र) स्मृति छात्रवृत्ति: 3000/- रुपये की चार छात्रवृत्तियां प्रतिवर्ष बी एस सी तीसरे व चौथे सेमेस्टर (संयुक्त) तथा पांचवे व छठे सेमेस्टर (संयुक्त) को योग्यता सह साधन के आधार पर दी जाती है।

21. सुरेन्द्र व करेन गुप्ता, ए आर सी फाउंडेशन : 10000/- रुपये की चार छात्रवृत्तियां प्रतिवर्ष बी एस सी प्रतिष्ठा, रसायनशास्त्र तथा भौतिकी के तीसरे व चौथे सेमेस्टर (संयुक्त) तथा रसायनशास्त्र एवं भौतिकी में स्नातक, विशेष अनुशासन के पहले तथा दूसरे सेमेस्टर (संयुक्त) को दी जाती है।

22. निखिल यादव स्मृति छात्रवृत्ति: प्रतिवर्ष 5000/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां बी कॉम प्रतिष्ठा के विद्यार्थियों के लिए हैं।

23. एस के मिश्र स्मृति छात्रवृत्ति 5000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष के आधार पर बी कॉम प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को उसके द्वितीय वर्ष के प्रदर्शन तथा योग्यता सह साधन के आधार पर दी जाती है।

24. स्वर्गीय श्री रामकिशन दास जैन स्मृति छात्रवृत्ति: 2500/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां बीएस सी प्रतिष्ठा (गणित) के क्रमशः प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों को दी जाती हैं।

25. डॉ बी एम भाटिया छात्रवृत्ति बी ए प्रतिष्ठा, अर्थशास्त्र, प्रथम वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए 5200/- रुपये की छात्रवृत्ति है।

26. दीपक सिन्हा स्मृति छात्रवृत्ति: एम ए हिंदी के क्रमशः पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध के एक-एक विद्यार्थी को योग्यता सह साधन के आधार पर 8500/- रुपये की दो छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं।

27. संजय श्रीवास्तव स्मृति छात्रवृत्ति : 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति बी ए (प्रतिष्ठा) इतिहास के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष के सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दी जाती है।

28. संगीता नेगी छात्रवृत्ति: 2000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रत्येक को बी.एससी प्रतिष्ठा रसायन विज्ञान के द्वितीय वर्ष के छात्र को प्रथम वर्ष के टॉपर से सम्मानित किया जाएगा।

29. चंद्रा बिसारिया मेरिट छात्रवृत्ति

(क) 12000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति बी ए प्रतिष्ठा अंग्रेजी के टॉपर से सम्मानित की जाएगी, जिन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है और हिंदू कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। छात्रवृत्ति देने का आधार मानदंड योग्यता सह साधन होगा।

(ख) 12000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति बी एससी के टॉपर को प्रदान की जाएगी। प्रतिष्ठा रसायन विज्ञान, जिन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की है और हिंदू कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। छात्रवृत्ति देने का आधार मानदंड योग्यता साधन होगा। छात्रवृत्ति प्रदान करने के मूल मानदंड योग्यता-सह साधन होंगे।

30. अमित प्रसाद स्मृति छात्रवृत्ति - 12000/- रुपये की छात्रवृत्ति योग्यता सह साधन के आधार पर बी ए (प्रतिष्ठा) अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तथा तृतीय वर्ष सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दी जाती है।

31. सरोज बाला मालिक छात्रवृत्ति - 12000/- रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ योग्यता के आधार पर विज्ञान के तृतीय वर्ष के छात्रों को दी जाती है।

32. एस हरबंस सिंह अर्थशास्त्र के लिए वित्तीय सहायता - 5300/- रुपये छात्रवृत्ति योग्यता सह साधन के आधार पर बी ए (प्रतिष्ठा) अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तथा तृतीय वर्ष के सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दी जाती है



THE FOLLOWING SCHOLARSHIPS ARE AWARDED TO STUDENTS.

1. Premvati Raghubir Singh Scholarships – Two scholarships of the value of Rs. 600/-, awarded every year among the resident students who have obtained a First Division in the last examination taken and are in need of financial help. The scholarship money may be utilized for the payment of hostel charges, purchase of books etc.

2. R.B.Ram Kishan Dass Scholarships - Twenty-five scholarships of the value of Rs. 600/- each, out of a donation made by R.B.Ram Kishan Dass, awarded every year to needy and deserving students of the College provided they have secured at least 55% marks in the last examination taken and are not recipients of any other scholarship. Scholarship will usually be tenable for one year.

3. Ch. Bhagwan Sahai Chauhan Memorial Scholarship - (a) One scholarship of Rs. 250/-, awarded every year to the student joining M.A. Sanskrit/Hindi(Prev. and Final) securing the highest marks amongst those getting a First Division.

(b) One Scholarship, of Rs. 250/-, awarded every year to a Chauhan Raj put student of B.A (H) 1/II/III year of Arts / Humanities who has Secured a good division in the last examination

4. Rai Achhru Ram Scholarships – Four scholarships, of Rs. 850/- each, awarded every year on merit to M.A/M.Sc. Students of the College. Two scholarships are for the Previous, and two for the Final year, respectively. They will in the first instance, be awarded to students securing the highest percentage of marks at least a second division in the examination concerned. In the absence of suitable students, the scholarships may be awarded to students fulfilling the required condition. In the absence of suitable students, these may be awarded to other college students possessing the necessary qualification.

5. S.P. Raina Memorial Scholarship – One scholarship, of the value of Rs.350/- . In the memory of late Shri. S.P.Raina, Senior Faculty in English, Hindu College, Delhi, awarded every year to a B.A (H) III year student of Arts / Humanities /Commerce on the basis of performance in the University examination in 1st and 2nd year and who is not a recipient of any other Government, University or College scholarship. The scholarship will be awarded on the basis of merit (Preferably to a student with a First Division) cum means.

6. Ganpat Rai Gopal Devi Merit Scholarship – Two scholarships of the value of Rs. 500/- each, awarded every year to B.A (H) History III year students on the basis of their performance in parts I and II of the University examinations (Preferably to those who have secured a First Division)

7. Lala Prem Lal Gupta Memorial Scholarship – One scholarship of the value of Rs. 250/- out of the donation made by Shri Hans Raj Gupta in the memory of his father, Late Lala Prem Lal Gupta, awarded every year on a merit-cum means basis.

8. Jeevan Lal Khanna Memorial Scholarships – Two scholarships of the value of Rs. 1350/- each awarded every year on a merit –cum –means basis to Science Students. If no science student, or only one fulfills the conditions, the remaining scholarships may be awarded to Arts Students.

9. Mrs. Kailashwati Khanna Scholarship- A scholarship of Rs. 350/- for a Year.

10. Nangia Scholarship – A scholarship of Rs. 350/- for a year.

11. Rajiv Mehra Memorial Scholarship- A scholarship of Rs. 250/- awarded every year to a needy and deserving student who is not a recipient of any Government, University, College Scholarship or any other scholarship, and it is usually tenable for one year.

(b) One scholarship of the value of Rs. 2800/- every year will be awarded to a B.Com (H) IIIrd year student, the topper of IInd year University exam securing at least 75% marks in 1st attempt.

12. Master Sheoprasad Memorial Scholarship – A scholarship, of Rs. 8000/- per year for a year, awarded to a B.A/B.Sc. Mathematics student of II/III year on merit-cum-means basis.

13. Dr. Deepak Kumar Sinha Memorial Scholarship – A scholarship of Rs. 500/- per awarded every year to a student of B.A(H) Hindi Final year on merit-cum-means basis.

14. O.P. Kaushik Memorial Scholarship – A scholarship of Rs. 500/-, awarded every year.

15. Dr. S.S.Gulshan Scholarship –

(A) One scholarship of Rs. 2500/- for a year, awarded to the B.Com (H) III rd year student who secures First Position in the part II Examination.

(b) One scholarship, of Rs. 2500/- for a year, awarded to a poor student of B.Com (H) III year who has secured at least 50% marks in the part II Examination. Attested the BPL/PR/PRS/AAY) Ration Card.

16. Prof. Brij Verma (w/o Mr. P.C.Verma, Principal, 1980- 1995) Memorial Scholarship – One scholarship of Rs. 5500/- will be awarded every year to a student on the basis of ‘merit-cum-need’ of Humanities/ Social Science, with preference to a student of Hindi (Hons.) 1/II/III/ year. The awarded should be a First Class who is in need of financial help.

17. Prof. R.R. Gupta Memorial Scholarship : One scholarship of the value of RS. 6200/- will be awarded a needy and meritorious student of B.A (Hons) English final year on the basis of 2nd year result performance.

18. Dr. (Miss) Usha Aggarwal Scholarship - One scholarship of the value of Rs. 3500/- will be instituted for per Annam year to B.Com (Hons) students.

19. Smt. Roshan Devi Marwah and Sh. Dina Nath Marwah (Parents) and Dr. Pran Nath Marwah (Donor Son) Memorial Scholarship Four scholarships of Rs. 3000/- each will be awarded every year to B.Sc (H) students of III & IV Semester (combined) and V & VI Semester (combined) on the basis of 'Merit Cum Means'.

20. Surendra & Karen Gupta ARC Foundation

Four scholarships of Rs. 10000/- each will be awarded every year to students who secure first position in the University Examination of B.Sc (Hons) in Chemistry and Physics, III & IV Semester (combined) as well as Bachelor's with honors in Chemistry and Physics Major Disciplines, I & II Semester (Combined) Nikhil Yadav Memorial

21. Two Scholarship of Rs. 5000/- each will be awarded to B.Com (Hons) Students

23. S.K. Mishra Memorial One Scholarship of Rs. 5000/- will be awarded to student of B.Com (H) 3rd year student on the merit cum means basis (on the basis of 2nd year performance.)

24. Late Shri Ram Kishan Das Jain Memorial Two Scholarship of Rs. 2500/- each one for first yr. student and one for Second yr. student will be awarded to the student of B.Sc (Hons) Mathematics.

25. Dr. B.M. Bhatia Scholarship One Scholarship of Rs.5200/- for student attaining maximum marks in B A (Hons) Economics 1st year.

26. Deepak Sinha Memorial Scholarship- Two Scholarship of Rs.8500/- each. One student of MA (Previous) Hindi and One Student of MA (Final) Hindi, who have passed the under graduate examination from Hindu College. The basic criteria of awarding the scholarship will be merit-cum-means.

27. Sanjay Shrivastava Scholarship One Scholarship of Rs. 8000/- each will be awarded to the topper of 1st year, 2nd year and 3rd year student of B.A (Hons) History.

28. Sangeeta Negi :- One Scholarships of Rs.2000/- each will be awarded to the topper of 1st year, 2nd year student of B.Sc (H) Chemistry

29. Chandra Bisaria Merit Scholarship :- (a) One Scholarship of Rs. 12000/- will be awarded to the topper of B. A (Hons) English, who have passed the under graduate examination from Hindu College and taken admission in the Post graduate course in Hindu College the Basis criteria of awarding the scholarship will be merit cum means.

(b) One Scholarship of Rs. 12000/- will be awarded to the topper of B.Sc (Hons) Chemistry, who have passed the under graduate examination from Hindu College and taken admission in the Post graduate course in Hindu College. The basis criteria of awarding the scholarship will be merit cum means.

30. AMIT PRASAD MEMORIAL SCHOLARSHIPS :- One scholarship of Rs. 12000/- each will be awarded on the basis of merit cum means to One 1st year, One 2nd year, and One 3rd year Student of B.A(H) Economics

31. SAROJ BALA MALIK SCHOLARSHIP:- Two scholarship of Rs. 12000/- each will be awarded to Science students of 3rd year on the basis of merit.

32. S. HARBNANS SINGH FINANCIAL ASSISTANCE FOR ECONOMICS :- One scholarship of Rs. 5300/- each will be awarded on the basis of merit cum means One 1st year, One 2nd year, and One 3rd year Student of B.A(H) Economics.

FINANCIAL AID

1. Books for needy students.
2. Counselling services for physically challenged students.
3. College fee concessions are given to needy and deserving students on the basis of their performance in the last examination taken. Students desirous of getting concession should apply to the College office on the prescribed form.
4. Scholarship for Scheduled Caste/Tribe students-Students belonging to scheduled castes, scheduled tribes and other backward classes, recognized as such by the Government of India, are awarded scholarship by their respective State Governments. Such students are required to apply to the State Government concerned on prescribed forms through the Principal immediately after joining the College.

ALL INDIA ENTRANCE SCHOLARSHIP EXAMINATION

Delhi University holds a competitive examination in Delhi in the month of October each year for the award of the above scholarships, which are 50 in number. Each scholarship is of the value of ` 250/- per month tenable for three years for pursuing an Honours Degree Course in the University.

The competition is open to students who have passed the S.S.C. Exam (under 10+2 pattern of Education) from the C.B.S.E., New Delhi, or an examination equivalent thereto with 55% marks in aggregate.

OTHER DISTINCTIONS/ AWARDS/ HONOURS

Mark of Distinction will be awarded to the outstanding sports students of the year, subject to the attainment of a minimum standard laid down for the purpose.



ATTENDANCE AND DISCIPLINE

HELPLINE COUNSELLING SERVICES

Delhi University under its Population Education Resource Centre has started Helpline Counselling Services on HIV, AIDS, Sexuality, Drug Abuse and Adolescent issues. Services will be available on 27667280, 27667225/303 from 9.50 am to 5.00 pm. (Monday to Friday). College offer a Counselling Services during college hours.

Teaching for all classes shall commence as per the academic calendar of the University of Delhi. Except on holidays, and during vacations, teaching (lectures, tutorials /preceptorials) will take place on six days every week from Monday to Saturday according to a notified weekly timetable for each course.

IDENTITY CARD

Every student of the college is issued an Identity Card which he/she is expected to carry with him/her at all times. He / She will have to produce it whenever demanded. Students should collect their new Identity Cards at the beginning of the new academic session. The Identity Card must be surrendered at the time of leaving the College.

In case of loss of Identity Card, a duplicate card can be issued from the office on payment of `400/-. For this, the student shall first lodge an FIR at a Police Station.

ATTENDANCE RULES

In order to be eligible to appear at a University Examination every student has to attend a minimum of two third of the total number of lectures delivered at the college in all subjects as also in Tutorials/Preceptorials, as the case may be, taken separately in each Semester. The University Ordinance VII, Clause 2-A, Part (ii) states that the College shall have power to strike off the name of a student who is irregular in attendance or when the absence of the student is for such a long period that he/she cannot put in the requisite percentage of attendance. These rules are strictly followed. Parents/ Guardians are advised to periodically meet teachers of their wards to know the progress of their ward in studies and punctuality in attending classes.

Note: Late admission, if granted, is entirely at the risk of the students concerned and no concession in regard to attendance is allowed. Attendance will be calculated from the date the College re-opens after the summer vacation.

When a student is required to represent the College in competitive events - sports, cultural activities and debates sponsored by the College - he/she must apply for permission in advance, in writing to the Principal.

Exemption from attendance for other reasons may be granted only if permitted by the Principal in writing. Such permission must be obtained well in advance and not at the time of examination.

Application for leave of absence due to sickness/ hospitalisation must be supported by a medical leave and fitness certificate from a recognised medical practitioner, and should reach the Principal within a week of the student re-joining college on the expiry of leave.

उपस्थिति नियमावली

विश्वविद्यालय की परीक्षा में उपस्थित होने के लिए न्यूनतम उपस्थिति कुल उपस्थिति की दो तिहाई होना आवश्यक है। जो कालेज द्वारा ली गयी हो। प्रत्येक विषय तथा छमाही की उपस्थिति अलग-अलग मान्य होगी। ट्यूटोरियल या प्रेसेप्टेरियल में भी यही नियम लागू होगा। विश्वविद्यालय आर्डिनेंस टिक्लनज़ २- ए खण्ड (पप) कालेज को यह अधिकार होगा कि उस विद्यार्थी का नाम हटा दे जिसकी उपस्थिति अनियमित रही हो अथवा लम्बे समय से अनुपस्थित हो / वह उपस्थिति की प्रतिशतता के लिए प्रार्थना पत्र नहीं प्रस्तुत कर सकता इन नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा। माता-पिता / अभिवाक को यह सुझाव दिया जाता है कि वह उपस्थिति के संबंध में संबंधित विभाग के असयापक से अपने विद्यार्थी के प्रगति और उपस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

नोट : यदि विलम्ब से नामांकन होता है तो इस सन्दर्भ में सम्बन्धि विद्यार्थी अपनी जिम्मेवारी पर प्रवेश ले, अनुपस्थिति के सम्बन्ध में कोई छूट नहीं मिलेगी। उपस्थिति की गणना ग्रीष्म कालीन अवकाश के बाद कालेज प्रारम्भ होने की तिथि से की जायेगी।

जब विद्यार्थी / छात्र / छात्र कालेज द्वारा आयोजित किसी प्रतियोगिता जैसे - खेल, सांस्कृतिक गतिविधि या वाद-विवाद प्रतियोगिता में सम्मिलित हो रहा है तो उसे महाविद्यालय / कालेज के प्राचार्य से लिखित अनुमति लेनी आवश्यक है।

किसी अन्य कारण से उपस्थिति में छूट प्राचार्य से लिखित अनुमति के बाद ही मिल सकती है। यह अनुमति अग्रिम प्राप्त करनी होगी, परीक्षा के समय नहीं।

स्वास्थ्य संबंधित छुट्टी हेतु आवेदन चिकित्सक प्रमाण पत्र के साथ कालेज वापसी के साथ उसी सप्ताह में दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रामाणिक चिकित्सक का ही मान्य होगा।

INTERNAL ASSESSMENT

As per the decision of the University of Delhi, with effect from the academic year 2003-2004, 25% of the marks in each course would be awarded to students on the basis of Internal Assessment. (Please refer to Ordinance VIII-E of the University of Delhi for third year.) For internal assessment details for UGCF (NEP) for first year and second year, please refer to the Delhi university website.

RULES OF DISCIPLINE

1. Students are responsible for their conduct to the Principal and are prohibited from doing anything either inside or outside the college that will amount to a breach of discipline or interference in the discipline and normal working of the college. A student shall be liable to disciplinary action for violation of any of the rules of discipline. Disciplinary action may involve warning and/or suspension from classes, from the examination, from use of the College Library or even from the College as such, or any such action as provided for in Ordinance XV (B), XV(C) and XV (D) of the Rules of Discipline of the University of Delhi.

2. Students shall conduct themselves in a polite manner, both towards the members of the staff (teaching and administrative) and towards their fellow students. Insubordination, unbecoming language or ungentlemanly conduct including teasing etc., shall be severely dealt with.

3. Students shall maintain perfect silence during the class and desist from demonstration of disorderly behavior.

ORDINANCE XV-B of the University of Delhi

Maintenance of Discipline among Students of the University

1. All powers relating to discipline and disciplinary action are vested in the Vice- Chancellor.

2. The Vice-Chancellor may delegate all or such power as he/she deems proper to the Proctor and to such other persons as he/she may specify in this regard.

3. Without prejudice to the generality of power to enforce discipline under the Ordinance, the following shall amount to acts of gross indiscipline:

(a) Physical assault or threat to use physical force against any member of the teaching and non-teaching staff of any Institution/Department and against any student within the University of Delhi;

(b) Carrying of, use of, or threat to use of any weapon;

(c) Any violation of the provisions of the Civil Right Protection Act, 1976;

(d) Violation of the status, dignity and honour of students belonging to the Scheduled castes and tribes;

(e) Any practice- whether verbal or otherwise-derogatory of women;

(f) Any attempt at bribing or corruption in any manner;

(g) Willful destruction of institutional property;

(h) Creating ill-will or intolerance on religious or communal grounds;

(i) Causing disruption, in any manner, of the of the academic functioning of the university system;

(j) Ragging as per Ordinance XV-C.

4. Without prejudice to the generality of his/her powers relating to the maintenance of discipline and taking such action in the interest of discipline as may "seem to him appropriate", the Vice Chancellor may, in the exercise of his/her powers aforesaid, order or direct that:

(a) any student or students be expelled; or

(b) any student or students be, for a stated period, rusticated; or

(c) be not for a stated period, admitted to a course or courses of study in a college, department or institution of the University; or

- (d) be fined with a sum of rupees that may be specified; or
- (e) be debarred from taking a University or College or Departmental Examination or Examinations for one or more years; or
- (f) that the result of the student or students concerned, in the Examination or Examinations in which he/she or they have appeared be cancelled.

5. The Principals of the Colleges, Heads of the Halls, Deans of the Faculties, Heads of Teaching Departments in the University, the Principal, School of Correspondence Courses and Continuing Education and Librarians shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over students in their respective Colleges, Institutions, Faculties and Teaching Departments in the university as may be necessary for the proper conduct of teaching in the Institutions, Halls and teaching in the concerned Departments. They may exercise their authority through, or delegate authority to, such of the teachers in their Colleges, Institutions or Departments as they may specify for these purposes.

6. Without prejudice to the power of the Vice-Chancellor and the Proctor as aforesaid, detailed rules of discipline and proper conduct shall be framed. These rules may be supplemented where necessary by the Principals of Colleges, Heads of Halls, Deans of Faculties and Heads of Teaching Departments in this University. Each student shall be expected to provide himself/herself with a copy of these rules.

7. At the time of admission, every student shall be required to sign a declaration that on admission he/she submits himself/herself to the disciplinary jurisdiction of the Vice-Chancellor and the several authorities of the University who may be vested with the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and the Rules that have been framed there under by the University.

ORDINANCE XV-C OF THE UNIVERSITY OF DELHI

Prohibition of and Punishment for Ragging

1. Ragging in any form is strictly prohibited within the premises of College/Department or Institution and any part of Delhi University system as well as on public transport.

2. Any individual or collective act or practice of ragging constitutes gross indiscipline and shall be dealt with under this Ordinance.

3. Ragging for the purposes of this Ordinance means any act, conduct or practice by which dominant power or status of senior students is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior or inferior by other students and includes individual or collective acts or practices which:

- (a) involve physical assault or threat to use of physical force;

(b) violate the status, dignity and honour of women students;

(c) violate the status, dignity and honour of students belonging to the scheduled caste and tribes;

(d) expose students to ridicule and contempt and affect their self-esteem;

(e) entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behavior.

4. The Principal of a College, the Head of the Department of an Institution, the authorities of College, of University Hostels or Halls of Residence shall take immediate action on any information of the occurrence of ragging.

5. Notwithstanding anything in Clause (4) above, the Proctor may also suo moto enquire into any incident of ragging and make a report to the Vice-chancellor of the identity of those who have engaged in ragging and the nature of the incident.

6. The Proctor may also submit an initial report establishing the identity of the perpetrators of ragging and the nature of the ragging incident.

7. If the Principal of College or Head of the Department or Institution or the Proctor is satisfied that for some reason, to be recorded in writing, it is not reasonably practical to hold such an enquiry, he/she may so advise the Vice-Chancellor accordingly.

8. When the Vice-Chancellor is satisfied that it is not expedient to hold such an enquiry, his/her decision shall be final.

9. On the receipt of a report under Clause (5) or (6) or a determination by the relevant authority under Clause (7) disclosing the occurrence of ragging incidents described in Clause 3 (a), (b) and (c), the Vice-Chancellor shall direct or order rustication of a student or students for a specific number of years.

10. The Vice-Chancellor may in other cases of ragging order or direct that any student or students be expelled or be not, for a stated period, admitted to a course of study in a college, departmental examination for one or more years, or that the results of the student concerned in the examination or examinations in which they appeared, be cancelled.

11. In case any students who have obtained degrees of Delhi University are found guilty under this Ordinance, appropriate action under Statute 15 for withdrawal of degrees conferred by the University shall be initiated.

12. For the purpose of this Ordinance, abetment to ragging will also amount to ragging.

13. All institutions within the Delhi University system shall be obligated to carry out instructions/ directions issued under this Ordinance, and to give aid and assistance to the Vice- Chancellor to achieve the effective implementation of the Ordinance.

ORDINANCE XV-D of The University of Delhi

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013
(MINISTRY OF LAW AND JUSTICE)

An Act to provide protection against sexual harassment of women at work place and for the prevention and redressal of complaints of sexual harassment and for matters connected there with incidental thereto.

WHEREAS sexual harassment results in violation of the fundamental rights of a woman to equality under articles 14 and 15 of the Constitution of India and her right to life and to live with dignity under article 21 of the Constitution and right to practice any profession or to carry on any occupation, trade or business which includes a right to a safe environment free from sexual harassment.

AND WHEREAS the protection against sexual harassment and the right to work with dignity are universally recognized human rights by international conventions and instruments such as Convention and the Elimination of all forms of discrimination against Women, which has been ratified on the 25th June, 1993 by the Government of India.

AND WHEREAS it is expedient to make provisions for giving effect to the said Convention for protection of women against sexual harassment at workplace.

For details, please see the website <https://wcd.nic.in/sites/default/files/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf>

COMPULSORY TEST IN HINDI (CTH) (ORDINANCE V. A. A.)

The Examination in Compulsory Test in Hindi may be taken at the end of the First / Second or subsequent Year but no person shall be declared to have passed any of the Degree Examination named in Sub-Clause (i) or Clause 2-A of Ordinance – V unless he / she has passed the Examination in Hindi or has been exempted under Sub-Clause (ii) below. The marks required to pass the Examination shall be 33% as per university rules.

1. XXX students of the university who are Non-Indian Nationals, be exempted from the Compulsory Test in Hindi.
2. XXX students from Nagaland may be exempted from the Compulsory Test in Hindi.
3. XXX the students belonging to Mizoram Schedule Tribe be exempted from passing the Compulsory Test in Hindi
4. XXX the students belonging to Sikkim, be exempted from the Compulsory Test in Hindi.
5. XXX the students belonging to Khasi Hills Tribe be exempted from passing the Compulsory Test in Hindi.
6. XXX the students belonging to Manipur be exempted from taking and passing the Compulsory Test in Hindi.

Accordingly, all the students (except above mentioned categories) admitted to any degree course in the college who have not already passed the Senior School Certificate Examination, the Higher Secondary Examination, the qualifying examination or an examination recognized as equivalent there to or the Intermediate Examination with Matriculation / High School Examination or 8th class Examination with Hindi as one of the subjects, will be required to pass a compulsory test in Hindi. They will not be entitled to the Degree unless they pass this test as well.

Students are required to appear for both papers of the Compulsory Test in Hindi (CTH), i.e., odd and even semester papers. They may appear for the odd semester paper in Semester I / III / V and the even semester paper in Semester II / IV / VI, as per university schedule. Please note that only be attempted after the first semester paper is complete, as per rules.

S. No.	Semester	Unique Paper Code (UPC)	Paper Name
1	I	02053124	वार्तालाप तथा देवनागरी लिपि
2	II	02053224	व्यवहारिक व्याकरण तथा रचना

Note: Foreign students, students who have studied Hindi up to class 8th and beyond or passed an equivalent examination and students from North Eastern States, as indicated above, are exempted from Compulsory Test in Hindi (CTH), as per university rules.

Ordinance IX: Classification of Results

2. (1) Any candidate who has obtained the requisite percentage of marks for passing the final examination for a degree, but has not passed, or otherwise has not been exempted from the Compulsory Test in Hindi, may be admitted to a Supplementary Examination to be held in September in the same year or at a subsequent examination and if he passes the Compulsory Test in Hindi, he shall be declared to have passed the degree examination in that year.



Smt. Indu Punj Girls' Hostel **HINDU COLLEGE**

Prof. Anuradha Sharma, Warden – Girls' hostel

With an illustrious history spanning about 120 years, the College attracts highly talented students for its Under-Graduate and Post-Graduate programmes. Taking note of the need for a residential facility for female students of Hindu College, a four-storeyed structure was constructed in the College campus. The student residence for the Girls of the College, which became fully functional from the Academic session 2017-18, was formally inaugurated by Mr. Hardeep Singh Puri, the minister of state for Housing and Urban Affairs. We are proud to have a body of girl students who are whole heartedly devoted to the value of excellence as its residents. All the residential rooms are air-conditioned. Round-the-clock security is provided with security guards at the main gates of



the hostel. There are CCTV cameras to ensure the safety of the residents at all times. The Hostel has a common room on the Ground Floor where residents can read daily newspapers and magazines, and play indoor games. Television with cable facilities is also provided. The Hostel has a badminton court and an open air space for other recreational activities. Other amenities include a spacious kitchen with modern facilities, a common dining hall, a medical room and common rooms on each floor, which are being used as reading rooms and conference rooms by the students. Each floor has been provided with a well-equipped Pantry for off time self-preparation of snacks/refreshments. There are water coolers on every floor. The Laundry rooms on each floor are fitted with fully automatic washing machines and the Laundry stands. A round-the-clock Lift service ensures the smooth movement of the students on different floors.

In keeping with the commitment to the environmental issues, a Solar Water heating system has been installed on the roof top of the Hostel. Great care is being taken to keep the entire place neat and tidy.

The Hostel offers fee waiver for its PwD residents. For students coming from different states and diverse backgrounds, the Student Residence for Girls is thus a very comfortable space – 'A Home away from Home'.

छात्रावास

श्रीमती इंदु पुंज महिला छात्रावास हिन्दू कॉलेज

प्रो. अनुराधा शर्मा, वार्डन, महिला छात्रावास

123 वर्षों के शानदार इतिहास के साथ हिन्दू कॉलेज अपने अंडर-ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट कार्यक्रमों के लिए अत्यधिक प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करता रहा है। हिन्दू कॉलेज की महिला छात्रों के लिए आवासीय सुविधा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज परिसर में एक चार मंजिला संरचना का निर्माण किया गया था। कॉलेज की लड़कियों के लिए छात्रावास की सुविधा का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र 2017-18 से पूरी तरह शुरू हो गया। इस महिला छात्रावास का औपचारिक उद्घाटन आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने किया था। हमें उन छात्राओं के समूह पर गर्व है जो इसके निवासियों के रूप में उत्कृष्टता के मूल्य के प्रति पूरे दिल से समर्पित हैं। सभी आवासीय कमरे वातानुकूलित हैं। छात्रावास के मुख्य द्वारों पर सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे गार्ड उपलब्ध हैं। हर समय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे हैं। हॉस्टल में ग्राउंड फ्लोर पर एक कॉमन रूम है जहां निवासी दैनिक समाचार पत्र और पत्रिकाएं पढ़ सकते हैं और इनडोर गेम खेल सकते हैं। केवल सुविधाओं के साथ टेलीविजन भी प्रदान किया गया है। छात्रावास में एक बैडमिंटन कोर्ट और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक खुली जगह है। अन्य सुविधाओं में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक विशाल रसोईघर, एक सामान्य भोजन कक्ष, एक चिकित्सा कक्ष और प्रत्येक मंजिल पर सामान्य कमरे शामिल हैं, जिनका उपयोग छात्रों द्वारा वाचनालय और सम्मेलन कक्ष के रूप में किया जा रहा है। प्रत्येक मंजिल पर नाश्ते/जलपान की स्व-तैयारी के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित पेंट्री प्रदान की गई है। हर मंजिल पर वाटर कूलर हैं। प्रत्येक मंजिल पर लॉन्ड्री रूम पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन और लॉन्ड्री स्टैंड से सुसज्जित हैं। चौबीसों घंटे चलने वाली लिफ्ट सेवा विभिन्न मंजिलों पर छात्रों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करती है।



पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, महिला छात्रावास की छत पर एक सौर जल तापन प्रणाली स्थापित की गई है। पूरे स्थान को साफ-सुथरा रखने का बहुत ध्यान रखा जा रहा है।

छात्रावास अपने दिव्यांग निवासियों के लिए शुल्क में छूट प्रदान करता है। विभिन्न राज्यों और विविध पृष्ठभूमियों से आने वाली छात्राओं के लिए यह छात्रावास एक बहुत ही आरामदायक स्थान है - 'घर से दूर एक घर'।

Boy's Hostel, Hindu College

पुरुष छात्रावास, हिन्दू कॉलेज

पुरुष छात्रावास विस्तार हेतु बंद है।

BOY'S HOSTEL IS CLOSED FOR EXPANSION.

पुस्तकालय

हिन्दू कॉलेज पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज पुस्तकालयों में सबसे पुराने पुस्तकालयों में है। यह 1899 में कॉलेज की स्थापना के साथ ही अस्तित्व में आया। हिन्दू कॉलेज पुस्तकालय पूरी तरह से एयर कंडीशन और कंप्यूटरीकृत है। पुस्तकालय सभी कक्षाओं के प्रामाणिक छात्रों के लिए खुला है। सभी महत्वपूर्ण पाठ्यपुस्तकों को संरक्षित खंड में रखा गया है ताकि छात्र अपने ट्यूटोरियल लिख सकें। इसके साथ ही एक सुसज्जित पठन कक्ष भी है, जिसमें विभिन्न विषयों पर उचित संख्या में दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र, सं सामयिक पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।

सदस्यता

कॉलेज के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी पुस्तकालय के सदस्य बनने के हकदार हैं।

सेवाएं:

ऋण विशेषाधिकार

स्नातक छात्रों के लिए	05 पुस्तकें	14 दिन
स्नातकोत्तर छात्रों के लिए	06 पुस्तकें	14 दिन
शिक्षण स्टाफ	35 पुस्तकें	30 दिन
गैर-शिक्षण स्टाफ	05 पुस्तकें	14 दिन

संदर्भ सेवा

संदर्भ सेवाएं उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यक जानकारी प्राप्त करने और पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का पूरा उपयोग करने में सहायता करने के लिए होती हैं। इसमें शामिल हैं:

1. सूचना संसाधनों और सेवाओं के उपयोग में मार्गदर्शन।
2. NLIST का उपयोग कैसे करें।
3. OPAC का उपयोग कैसे करें इत्यादि के लिए निर्देश।

फोटोकॉपी सेवा

पुस्तकालय छात्रों और कर्मचारियों को पुस्तकालय में उपलब्ध दस्तावेजों से लेख/पाठ की फोटोकॉपियां प्रदान करने में मदद करता है। इसके लिए उपयोगकर्ता अपने पुस्तकालय कार्ड को देकर वांछित दस्तावेज को जारी करवा सकता है और उसे विक्रेता से फोटोकॉपी करवाने के बाद तत्काल वापस कर सकता है।

नयी पुस्तकें दिखाने की सेवा

पुस्तकालय में नवीनतम खरीदी गई पुस्तकें ऋण के लिए जारी किए जाने से पहले नए आगमन रैक पर प्रदर्शित की जाती हैं।

पुस्तक/पुस्तकों का आरक्षण

पुस्तकों की अधिक मांग और जो पुस्तकें आमतौर पर इशू रहती हैं, उन्हें उपयोगकर्ता द्वारा इशू/रिटर्न काउंटर पर आरक्षित किया जा सकता है।

OPAC सेवा

OPAC सेवा आपको पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की खोज लेखक, शीर्षक, और कीवर्ड आदि से खोजने में सहायता करता है।

इंटरनेट सेवा

पुस्तकालय वाई-फाई सक्षम है और उपयोगकर्ता इंटरनेट तथा NLIST और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं।



Hindu College Library is one of the oldest among Delhi University college libraries. It came into existence along with the foundation of the college in 1899. Hindu College Library is fully Air conditioned and computerized. The library is open to bonafide students of all the classes. All important textbooks are kept in the Reserve Section to enable the students to write their tutorials. There is a well-equipped Reading Room, which subscribes to a large number of dailies, weeklies, periodicals/journals and magazine on a variety of subjects.

MEMBERSHIP

Students, teachers and other members of the staff of the college are entitled to become member of the library.

SERVICES:

LOAN PRIVILEGE

For Under Graduates Students	05 Books	14 Days
For Post Graduates Students	06 Books	14 Days
Teaching Staff	35 Books	30 Days
Non- Teaching Staff	05 Books	14 Days

REFERENCE SERVICE

Reference Services It is to assist users in getting their required information and make full use of the resources in the library. It includes:

- **Guidance in the use of information resources and services.**
- **How to use NLIST.**
- **How to use OPAC.**

PHOTOCOPYING SERVICE

The library helps in providing photocopies of articles/text to students and staff members from documents available in the library. For this purpose user may get the desired document issued against his/her library card and return the same immediately after getting it photocopied from the vendor.

NEW ARRIVAL DISPLAY SERVICE : Books newly added to the library are displayed on the New Arrival Display Rack before they are released for loan.

RESERVATION OF BOOK(S) : Books in great demand and which generally remain under issue can be reserved by user on the circulation counter.

OPAC SERVICE : The OPAC allows you search for an item of your choice in Library holdings by Author, Title, and Keyword etc.

INTERNET ACCESS : Library is Wi-Fi enabled and user can access Internet and e-journals and e-books through NLIST and University of Delhi.

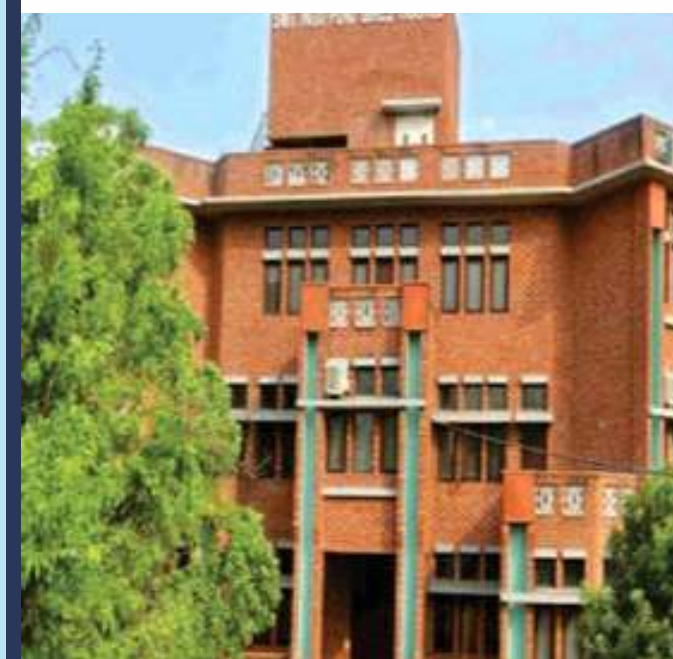
THE RECENT INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

IN THE LAST FEW YEARS, THE FOLLOWING INFRASTRUCTURE WAS ADDED TO THE COLLEGE:

Smt. INDU PUNJ GIRL'S HOSTEL

THE SANGANERIA BLOCK

THE RESEARCH CENTRE



RESEARCH FELLOWSHIPS

The Hindu College Management, to encourage and stimulate the faculty and students at the college, has initiated two schemes of Research Fellowships.

DR. B. M. BHATIA MEMORIAL RESEARCH FELLOWSHIP

Dr. Bhatia fellowship is to encourage teachers to take up research and contribute to economic development of country. The fellowship is to be awarded on the basis of guidelines framed by management of the college.

SHRI RAJ KUMAR BHARGAVA RESEARCH FELLOWSHIP

The fellowship instituted by RAJ BHARGAVA FOUNDATION will be granted to the students for research in Social Sciences based on guidelines framed by the college and the Foundation.

More details about the above fellowships can be obtained from college office.

INNOVATION COUNCIL

Ministry of Education, Govt. of India has established an 'Innovation cell' with a purpose of systematically fostering the culture of Innovation in all Higher Education Institutions (HEIs) across the country. Hindu College innovation council (HCIC) has been established under Innovation cell in the year 2018. Its primary role is to engage large number of faculty, students and staff in various innovation and entrepreneurship related activities such as ideation, Problem solving, Proof of Concept development, Design Thinking, IPR, project handling and management at

Preincubation/Incubation stage, etc., so that innovation and entrepreneurship ecosystem gets established and stabilized in the college. It also organizes Hindu college fortnightly Lecture Series (HFLS), an interactive series which involves national and international speakers on the fields like innovation, entrepreneurship, intellectual property right etc. Latest is the establishment of the Hindu College innovation and startup council (HCISC) whose role is promote start-ups and under startup policy of Hindu college both faculty and students are encouraged to think out of box and venture for startups.



PROMOTING SCIENCE AND INNOVATION

Hindu College provides an excellent opportunity to motivate faculty and undergraduate students enthusiastic about research. The teachers and students of college from various departments are involved in collaborative research in interdisciplinary topics. Following are the details of research projects granted and funded by college in the year 2020 and are still continuing.



STUDENTS ACTIVITIES/ ENGAGEMENTS

INDRAPRASTHA - COLLEGE MAGAZINE

The College magazine "INDRAPRASTHA" publishes articles by students and reports of the educational, cultural, social and sports activities of the College. Each section of the magazine is edited by a Student Editor under the supervision of a member of the teaching staff.

इन्द्रप्रस्थ-कॉलेज पत्रिका

'इन्द्रप्रस्थ' कॉलेज की वार्षिक पत्रिका है, जो विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करती है। साथ ही कॉलेज की अकादमिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं खेलकूद संबंधी गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट भी इसमें प्रकाशित की जाती है। इस पत्रिका के प्रत्येक खंड का सम्पादन किसी शिक्षक के मार्गदर्शन विद्यार्थियों द्वारा ही किया जाता है।

THE COLLEGE PARLIAMENT

The Hindu College Parliament is a unique student organisation in the country. All the students and teachers of the College are its members. The students elect the Prime Minister from amongst themselves at the beginning of the year. There is also a Leader of the Opposition. The Speaker of the Parliament is a teacher nominated by the Principal in his/her capacity as the President of the Hindu College Republic.

The College Parliament is a forum for discussions on academic and other issues. It is an excellent training ground for public speaking and leadership qualities. It allocates funds to the various societies.

कॉलेज-संसद

हिंदू कॉलेज पार्लियामेंट देश का एक अनोखा छात्र संगठन है। महाविद्यालय के सभी छात्र एवं शिक्षक इसके सदस्य हैं। वर्ष की शुरुआत में छात्र अपने बीच से प्रधानमंत्री का चुनाव करते हैं। विपक्ष के नेता भी हैं। संसद का अध्यक्ष हिंदू कॉलेज गणराज्य के अध्यक्ष के रूप में प्राचार्य द्वारा नामित एक शिक्षक होता है। कॉलेज पार्लियामेंट अकादमिक और अन्य मुद्दों पर चर्चा का एक मंच है। यह सार्वजनिक रूप से बोलने और नेतृत्व गुणों के लिए एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण मैदान है। यह विभिन्न समाजों को धन आवंटित करता है।

MECCA - ANNUAL CULTURAL FESTIVAL

The Annual cultural festival called Mecca highlights the secular character of the College. It has been successfully celebrated since 1973 and witnesses large scale participation of students across the University. Mecca is the highlight of the calendar - the single biggest stage for students to express themselves and act as heirs of the rich tradition of this college.

मेक्का - वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव

हिंदू कॉलेज का वार्षिकोत्सव 'मेक्का' इसके धर्मनिरपेक्ष चरित्र का प्रतिनिधित्व करता है। वर्ष 1973 से इसका सफल आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूरे विश्वविद्यालय से बड़ी संख्या में विद्यार्थी भाग लेते हैं। मेक्का कॉलेज की समृद्ध परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रहे छात्रों की सांस्कृतिक एवं अकादमिक अभिव्यक्ति का एक बड़ा मंच है।



JOINT CONSULTATIVE COMMITTEE (JCC)

The Joint Consultative Committee, consisting of re-presentatives of students and teachers from different departments is the main consultative body for all important matters concerning the curricular and extra-curricular activities in the College. It meets frequently with the Principal in the Chair.

संयुक्त सलाहकार समिति

संयुक्त सलाहकार समिति में विभिन्न विभागों से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व होता है। पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए यह प्रमुख समिति है। प्राचार्य की अध्यक्षता में समय-समय पर इसकी बैठक होती है।

SPORTS

The College has a large ground, available for various sports activities. In addition the College has an excellent Sports Complex that houses a state-of-the-art Gymnasium extensively used by students, teachers and non-teaching staff.

खेल-कूद

विद्यार्थियों के खेलने के लिए कॉलेज में एक सुदीर्घ तथा सुंदर मैदान और उसी से जुड़ा हुआ एक खेलकूद परिसर भी है। इस परिसर में एक समृद्ध व्यायामशाला भी उपलब्ध है, जिसका प्रयोग विद्यार्थी, शिक्षक तथा कॉलेज के अन्य कर्मचारी कर सकते हैं।

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS)

The College has an active and vibrant NSS unit, which facilitates the participation of students in social work.

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

राष्ट्रीय सेवा योजना कॉलेज की एक सक्रिय इकाई है, जो छात्रों को सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती है।



NATIONAL CADET CORPS (NCC)

The college has a NCC wing for the students. It is associated with the Delhi Naval Unit and offers training to students in personality development. The students will have to participate in adventure camps and also will be assigned duties for the Republic and Independence Day parades. On the successful completion of 'C' certificate, the students are entitled to exemption from written examination for officer's jobs in the Defence Services. They get added benefit in marks in their final percentage too.



राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी)

दिल्ली की नौसेना इकाई से सम्बद्ध राष्ट्रीय कैडेट कोर का एक खंड कॉलेज में अत्यंत सक्रिय है, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रशिक्षण के लिए विभिन्न आयोजन करता है। इसके तहत विद्यार्थी कैम्प में तरह-तरह की गतिविधियों में भागीदारी करते हैं तथा गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस के आयोजनों में भी उनको भाग लेने का अवसर प्राप्त होता है। 'सी' प्रमाणपत्र को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लेने पर विद्यार्थी रक्षा-सेवाओं में अधिकारी के पद के लिए लिखित परीक्षा से छूट के अधिकारी होते हैं। इसके साथ ही कुल प्रतिशत में भी उन्हें लाभ प्राप्त होता है।



The students who wish to join the NCC Wing of the college are required to contact Sub Lieutenant Dr. Harinder Kumar, Department of Hindi, Hindu College. Dr. Harinder Kumar is the Associate NCC Officer of the college.

FRIENDS CORNER-THE COUNSELLING CELL

This Society recognizes all students as a valuable "Human Resource". It organizes Interactive Workshops that provide a platform for the students to voice their opinions and discuss topics which interest or concern them. The idea is to spread awareness on key issues, infuse a sense of responsibility and empower the students so that they become responsible, confident and independent individuals, with high levels of self-esteem. Thus, FRIENDS CORNER aims to promote a general feeling of "well-being" among the students and offers personal counseling, if desired, so as to encourage and motivate them to help themselves become efficient and effective individuals.



फ्रेंड्स कॉर्नर

यह समिति प्रत्येक विद्यार्थी को विशिष्ट मानती है। यह समिति संवाद के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन करती है, जहाँ विद्यार्थी अपनी रुचियों और समस्याओं पर बेझिझक अपनी बात रख सकें। महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता पैदा कर विद्यार्थियों में जिम्मेदारी का भाव तथा आत्मविश्वास पैदा करना इस समिति का प्रमुख सरोकार है। फ्रेंड्स कॉर्नर विद्यार्थियों की सामान्य भावनाओं की कद्र करता है और जरूरत पड़ने पर उन्हें व्यक्तिगत तौर पर परामर्श भी दिया जाता है।

Disha- The Placement Cell

Disha, the Placement Cell of Hindu College has been on the fore in bringing about exciting job opportunities for all courses. The cell organizes seminars and workshops on career related matters. With a placement percentage of 95% Disha has essayed a pivotal role in the academic lives of students who wish to get a head start in professional field. Companies like Boston Consultancy Group, Mckinsey & Company, Airtel, S&P Capital, Deloitte, KPMG, Ernst & Young, DE Shaw, Nisar, among many others have been keenly participating in our placement programme over the past few years. Students have to get themselves enrolled as members.



दिशा - प्लेसमेंट सेल

सभी विद्यार्थियों के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में हिन्दू कॉलेज की प्लेसमेंट सेल 'दिशा' की अग्रणी भूमिका रहती है। कैरियर से जुड़े मुद्दों पर 'दिशा' द्वारा समय-समय पर विभिन्न संगोष्ठियों व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। व्यावसायिक क्षेत्रों में अच्छी शुरुआत की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के अकादमिक जीवन में 95% प्लेसमेंट के साथ दिशा ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की है। बोस्टन कंसल्टेंसी ग्रुप, मर्किसे एंड कंपनी, एयरटेल, एस एंड पी कैपिटल, डेलॉइट, केपीएमजी, एर्नस्ट एंड यंग, डीई शॉ, निसार, और कई कंपनियां अन्य के साथ दिशा की प्लेसमेंट गतिविधियों से गहरे तौर पर सम्बद्ध हैं।

ABHYAS

Abbhya is a team of real go-getters who are willing to stop at nothing short of excellence. They not just bring together the best available internship opportunities and help the students develop skills to acquire them! Along with this, Abhyas also believes in standing up for a cause and instilling the mind with transformative ideas. Acting on this belief, the student bring together a unique combination of a marathon, an internship fair and a conference



अभ्यास

अभ्यास वास्तविक उद्यमियों की एक टीम है, जो नई ऊँचाइयाँ पाना चाहते हैं। अभ्यास न केवल बेहतरीन इंटरनशिप के अवसर उपलब्ध करवाता है, बल्कि इन तक पहुँचने के लिए विद्यार्थियों के कौशल विकास में सहायता करता है। इसके साथ-साथ, अभ्यास सामाजिक सरोकारों के पक्ष में खड़े होने और मस्तिष्क को परिवर्तनकारी विचारों के लिए प्रोत्साहित करने में विश्वास रखता है। इस विश्वास पर चलते हुए इस वर्ष हम हिन्दू यूथ समिति के जरिए मैराथन, इंटरनशिप फेयर और सम्मेलन का विशेष संयोजन आयोजित कर रहे हैं, जहाँ शरीर मस्तिष्क और आत्मवृत्त सबके लिए कुछ न कुछ होगा।

WOMEN'S DEVELOPMENT CELL

Women's Development Cell (WDC) of the college plays an active role in making the students aware of the problems faced by women and suggest ways and methods for their development in society. WDC sensitizes the college community on issues pertaining to women's rights, gender parity and empowerment. The cell takes the initiative in organising seminars, workshops, debates, street plays, film screening etc. WDC welcomes both girls and boys as members.

वीमेन डेवलपमेंट सेल

महिलाओं की समस्याओं के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाने में तथा इसके समाधान की ओर अग्रसर करने में वीमेन डेवलपमेंट सेल की महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका होती है। कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षक समुदाय में महिला अधिकारों, महिला सशक्तिकरण तथा लैंगिक समानता आदि मुद्दों के प्रति यह समिति संवेदनशील नजरिया उत्पन्न करने का प्रयास करती है। यह समिति समय-समय पर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, वाद-विवाद तथा फिल्म प्रदर्शन द्वारा महिला विकास के मुद्दों प्रकाश में लाती है। यह समिति में छात्र तथा छात्राओं दोनों का स्वागत करती है।





COLLEGE SOCIETIES

The College organises various extra-curricular activities carried out through different vibrant societies. The societies work under the guidance of a member of teaching faculty (Teacher-in-Charge), appointed by the Principal. The College has the following societies:

विभिन्न सक्रिय समितियों के माध्यम से कॉलेज अनेक पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करता है। प्राचार्य द्वारा नियुक्त किए गए किसी शिक्षक-संयोजक के मार्गदर्शन में ये समितियां अपना कार्य संचालित करती हैं। हिन्दू कॉलेज की प्रमुख समितियां इस प्रकार हैं -

MASQUE- THE ENGLISH DRAMATIC SOCIETY

Masque is the English Dramatic Society of Hindu College. A premier and well-reputed society, it is often the first choice of the freshmen student body. A three-round audition process and dedicated work-ethic have allowed Masque to achieve excellence year after year, a tradition its members have worked tirelessly to uphold. Since 2011, Masque have staged over seventy performances and gone on to place at prestigious competitions in and outside Delhi. Annual Fest we hold our fest Masquerade showcase the best of stage theatre that Delhi has to offer.

मास्क - अंग्रेजी नाट्य-समिति

मास्क कॉलेज की अंग्रेजी नाट्य समिति है। यह प्रतिष्ठित समिति कॉलेज में आये नवागत छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र होती है। तीन चरणों में संपन्न होने वाली इसके ऑडिशन की प्रक्रिया तथा अपने काम के प्रति समर्पण के कारण इस समिति ने साल-दर-साल अपने स्तर की ऊंचाई प्राप्त की है। इसके सदस्यों के अथक परिश्रम ने इसकी परम्परा को जीवित रखा है। 2011 से अब तक इस समिति ने दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर भी अनेक प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में सत्तर से भी अधिक नाटकों का मंचन किया है। प्रत्येक वर्ष यह Masquerade नाम से अपने वार्षिकोत्सव का आयोजन भी करता है।

ALANKAR

Alankar, The Indian Music Society of Hindu College has been an integral part of the institution's cultural life since it was founded in 1998. Alankar has created compositions in some of the most fascinating and soul stirring ragas like Miya Malhar and Bageshree sung by budding musicians who have been the spirit behind the group, leaving their mark on our history book. Alankar is honoured to have been led by some of the most gifted individuals of our generation at Hindu College and blessed to have the best of talent across the Delhi University and the country as its members. Alankar have won accolades and awards at prestigious college events across the country. Annual Music Fest, Harmony, is held in high esteem, amongst the University music circles which helps to imbibe music in everyday life.

अलंकार- भारतीय संगीत समिति

1998 में अपने आरम्भ के साथ ही भारतीय संगीत समिति 'अलंकार' हिन्दू कॉलेज की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है। यद्यपि इस समिति के सभी सदस्य शास्त्रीय संगीत में पारंगत नहीं होते, परन्तु इसकी प्रेरणा का स्रोत भारतीय शास्त्रीय संगीत ही है। बदलते हुए समय में भारतीय शास्त्रीय संगीत की सुदीर्घ परम्परा तथा इसकी अमरता में हमारा विश्वास और भी प्रगाढ़ होता जा रहा है। अलंकार ने मियाँ मल्हार तथा बागेश्री जैसे मंत्रमुग्ध कर देने वाले रागों में बंदिशें तैयार की हैं, जिन्हें नवोदित संगीतकारों ने अपना स्वर दिया है। ये संगीतकार इस समिति की प्रेरणा रहे हैं। हिन्दू कॉलेज की हमारे समय की कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं ने इस समिति का नेतृत्व किया है तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ पूरे देश में यहाँ की प्रतिभाएं फैली हुई हैं। प्रत्येक वर्ष इसके वार्षिक उत्सव 'हारमनी' का भी आयोजन किया जाता है। प्रतिदिन के जीवन में संगीत को आत्मसात करने के प्रयास द्वारा इस समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक नक्शे में अपनी एक पहचान बना ली है।

ARIA - THE WESTERN MUSIC SOCIETY

ARIA, the Western Music Society of Hindu College has been one of the most successful cultural societies of the University of Delhi over the last five years. ARIA's year begins in August with rigorous auditions, a yearly ritual through which the freshers get a chance to join the society. The society is divided into two groups: Acapella (Vocal Group) and Instrumental Band.

The first event on the calendar is usually the College Freshers where ARIA, puts up a splendid show for the new members of the Hindu College family. After this, the society participates in all the prestigious competitions all over the country and also participates in non-competitive gigs and concerts as well. The society has been practicing regularly and participating in almost all the festivals across Delhi University winning accolades and praise in the process.

आरिआ (ARIA) – पश्चिमी संगीत समिति

आरिआ गत पांच वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय की अत्यधिक सफल समितियों में से एक है। अत्यंत चुनौतीपूर्ण ऑडिशन के साथ प्रत्येक वर्ष अगस्त में आरिआ अपना सफर शुरू करती है, जहाँ सभी नवागत इस समिति का सदस्य बनकर एक दूसरे को जानने का अवसर प्राप्त करते हैं। यह समिति दो भागों में विभक्त है- क) एकापेला (A CAPELLA); कंठ संगीत समूह ख) वाद्य बैंड।

समिति का पहला आयोजन अधिकांशतः कॉलेज के नवागतों का स्वागत समारोह होता है, जिसमें आरिआ के सदस्य हिन्दू कॉलेज परिवार के लिए शानदार प्रस्तुति करते हैं। इसके पश्चात् यह समिति देशभर के विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं तथा अन्य कार्यक्रमों में भाग लेती है। यह समिति सतत अभ्यास करती है तथा दिल्ली विश्वविद्यालय व उसके बाहर भी लगभग सभी उत्सवों में प्रशंसा एवं पुरस्कार प्राप्त करती है।

MANTHAN THE QUIZZING SOCIETY

Manthan is the quiz society of Hindu College. Dedicated to bringing together the quizzers of Hindu College in order to facilitate balanced team formation and thus win as many quizzes as possible, the society also organizes quizzes on behalf of the College. Most recently the society organized three quizzes for Mecca, the annual Hindu college fest. Members are selected on the basis of their performance in a selection test as well as their performance and quiz-making

throughout the year. They are trained in common quiz formats, quiz-making, hosting and organization. The society has won top accolades at various quiz competitions.

मंथन: प्रश्नोत्तरी समिति

मंथन हिन्दू कॉलेज की प्रश्नोत्तरी समिति है। यह हिन्दू कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एकत्रित कर संतुलित टीम बनती है तथा उन्हें विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार करती है। यह समिति कॉलेज में भी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। हाल ही में समिति ने कॉलेज के वार्षिकोत्सव मेक्का में तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इसके सदस्यों का चयन उनके प्रदर्शन एवं सक्रियता के आधार पर किया जाता है। प्रश्नोत्तरी से जुड़े सभी पहलुओं पर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में इस समिति के सदस्यों ने प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

SCRIBE – CREATIVE WRITING SOCIETY

Established in 2011, Scribe provides a focal point to aspiring writers to share their creative output with others who share their passion for the written word. Thus, the Society energizes and challenges the young writers to adopt new styles of writing, make presentations in the weekly meetings of the Society, and evolve with the feedback from others. Functioning in a fairly disciplined manner, the Society assigns its members a theme that each of them has to address. Topics such as magical

Realism, utopian societies and fear have provided the subjects that have engaged the students in the past. The Society organizes the creative writing events for MECCA, the annual cultural festival of Hindu College. Its students have brought laurels to the college in various creative writing events held all over the campus. The Society provides a nurturing space for the exercise of the imagination of young students, unencumbered by scholarly judgment.

स्क्राइब रचनात्मक लेखन समिति

2011 में स्थापित हुई यह समिति विद्यार्थियों में छिपी रचनात्मक प्रतिभा को एक मंच देती है। इसकी साप्ताहिक बैठकों में लेखन की नई शैलियों पर विचार-विमर्श होता है तथा नए लेखकों को समय की चुनौतियों से रूबरू कराते हुए प्रोत्साहन भी दिया जाता है। समिति के सभी सदस्यों को जादुई यथार्थवाद, यूटोपिया आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया जाता है, जिससे उनमें रचनात्मकता के साथ-साथ अभिव्यक्ति कौशल भी विकसित हो सके। कॉलेज के वार्षिकोत्सव मेक्का में भी समिति रचनात्मक लेखन की प्रतियोगिताओं

का आयोजन करवाती है दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर इसके सदस्यों ने समिति और कॉलेज दोनों का मान बढ़ाया है। नवोदित प्रतिभाओं को आकार और प्रशिक्षण देने में यह समिति अग्रणी भूमिका निभाती है।

SAMHITA - THE LANGUAGE LITERATURE & CULTURAL SOCIETY

Samhita aims to provide a platform for all the societies to put forth their performances. It encompasses events of not only cultural kind but that of language and literature too. It collaborate with literary departments of English, Hindi and Sanskrit to bring forth presentations, symposiums, transcript readings etc. to encourage students to study the literatures and languages thoroughly. The society brings out the entire mystical and the aesthetic aspects of Indian culture to a wide audience, especially the youth.

संहिता: भाषा साहित्य और संस्कृति समिति

2007 में तत्कालीन प्राचार्या डॉक्टर कविता शर्मा ने संहिता की नींव रखी थी। अपने नाम के अनुरूप ही यह समिति सभ समितियों के प्रदर्शन के लिए एक रचनात्मक भूमि तैयार करती है। इसके अंतर्गत भाषा तथा साहित्य से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है मुख्य रूप से अंग्रेजी, हिंदी एवं संस्कृत विभागों के सहयोग से पठन पाठन और संगोष्ठियों के आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं के साहित्य को पढ़ने के प्रति रुचि विकसित की जाती है। इस प्रक्रिया में विद्यार्थियों में नवीन और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से एक आत्म सम्मान का भाव भी विकसित होता है। भारतीय संस्कृति और साहित्य के विभिन्न पहलुओं को वृहत्तर समुदाय तक पहुंचाना और इसके प्रति उनमें रुचि जागृत करना इस समिति का प्रमुख उद्देश्य है।

CAUCUS - THE DISCUSSION FORUM

Caucus-The Discussion Forum is the premier Group Discussion and Model United Nations Society of Hindu College. It aims to sensitize the youth towards the pertinent issues surrounding them and creates a platform to make them conscious of their roles as informed and intelligent individuals in the global society. To achieve the same, Caucus undertakes group discussions and formal debate in the Model United Nations format. The society conducts group discussions every week, throughout the academic term, on issues ranging from general interest to current affairs. It encourage students to think out of the box, nurture ideologies, welcome pragmatic changes, infuse in the students the qualities of a good diplomat: Confidence, Cognizance, Coherence, Cogency.

The members of the society are involved in the organisation of two major events:-

INTERNATIONAL HINDU MODEL UNITED NATIONS

Model United Nations is an academic simulation of the United Nations Organization that aims to educate participants about civics, effective communication, globalization and multilateral diplomacy. In Model UN, students take on roles as foreign diplomats and participate in a stimulated session of an UN, bodies, intergovernmental organization and regional organizations. IHMUN is one of the biggest MUN conferences in the country. IHMUN has seen participation from premier institutions in India, including various IITs, St. Stephen's College, St. Xavier's College, NLS (National Law School)-Bangalore, and NLU (National Law University) Delhi. It has also seen international participation from Students from renowned universities from the Indian subcontinent, United Kingdom, Germany, Canada etc.

VAKTAVYA

Through Vaktavya, Annual Group Discussion Fest, and IHMUN, Caucus aims to extend its grasp and reach out to a wider range of people, issues and levels of debate than ever before. This is the first of its kind of group discussion fest in DU and was inaugurated in 2010. It is also greatly anticipated and supported by its participants, most of whom are students from colleges and institutes all over the country. The fest provides them with a platform to discuss views, and simultaneously prepares them to become effective and unbiased decision-makers.

कॉकस : विचार मंच

कॉकस समूह के विचार-विमर्श व संयुक्त राष्ट्र मॉडल के लिए एक विशिष्ट समिति है। यह एक ऐसी समिति है, जिसका उद्देश्य वैश्विक समाज में युवा वर्ग को आस-पास बिखरे मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा उन्हें अपनी वैयक्तिक भूमिका के प्रति सचेत करना भी है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए समिति द्वारा समूह-चर्चा तथा संयुक्त राष्ट्र के मॉडल के प्रारूप में औपचारिक वाद-विवाद का आयोजन भी किया जाता है। सम्पूर्ण अकादमिक सत्र में साप्ताहिक तौर पर लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सामूहिक विचार-विमर्श का आयोजन किया जाता है। 2007 में इसकी स्थापना से लेकर अब तक के समय में इस समिति ने हिन्दू कॉलेज के बाहर भी अपनी संभावनाओं का विस्तार किया है तथा एक नई ऊंचाई प्राप्त की है। अपने वार्षिक सामूहिक विचार-विमर्श के उत्सव वक्तव्य तथा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू संयुक्त राष्ट्र मॉडल द्वारा कॉकस ने विचार-विमर्श के मुद्दों और स्तर को पहले से कहीं अधिक वृहत्तर समुदाय तक विस्तार दिया है।

इस समिति के सदस्य कॉलेज के दो बड़े कार्यक्रमों के संयोजन में संलग्न होते हैं।

- अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू संयुक्त राष्ट्र मॉडल वस्तुतः संयुक्त राष्ट्र संघ का

अकादमिक अनुकरण है, जिसका उद्देश्य इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को नागरिक शास्त्र, प्रभावी सम्प्रेषण, वैश्वीकरण तथा बहुपक्षीय कूटनीति से परिचित कराना होता है। संयुक्त राष्ट्र मॉडल में विद्यार्थी विदेशी राजनयिक की भूमिका में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय व अन्तःसरकारी संगठनों के प्रोत्साहन में भागीदारी करते हैं। हिन्दू कॉलेज में संयुक्त राष्ट्र के अनुकृत मॉडल का सम्मेलन देश में सबसे बड़े स्तर पर आयोजित किया जाता है। अब तक इसके छह सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किये जा चुके हैं, जिसमें कई बड़े प्रायोजकों का सहयोग प्राप्त हुआ है। इस सम्मेलन की विशेषता यह है कि इसमें हमेशा मात्र स्कूल जाने वाले प्रतिनिधियों के लिए अलग से एक समिति गठित की जाती है। इसमें सेंट स्टीफेंस कॉलेज, सेंट जेवियर कॉलेज, नेशनल स्कूल ऑफ लॉ-बंगलौर तथा नेशनल लॉ विश्वविद्यालय-दिल्ली जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से विद्यार्थी भाग लेते हैं। देश के बाहर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से भी इसमें विद्यार्थी हिस्सेदारी करते हैं।

- वक्तव्य दिल्ली विश्वविद्यालय में विचार-विमर्श से सम्बंधित अपनी तरह

का अनूठा उत्सव है। इसकी शुरुआत 2010 में हुई थी। इसमें बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालयों तथा संस्थानों से विद्यार्थी भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विभिन्न मुद्दों पर एक सार्थक विमर्श का अनूठा अवसर प्राप्त होता है।

ENGLISH DEBATING SOCIETY

The English Debating Society, which was founded in the pre-independence period (around the 1930s), is undoubtedly one of the most successful societies of our college. Comprising of 25 members from a variety of departments from all three streams, its primary focus is towards taking part in two kinds of debates, the Parliamentary form and the Conventional form. What we do focus on instead is the ability to think, analyses, how to argue, how to structure arguments and how to build our knowledge base. Aim of the society is to create an atmosphere conducive to learning and a platform that allows for free debate, discussion and airing of all opinions and thus make the debaters the best in terms of arguing and convincing. Society organises two most prestigious debates- the Premchand Memorial Parliamentary Debate and the Thadani Memorial Debate. Members of the society participate in debates all across the country. <http://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?Id=12>

अंग्रेजी वाद-विवाद समिति

स्वतंत्रता से भी पहले स्थापित अंग्रेजी वाद-विवाद समिति निस्संदेह कॉलेज की सर्वाधिक सफल समितियों में से एक है। कॉलेज के सभी विभागों से लगभग 25 सदस्यों को सम्मिलित करते हुए यह समिति प्राथमिक तौर पर दो प्रकार के वाद-विवाद में हिस्सा लेने पर ध्यान केन्द्रित करती है- संसदीय ढांचा तथा पारम्परिक ढांचा। हम जानते हैं कि वाग्मिता की कला अभ्यास से अर्जित की जा सकती है इसलिए यह हमारा मुख्य सरोकार नहीं है। इसके स्थान पर हम सोचने की क्षमता, विश्लेषण एवं तर्क की योग्यता को विकसित करने पर बल देते हैं। हम सदस्यों को इस हुनर में पारंगत करना चाहते हैं कि वे कैसे अपना तर्क विश्वसनीय ढंग से प्रस्तुत करें। हमारा लक्ष्य एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है जो सीखने की गति दे तथा हम एक ऐसा मंच भी बनाना चाहते हैं जहाँ उदार ढंग से वाद-विवाद संभव हो तथा सभी विचारों का खुले मन से स्वागत किया जा सके। वर्ष में मुख्यतः दो वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है- एक प्रेमचंद स्मृति संसदीय वाद-विवाद तथा दूसरा थडानी स्मृति वाद-विवाद। ये दोनों ही प्रतियोगिताएँ पूरे देश में प्रतिष्ठित हैं।

SYMPOSIUM - PARLIAMENTARY SOCIETY

The Symposium-The Parliamentary Society is a platform for all those who strive to make a difference by engaging in thoughtful discussions over policy and legislative issues. Weekly symposiums are organized in which society members seek to understand, and build perspectives on various issues of societal importance. Each year, the society organizes the Hindu Model Indian Parliament (HMIP)- the oldest Parliamentary simulation of Delhi University. It also convenes a Hindu Policy Summit, in which students from various Colleges and Universities, analyze and debate policy issues. Besides, the society assumes an important role during the Hindu College Elections, by organizing a Prime Ministerial Debate between the student candidates.

सिम्पोजियम : संसदीय समिति

सिम्पोजियम उनके लिए एक प्रभावी मंच है, जो नीति एवं विधि से सम्बंधित मुद्दों पर वैचारिक बहस के माध्यम से कोई बदलाव लाना चाहते हैं। सामाजिक महत्व के विभिन्न मुद्दों को समझने तथा उस पर अपना दृष्टिकोण निर्मित करने के लिए सदस्यों की एक साप्ताहिक विचार-गोष्ठी भी आयोजित की जाती है। प्रत्येक वर्ष यह समिति हिन्दू भारतीय संसद मॉडल की अनुकृति का आयोजन करती है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राचीनतम है। समिति हिन्दू पालिसी समिति का भी आयोजन करती है, जहाँ विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी पालिसी के मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा विश्लेषण करते हैं। इसके अतिरिक्त यह संस्था छात्र-चुनावों के दौरान अध्यक्षीय डिबेट को आयोजित कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

FINANCE & INVESTMENT CELL

Finance & Investment Cell, seeks to change the landscape of financial analysis and economic thinking in Hindu College and beyond. This society gives voice to students' opinion on the financial literacy, capital market, personal finance, current affairs and public policy. The society holds workshops, seminars and talks on contemporary issues by eminent experts in commerce and economics. The society also holds its annual fest "Enigma" with various events like Great Indian Tamasha, Dungeons and Dragons, Last man standing, Breaking the Bank, The winners' curse, Case study, Mock stock session, Quiz series etc. It has its own website to publish and share articles and research of the members with a large audience. The society has online forum to discuss and exchange views.

वित्त एवं निवेश समिति

इस समिति का गठन सितम्बर, 2012 में ही हुआ है। इसका उद्देश्य हिन्दू कॉलेज तथा उसके बाहर के आर्थिक विचार एवं वित्तीय विश्लेषण में सार्थक बदलाव लाना है। यह समिति वित्तीय साक्षरता, पूँजी बाज़ार, व्यक्तिगत पूँजी, सामयिक घटनाओं व जननीतियों पर विद्यार्थियों के विचारों को आवाज़ देती है।

समिति वाणिज्य और अर्थशास्त्र के उत्कृष्ट विशेषज्ञों के साथ समकालीन मुद्दों पर कार्यशालाओं तथा विचार-गोष्ठियों का आयोजन करती है। समिति द्वारा इसके वार्षिकोत्सव 'एनिग्मा' का आयोजन भी किया जाता है जिसमें ग्रेट इंडियन तमाशा, डेन्जेन्स एंड ड्रैगन्स, लास्ट मैन स्टैंडिंग, ब्रेकिंग दी बैंक, दी विनर्स कर्स, केस स्टडी, मॉचक स्टॉक सेशन, क्विज सीरीज इत्यादि जैसे कार्यक्रम शामिल होते हैं। समिति की वेबसाइट पर विद्यार्थी अपने लेख व शोध व्यापक पाठकवर्ग के साथ साझा कर सकते हैं। इस रूप में समिति के पास चर्चा एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक ऑनलाइन फोरम उपलब्ध है। समिति के पिछले प्रदर्शन अत्यंत ज्ञानवर्धक, अनुकरणीय तथा एक सुनहरे भविष्य को साथ लिए हुए रहे।

SPIC MACAY

Hindu College Wing is part of the Society for the Promotion of Indian Classical Music and Culture Amongst Youth which is India's largest voluntary non-profit and apolitical youth movement founded in the year 1977 by Dr. Kiran Seth. The mission of the campaign is to conserve and promote an awareness of our rich and heterogeneous cultural tapestry amongst the youth and to facilitate an awareness of their deeper and subtler values. The society has organised numerous performances by some of the most eminent artists of the country including Pandit Birju Maharaj, Pandit Hari Prasad Chaurasia and Pandit Vishwamohan Bhatt among others. Society conduct heritage walks to places in and around Delhi. The society strives to hold on to the motto of Nischkam

Seva (Selfless Service) in all our endeavours. In the near future we also plan to organise workshops on crafts like bamboo craft, painting, yoga or performing arts.

स्पिक मैके

हिन्दू कॉलेज का स्पिक मैके इकाई भारतीय संगीत एवं संस्कृति के प्रति युवाओं में अनुराग पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भारत का सबसे बड़ा स्वैच्छिक, अव्यवसायिक तथा गैर राजनीतिक युवा आन्दोलन है, जिसकी शुरुआत 1977 में डॉ किरण सेठ ने की थी।

इस अभियान का उद्देश्य अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा व विरासत को संरक्षित करना तथा युवाओं के बीच इसका प्रचार- प्रसार के माध्यम से उनमें इसके मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। इस समिति के द्वारा समय-समय पर ई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें पंडित बिरजू महाराज, पंडित हरि प्रसाद चौरसिया, पंडित विश्वमोहन भट्ट तथा कई अन्य देश के प्रसिद्ध कलाकारों की कला का प्रदर्शन होता है। समिति द्वारा दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में विरासत - यात्रा का आयोजन भी किया जाता है। इस समिति के मूल में निष्काम सेवा का भाव निहित है। आने वाले समय में बम्बू क्राफ्ट, योग, तथा अन्य कलाओं पर कार्यशाला आयोजित कराए जाने की भी योजना है।

ABSTRACTIONS - THE FINE ARTS SOCIETY

Abstractions, the Fine Art society of Hindu College has a history of over 25 years. Ever since its inception Abstractions has endeavored to support and stimulate various forms of art work like Painting, Sketching, Calligraphy, Graffiti, Clay modeling and Sculpturing. It has provided platform not only to the students of various colleges but also to the teachers to show case their talent and prove their creative acuity. An art gallery 'Bharat Ram Centre of Art', has become the hub of creative activities. With its quiet and green ambience this centre has been an instant hit among the art connoisseurs and much sought after rendezvous for art lovers. Abstractions has glorified the college by the outstanding art work of its artists at various inter college competitions. Its members have been actively associated with various committees engaged in cultural events. Be it the MECCA committee, the Founders Day Committee or Antardhwani, the members have formed an indispensable part. Abstractions organizes cultural festival every year which is an eagerly awaited event. It attracts talent from various colleges and has been a huge success.

एब्स्ट्रैक्शन: फाइन आर्ट्स समिति

हिंदू कॉलेज की फाइन आर्ट्स समिति का इतिहास 25 वर्ष पुराना है। आरंभ से ही इस समिति ने चित्रकला स्केचिंग, कैलीग्राफी, भित्तिचित्र, क्ले मॉडलिंग तथा मूर्तिकला जैसे कला रूपों को बढ़ावा देने तथा उसकी परंपरा को बनाये रखने का प्रयास किया है। इसने न केवल कॉलेज एवं उसके बाहर के विद्यार्थियों को बल्कि शिक्षकों को भी अपनी रचनात्मकता दिखाने का मंच प्रदान किया है। तत्कालीन प्राचार्या डॉक्टर कविता शर्मा द्वारा उसे फिर से बहाल किया गया तब से ही यह 'भरत राम कला केंद्र' पर रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बन गया। अपने शांति तथा हरे-भरे परिसर के कारण यह स्थान जल्दी ही कला के रसिकों की पसंद बन गया। समिति के सदस्यों ने विभिन्न अंतर महाविद्यालयों में अपने असाधारण प्रदर्शन से कॉलेज के गौरव में वृद्धि की है। इसके सदस्य कॉलेज में आयोजित होने वाले अन्य कार्यक्रमों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं चाहे वह मेक्का या फाउंडर्स डे का उत्सव हो या अन्तर्ध्वनि। समिति वार्षिक तौर पर सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन भी करती है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से विद्यार्थी भागीदार होते हैं।

BESIDES THESE THE COLLEGE HAS THE FOLLOWING SOCIETIES

AARAMBH - THE WESTERN DANCE SOCIETY

Aarambh was formed in 2013. The society strives to promote western dance in all its myriad forms. We here at Aarambh not only dance but perform our hearts out. We give the students a manifesting platform and also to compete in various competitions of several colleges. The society endeavours to give chance not only to trained professionals but also to those who possess the potential and try to nurture their talents.



ADHRITA - THE CLASSICAL DANCE SOCIETY

Adhrita the classical dance society has its practice sessions and performances at the Bharat Ram centre. Ever since its commencement, Adhrita, has taken part in various competitions and has won in many like IIT Bombay (Mood Indigo), Antardhwani (Delhi University festival), AIIMS (Pulse) and many more. Apart from taking part in various festivals and hosting its own festival, Natarang, Adhrita has had the opportunity to perform on various platforms in college and elsewhere. The society has performed in college on occasions like the opening ceremony of Mecca, the Founder's Day and the Orientation Day. The society has also performed in front of foreign delegates in the college. Apart from that, it has performed for NSS, Hindu Youth Summit, Youth Alliance.

ANKUR - SOCIETY FOR PHYSICALLY CHALLENGED

The College society, Ankur, which addresses the needs of the differently-abled, works in unison with the Equal Opportunity Cell (EOC) and various student volunteer groups like the NSS, NCC, etc. to create a amiable atmosphere for differently-abled students and to provide them any sustenance they might require.. The motto of the Society is "Strength in Weakness". The society organizes various activities for these students in addition to addressing their welfare concerns. The society also organizes an annual festival- "Goonj". As part of this fest, back-to-back inter college competitions have been conducted like: Poetry Recitation, Quiz, Just-a-Minute Debate, Talent Hunt, and Drama.

VIVRE- THE FILM AND PHOTOGRAPHY SOCIETY

Vivre, the Film and Photographic Society, is one of the College's most active societies, which by screening films and exhibitions provides exposure to students in these areas. It regularly organises events such as film

screenings , discussion sessions, photography festivals & contests etc. Vivre organized the screening of Pratibha Advani's documentary film 'Tiranga', which she called a heady mix of "cinema and country". A photo walk to Connaught Place was organized on, capturing the essence of Lutyen's Delhi.

Vivre collaborated with The Symposium Society of Hindu College to cover the Prime Ministerial Debate. Videos were made, wherein the candidates standing for various posts were questioned about their agenda for the ensuing year.

EARTHLINGS – THE WILDLIFE SOCIETY

Out of the ecological societies of the College, Earthlings, is extremely active and popular. It efforts both evidence the success of the College's commitment to environmental education, and generate education & awareness for

the rest of the College's members also. Earthlings, The wildlife society organizes trips to zoological and biodiversity parks such as Kamla Nehru Ridge, National Zoological Park and Asola Bhatti wildlife sanctuary. The society has active collaboration with bigger organizations such as WWF engaged in fund raising and awareness campaigns.

SCIENCE FORUM

The Science Forum of Hindu College was instituted by a group of inspired students and devoted faculty members to pursue science outside the classrooms and to facilitate open dialogue between the science departments of the College taking along social sciences and humanities. Acknowledging the significance of interdisciplinary research, the forum regularly organizes talks and seminars of interdisciplinary nature. "Intelligent Design vs Evolution", "Ethics in Science" were the recent topics on which discussions were held.

NORTH-EAST CELL

The North-East Cell is one of the registered societies of the College that began its functioning in 2011. The Cell integrates students from the North Eastern States into the mainstream. The cell provides a platform for all the students from North-East states studying in the College to share and sort out their problems. It counsels students, providing a friendly atmosphere far away from home. The Cell spreads awareness among people, especially the College fraternity so as to amalgamate the nation with the lesser known cultures of Northeast India a significant step towards national integration.

The cell celebrates its annual festival “NETym”, a multi-dimensional event, which encompasses the varied art and culture and history of India's north-east, the region's handicrafts, food, clothing, literature, contemporary developments as well as highlights its problems and hardships through seminars and discussions.

IBTIDA – THE HINDI DRAMATIC SOCIETY

Ibtida is the acclaimed dramatics society of Hindu College. It has consistently raised the standards and expectations of doing theatre and is thus perceived as one of the most sought after groups in the Delhi University theatre circuit. The society nurtures various forms of theatre ranging from the regular and classical stage performances to the more spontaneous and thoughtfully improvised street plays. Over the years, Ibtida has gradually incorporated electronic multimedia into the performances and at the same time it also stands as one of the only college in Delhi university that still retains the old world art of mime theatre. Ibtida was established in 1991 by the joint efforts of faculty members, Dr. Harish Naval (Department of Hindi) and Ms. Suchitra Gupta (Department of History) as well as theatre enthusiast Mr. Imtiaz Ali, who went on to become the famous and much loved Bollywood director. Ibtida equally owes its legacy to the unrelenting hard work and dedication of its members. At the beginning of the annual calendar, subsequent to new admissions, Ibtida holds auditions for students who wish to be part of the society. Ibtida on an average has more than a dozen stagings of street theatre every year on various social concerns ranging from gender discrimination to corruption. The theatre group also participates in motivating target groups with regard to specific social initiatives.. Medina the annual festival of the society is organized on social issues.

ABHIRANG – THE HINDI DRAMATIC SOCIETY OF THE HINDI DEPARTMENT

हिंदी विभाग की नाट्य संस्था 'अभिरंग' का सफर एकदशक से भी पुराना है। इस नाट्य संस्था का उद्देश्य हिंदी विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना है। अब तक अभिरंग ने अनेक नाटकों का मंचन किया है जिनमें कबीरा खड़ा बाजार में, मोटेराम का सत्याग्रह, सीमारेखा, तेरी मेरी उसकी बात, लपायाता कतू, प्रेमकथा पंचतंत्र से, कफ़न, गदर के साये में मुख्य हैं। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी वागीश कुमार सिंह तथा अरविन्द गौड़ भी अभिरंग से जुड़े रहे हैं। सत्र 2015-16 में अभिरंग ने दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद् सौजन्य से अंतरमहा विद्यालयी नाट्यप्रतियोगिता का आयोजन किया था जिसमें सात महाविद्यालयों के नाट्यदलों ने भाग लिया और अभिरंग का नाटक 'सद्गति' द्वितीय रहा। इसी तरह दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित भगत सिंह साहित्य महोत्सव में अभिरंग द्वारा दो प्रस्तुतियां दी गईं जिनमें नाटक 'सद्गति' के साथ एक सूफी कव्वाली 'किरपा करो महाराज' को भरपूर सराहना मिली।

VAGMI – THE HINDI DEBATING SOCIETY

‘वाग्मी’ हिंदी वाद-विवाद समिति, वर्ष-2005 से निरंतर समसामयिक विषयों व ज्वलंत मुद्दों पर विचारों के साझेदारी का मंच है। हिन्दू कॉलेज की सक्रिय व लोकप्रिय संस्था के रूप में वाग्मी का विशिष्ट स्थान है। ‘वाग्मी’ अपने कॉलेज की गरिमा व विशिष्टता को निरंतर आगे बढ़ाने में प्रयासरत है। प्रति सप्ताह समिति द्वारा चार अभ्यास सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सभी सदस्य किसी भी समसामयिक मुद्दे पर परिचर्चा/वाद-विवाद करते हैं। साथ ही समिति के सदस्य पूरे सत्र के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय प्रतिनिधित्व करते हैं। समिति की ओर से प्रति सत्र 4-5 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाता है। सत्र 2015-16 में समिति ने अपने दस वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम जश्न-ए-सफ़र का भव्य आयोजन करवाया था जिसमें मनोज तिवारी, चंद्र कुमार बोस, अभय कुमार दूबे तथा अनुज धर जैसी विशिष्ट हस्तियों ने भाग लिया।

PANCHTATVA – THE ENVIRONMENT SOCIETY

Nature provides a free lunch, but only if we control our appetites. This has been inspiration behind the working of our society. This society has always helped enhance its ever growing stature by providing record number of environ-mentalists, nature lovers and well-groomed citizens. Established in 2005, Panchtatva brings awareness among students as well as the College staff about the environment and its protection. Amongst its committed activities are the paper collection drive during the student elections (pamphlets, posters etc.) and donating the collected paper to an NGO for blind students, tree plantation drives in and outside the campus, .and anti-smoking campaign in association with the World Lung Foundation.

SRIJYA - CHOREOGRAPHY SOCIETY

Srija is the choreography society of Hindu college which has been functional since 2003. Unlike western dance societies, the choreography societies follow the contemporary form of dance. Every year the society comes up with a ten minutes production based on a theme. Srija has been performing at the Freshers' Welcome, Graduation Night, Founder's Day and Mecca. The team has participated in a number of competitions till now, conducted by IIT's and have been securing 1st & 2nd Positions. Srija along with Aarambh & Adhirta have been organizing the festival Aramya every year. The society aims to spread powerful messages through its productions and create an impact.

NAKSHATRA - FASHION SOCIETY

The fashion society Nakshatra provides a platform to budding fashion designers and models to showcase their talents as well as provide a common ground to both the streams to function synchronously for participation and organization of inter-colleges fashion shows and events. The members have been participating and bringing laurels to the society in various in-house and intercollege/University competitions. Nakshatra performed a show on the tribal theme in 2015, which was appreciated. Panache is the fashion show held at Hindu College fest Mecca which is hosted and managed by Nakshatra.

ENACTUS

Enactus at Hindu College was established in 2014 which brings students, business and academic leaders together with the goal of improving the quality of life and living standard of people in need, through the positive effects of business endeavours. Enactus launched Project Shreshthin collaboration with the Khadi Department of the Ministry of Small and Medium Enterprises, GOI, to inculcate entrepreneurship skills among women living in Badli Industrial Area. The society identified women of Badli Industrial Area, Delhi and helped them become self-reliant by acquiring the skill of making incense sticks. It is now helping the women set up their business of making and selling incense sticks.

APART FROM THIS THE COLLEGE ORGANISES THE FOLLOWING ANNUAL EVENTS:

1. O.P. KAUSHIK MEMORIAL LECTURE
2. RANJAN ROY MEMORIAL DEBATE
3. MADHU BHASIN MEMORIAL LECTURE
4. N.N. AGGARWAL PAPER READING CONTEST
5. ASHOK PRIYADARSHI MEMORIAL DEBATE
6. PROF. PREM CHAND MEMORIAL DEBATE
7. PROF. N.V. THADANI MEMORIAL DEBATE
8. LALITA SUBBU MEMORIAL LECTURE
9. DEEPAK SINHA MEMORIAL LECTURE

इसके अतिरिक्त कॉलेज की ओर से इन वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया जाता है -

1. ओपी कौशिक स्मृति व्याख्यान
2. रंजन राय स्मृति वाद-विवाद
3. मधु भसीन स्मृति व्याख्यान
4. एन एन अग्रवाल पेपर रीडिंग प्रतियोगिता
5. अशोक प्रियदर्शी स्मृति वाद-विवाद
6. प्रो. प्रेमचंद स्मृति वाद-विवाद
7. प्रो. एन वी थडानी स्मृति वाद-विवाद
8. ललिता सुब्बू स्मृति व्याख्यान
9. दीपक सिन्हा स्मृति व्याख्यान





VISIT THE SOCIETIES FOR STUDENT'S ACTIVITIES ON THE FOLLOWING

S
K
N
I
L
R
E
P
Y
H

Aarambh - The Western Dance Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=1>

Abhirang: The Hindi Dramatics Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=2>

Abhyas - The Internship Cell
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=3>

Abstractions: The Fine Art Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=4>

Adhrita - The Indian Dance Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=5>

Alankar - The Indian Music Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=6>

Ankur: The Enabling Unit (Equal Opportunity Cell)
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=7>

Aria - The Western Music Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=8>

Caucus - The Discussion Forum
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=9>

Earthlings - The Wildlife Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=10>

Enactus
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=11>

English Debating Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=12>

Friends Corner
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=13>

Ibtida - The Dramatics Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=14>

Panchtatva - The Environmental Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=15>

Manthan - The Quizzing Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=16>

Masque - The English Dramatics Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=17>

Nakshtra - The Fashion Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=18>

NCC - National Cadet Corps
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=19>

NSS - National Social Service
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=20>

Sriya: The Choreography Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=21>

Samhita - The Language, Literature and Cultural Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=22>

The Science Forum
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=23>

Scribe - The Creative Writing Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=24>

Spic Macay - Society for the Promotion of Indian Classical Music And Culture Amongst Youth
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=26>

Symposium - Parliament of the Republic of Hindu College
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=27>

Vivre - The Film and Photographic Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=28>

Hindu College Queer Collective (HCQC)
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=41>

वामी हिंदी वाद-विवाद समिति
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=36>

The Finance & Investment Cell
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=37>

Buniyaad: The Civil Services Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=38>

E-Cell Hindu
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=39>

Hindu Consulting Group
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=40>

TEDX Hindu College
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=42>

180 Degrees Consulting
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=43>

The Film Appreciation Society
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=44>

Gandhi Study Circle
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=45>

SC/ST Cell
<https://hinducollege.ac.in/stu-societies-details.aspx?id=46>



HINDU COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI



Hindu College Delhi University





Some of the **Famous Alumni** of Hindu College



1. Justice Y. K. Sabharwal (Former Chief Justice of India) 2. Arnab Goswami (Republic TV) 3. Gautam Gambhir (Cricketer) 4. Meenakshi Lekhi, (BJP) 5. Neha Khanna (NDTV) 6. Sreenivasan Jain (NDTV) 7. Dr. Naresh Trehan (Managing Director, Medanta Medicity Hospital) 8. Vinod Rai, 11th Comptroller and Auditor General of India 9. Tisca Chopra (Actor) 10. Imtiaz Ali (Director) 11. Eenam Gambhir (First Secretary in the Permanent Mission of India to the United Nation in New York) 12. Saba karim (Cricketer) 13. Rahul Mehra (Activist of Aam Aadmi Party) 14. Arjun Rampal (Actor).

DISCLAIMER

Every care has been taken to validate the contents of this Prospectus. The information given herein pertains only to the courses offered by Hindu College.

The information contained in the relevant Rules, Ordinances and Statutes of the University of Delhi will be final. The data contained in the Prospectus is only indicative and must not be used for legal purposes.

STATUTORY WARNING

AS PER THE ORDERS OF HON'BLE SUPREME COURT, ANY STUDENT FOUND INDULGING IN RAGGING ACTIVITIES WILL NOT ONLY BE EXPELLED FROM THE COLLEGE, BUT ALSO AN FIR (FIRST INFORMATION REPORT) BE LODGED AGAINST HIM/HER, WITH THE DELHI POLICE.



HINDU COLLEGE IS A NO SMOKING ZONE

"Delhi University is partnering with Delhi Police and World Lung Foundation — South Asia in promoting a tobacco-free environment. As a step in that direction, smoking is banned in our College".

